▸ वर्ष 69 ▸ अंक 155 ▸ पृष्ठ 12
▸ भोपाल, बुधवार 04 मार्च, 2026
▸ चैत्र कृष्ण पक्ष 01, विक्रम संवत 2082
▸ महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

ट्रंप का दावा-ईरान की वायुसेना-नौसेना तबाह

ईरान पर हमला

चौथा दिन

- 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' के तहत दक्षिणी लेबनान में इजराइल की जमीनी कार्रवाई
- अब तक 787 लोगों की मौत
- 153 शहरों को बनाया निशाना
- 504 जगहों पर किये गये 1,039 हमले ईरान में।
- ईरान ने होर्मुज को किया बंद
- संघर्ष में 6 अमेरिकी सैनिक मारे गए, 18 जवान घायल
- बहरीन ने ईरान के 73 मिसाइल, 91 ड्रोन नष्ट किए

तेहरान/तेल अवीव, जेएनएन। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले के चौथे दिन मंगलवार को भी इजराइली और अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले किए। उसने गल्फ देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बर्बाद करने का दावा भी किया। उधर, इजराइली सेना ने लेबनान के 59 कस्बों पर कब्जा कर लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने मंगलवार शाम ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में कहा, ईरान की वायुरक्षा प्रणाली, वायुसेना, नौसेना और नेतृत्व का अंत हो चुका है। ईरान के परमाणु, बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों पर निगरानी समझौते के लिए बातचीत करने की मांग अब बहुत देर हो चुकी है। इससे पहले ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सुरक्षा बल ईरान को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन सैन्य अभियान का सबसे तीव्र चरण अभी शुरू होना बाकी है। अमेरिका-इजराइल पिछले चार दिनों में 35000 से ज्यादा बम गिरा चुके हैं। इससे ईरान में 787 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 176 बच्चे शामिल हैं। उधर, इजरायली रक्षा बलों ने 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' के तहत दक्षिणी लेबनान में अपनी जमीनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायली सैनिक और सैन्य वाहन दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती इलाकों, विशेष रूप से कफरकेला और खियाम के मैदानों से सीमा पार कर चुके हैं। इजरायली रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा, सैनिकों को लेबनान में अतिरिक्त रणनीतिक स्थानों पर कब्जा करने का निर्देश दिया गया है, ताकि हिज्बुल्लाह के हमलों को रोका जा सके।

ईरान की जंग से शुरू हुआ 'सोच की गति' से भी तेज एआई: पेज-11

ईरान ने यूएई पर दागे 186 मिसाइलें और 812 ड्रोन

यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ईरान ने देश पर 186 मिसाइल और 812 ड्रोन दागे हैं। अधिकतर हमलों को एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। 186 मिसाइलों में से 172 को इंटरसेप्ट कर नष्ट किया गया, जबकि 13 मिसाइलें समुद्र में गिर गईं। एक मिसाइल यूएअई की सीमा के भीतर आ गिरी। 812 ईरानी ड्रोन की निगरानी की गई, जिनमें से 755 को इंटरसेप्ट कर मार गिराया गया। बहरीन सरकार ने पुष्टि की है कि ईरान की ओर से दागे गए 73 मिसाइलों और 91 ड्रोन को उसकी एयर डिफेंस फोर्सेस ने सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया है। ईरानी आईएसएनए के मुताबिक, बुशहर प्रांत के जाम और डिर शहरों पर अमेरिका और इजराइल के हमलों में आईआरजीसी के पांच सैनिक मारे गए।

भारत के पास 25 दिन का तेल

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईरान-इजराइल युद्ध के बीच भारत के पास सिर्फ 25 दिनों का कच्चा तेल, रिफाइंड ऑयल का स्टॉक बचा है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार अभी पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाएगी। ईरान ने स्ट्रैट ऑफ होर्मुज को बंद करने का ऐलान कर दिया है। ईरान की सेना ने चेतावनी दी है कि रूट से अगर कोई भी जहाज गुजरता है, तो उसे आग लगा दी जाएगी।

ईरान बोला-होर्मूज स्ट्रेट बंद

अमेरिकी सेंट्रल कमांड का कहना है कि ईरानी अधिकारियों के बयानों के बावजूद विश्व की तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं है। वहीं ईरान की आईआरजीसी ने कहा है कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। यहां से गुजरने वाले जहाजों पर आग लगा दी जाएगी। यह समुद्री रास्ता बहुत अहम है, क्योंकि दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल यहीं से गुजरता है।

ईरान में स्कूली बच्चों की कब्रें

ईरान के मिनाब शहर में मंगलवार को एक प्राथमिक स्कूल पर हुए हमले में मारी गई स्कूली छात्राओं का सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया, हमले में 160 से ज्यादा छात्राओं और कर्मचारियों की मृत्यु हुई है। यह हमला दक्षिण ईरान के मिनाब शहर में स्थित गर्ल्स एलीमेंट्री स्कूल पर 28 फरवरी को हुआ था। रिपोर्टों में मरने वालों की संख्या अलग-अलग बताई गई है।

एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: भारत

विदेश मंत्रालय ने कहा, खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा व कल्याण भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत वहां के घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। इस क्षेत्र में किसी भी बड़े व्यवधान का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है, क्योंकि भारत की व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाएं इसी भूगोल से होकर गुजरती हैं।

उड़ानें रद्द: नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों की वजह से भारतीय एयरलाइनों को बड़े पैमाने पर उड़ानों में कटौती करनी पड़ी है। ईरान और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण 28 फरवरी को 410 उड़ानें रद्द की गईं। 1 मार्च को भी 440 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द होने की संभावना जताई गई थी?

होली की शुभकामनाएं

अबीर-गुलाल, रंग, उल्लास-उमंग के पर्व होली के शुभ अवसर पर सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं एवं हॉकर बंधुओं को जागरण परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

- संपादक

अवकाश

होली पर हम भी आपके साथ रंगों में सराबोर होंगे, इसलिए **जागरण कार्यालय** में **4** मार्च, 2026 को अवकाश रहेगा। अतः **दैनिक जागरण** का अगला अंक 6 मार्च, 2026 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

होली विशेष: कब खेली गई थी दुनिया की पहली...: पेज-08

मंडला में भीड़ ने क्रूरता की हदें पार की

बच्चा चोर समझ नाबालिग को बांधकर पीटा, मौत

जागरण, मंडला। बच्चा चोर की अफवाह को लेकर लगातार मारपीट के मामले सामने आ रहे हैं। प्रदेश के मंडला में तो भीड़ ने क्रूरता की हदें पार कर दीं। यहां एक नाबालिग को बच्चा चोर समझकर भीड़ ने पकड़कर उसके हाथ-पैर बांधे और जमीन पर पटक दिया। लाठी लेकर उस पर टूट पड़े। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने नाबालिग को अस्पताल में भर्ती कराया। अगले दिन ही नाबालिग का शव रोड पर मिला। अब इस मॉब लिंचिंग जैसी क्रूरता का वीडियो सामने आया है। वीडियो में भीड़ बच्चा चोर समझकर बच्चे को बेरहमी से पीट रही है। मृतक की पहचान छग के कबीरधाम जिले के ग्राम कुकरापानी निवासी अमरलाल (17) के रूप में हुई है। परिजनों ने बिछिया पहुंचकर शव की शिनाख्त की, उनके मुताबिक, अमरलाल मानसिक रूप से दिव्यांग था और घर से गुमशुदा हो गया था। मामले में एसपी रजत सकलेचा का कहना है कि बच्चा रात में अस्पताल से भाग गया था। आशंका है कि भागते समय उसे किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने छुड़ाया था

गांव के सरपंच की सूचना पर बिछिया पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बालक को छुड़ाकर अस्पताल भेजा। मंडला एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि शुरुआती जांच में बालक मानसिक रूप से कमजोर लग रहा था, उसकी पहचान भी नहीं हो सकी थी। एसपी ने कहा, भीड़ द्वारा किसी व्यक्ति की पिटाई करना गंभीर अपराध है। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिछिया थाना प्रभारी रंजीत सैयाम ने बताया, सूचना पर एनएच-30 ग्राम गुनेरा के नजदीक शव देखा गया। पुलिस ने शव को पीएम के लिए बिछिया पहुंचाया। किसी बड़े वाहन से टक्कर होने की संभावना है। नाबालिग को अस्पताल में भर्ती करायाा था, बाद में वह वहां से चला गया था।

बदलाव : ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर कटेंगे पाइंट्स

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में हर साल लाखों की संख्या में सड़क हादसे होते हैं, जिनमें कई लोगों की मौत हो जाती है और हजारों लोग घायल हो जाते हैं। सड़क हादसों को कम करने सरकार की ओर से नए नियम को लागू करने की तैयारी की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार की ओर से किस तरह के नियम को लागू किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

जल्द लागू हो सकता है नया सिस्टम

सरकार की ओर से देशभर में सड़क हादसों को कम करने के लिए कई उपायों को लागू किया जाता है। समय समय पर इनमें बदलाव भी किए जाते हैं। सरकार जल्द ही एक और नए नियम को लागू करने की तैयारी कर रही है। नया नियम पाइंट्स पर आधारित हो सकता है। जिसमें यातायात के नियम का उल्लंघन करने पर पाइंट्स को कम किया जा सकता है। एक निर्धारित सीमा तक पाइंट्स के पहुंचने के बाद ड्राइविंग लाइसेंस को कुछ समय के लिए निलंबित भी किया जा सकता है और अगर बार बार नियम को तोड़ा जाता है तो उस व्यक्ति के ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द भी किया जा सकता है।

साल का पहला चंद्रग्रहण आधा नजर आया चांद

नई दिल्ली, जेएनएन। साल 2026 का पहला चंद्रग्रहण समाप्त हो गया है। चंद्र ग्रहण मंगलवार (3 मार्च 2026) दोपहर 3.21 बजे शुरू हुआ और शाम 6.47 बजे तक रहा। भारत के पूर्वी हिस्से में चंद्र ग्रहण सबसे पहले दिखा। कोलकाता में पूर्णिमा का चांद ग्रहण के चलते आधा दिखाई दिया। ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिरों में भगवान को स्नान कराया गया। श्रृंगार और भोग आरती के बाद मंदिर खुल गए। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार सुबह भस्म आरती के दौरान होली उत्सव मनाया गया। महाकालेश्वर मंदिर में कपाट बंद नहीं किए जाएंगे।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मंगलवार (3 मार्च 2026) को पूर्ण चंद्रग्रहण था। भारत में चंद्रग्रहण सबसे पहले अरुणाचल प्रदेश के तेजू नगर में दिखाई दिया, यहां चंद्रोदय शाम 5 बजकर 3 मिनट पर हुआ। चंद्रग्रहण पूरे एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, रूस, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका में दिखाई दिया। इसके पहले ग्रहण का 'सूतक काल' सुबह शुरू हो गया था। देशभर के मंदिरों के पट सुबह मंगल आरती के बाद बंद कर दिए गए थे।

चंद्र ग्रहण क्या होता है?

गुरुत्वाकर्षण बल यानी ग्रेविटेशनल फोर्स की वजह से पृथ्वी और सभी दूसरे ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं। पृथ्वी, 365 दिनों में सूर्य का एक चक्कर लगाती है, जबकि चंद्रमा एक प्राकृतिक उपग्रह है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है। उसे पृथ्वी के एक चक्कर लगाने में 27 दिन लगते हैं। सूर्य के चक्कर लगाने के दौरान कई बार ऐसी स्थिति बनती है जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच में आ जाती है। इस दौरान सूर्य का प्रकाश चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाता है और पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ने से चंद्र ग्रहण होता है। चंद्र ग्रहण की घटना तभी होती है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में हों, खगोलीय विज्ञान के अनुसार ये केवल पूर्णिमा के दिन ही संभव होता है। इसी वजह से ज्यादातर चंद्र ग्रहण केवल पूर्णिमा के दिन होते हैं।

भाजपा अध्यक्ष नवीन जाएंगे राज्यसभा

नई दिल्ली, जेएनएन। भाजपा ने मंगलवार को राज्यसभा के लिए 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार से राज्यसभा जाएंगे। उनके अलावा लिस्ट में शिवेश कुमार का भी नाम है। छत्तीसगढ़ से भाजपा ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। असम से तेराश गोवाला, जोगेन मोहन, हरियाणा से संजय भाटिया, ओडिशा मनमोहन सामल, सुजीत कुमार और पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा उम्मीदवार हैं।

6 राज्यों से 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी

10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी। ये सभी सीटें संबंधित सदस्यों के कार्यकाल पूरा होने के कारण रिक्त हो रही हैं। राज्यसभा का कार्यकाल छह साल का होता है। जिन सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है, उनकी सीटों पर ये चुनाव कराए जा रहे हैं। निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल उनके शपथ ग्रहण की तिथि से 6 वर्ष यानी 2032 तक रहेगा।

ईडन गार्डन्स में भिड़ेंगे न्यूजीलैंड-द. अफ्रीका

कोलकाता, जेएनएन। आईसीसी टी-20 विश्वकप का पहला सेमीफाइनल बुधवार को दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शाम सात बजे से होगा, जिसका प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉट स्टार पर होगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच होगा। मौजूदा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की टीम अबतक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मैच नहीं गंवाया है। वहीं, न्यूजीलैंड को पिछले ही मैच में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। दोनों के बीच अब तक 19 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं। जिसमें से दक्षिण अफ्रीका ने 12 मुकाबले जीते हैं, जबकि सात मैच न्यूजीलैंड के नाम रहे हैं।

मैच शाम सात बजे से स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉट स्टार पर

वापसी इजराइल-ईरान जंग के बीच मिडिल इस्ट से 7 फ्लाइट्स पहुंची भारत

दुबई-अबू धाबी से 2000 से अधिक भारतीय लौटे

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच मिडिल ईस्ट में फंसे 2100 से ज्यादा भारतीय 7 फ्लाइट्स से मंगलवार को देश लौटे। उधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने दो दिन में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर 8 खाड़ी देशों के नेताओं से बात की है। एयरस्पेस बंद होने के कारण मंगलवार को दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और चेन्नई एयरपोर्ट पर 250 से ज्यादा इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल कर दी गईं। इनमें दिल्ली से 80 से अधिक, मुंबई से 107, बेंगलुरु से 42 और चेन्नई से 30 उड़ानें शामिल हैं। इंडिगो जेद्दाह से हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद के लिए 10 स्पेशल उड़ानें भी चला रहा है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने मस्कट के लिए उड़ानें शुरू की हैं। रियाद से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचे एक पैसेंजर ने कहा-99 फीसदी फ्लाइट कैंसिल हैं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मैं यहां पहुंच पाया। मैं कन्नूर, केरल से हूं। सफर सुरक्षित था। हालात खतरनाक हैं। मैंने चार फ्लाइट बुक की थीं, लेकिन सभी कैंसिल हो गईं।

दुबई से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे एक यात्री ने कहा-वहां की स्थिति काफी डरावनी थी, लेकिन मुझे कभी असुरक्षित महसूस नहीं हुआ। मस्कट से छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचीं एक भारतीय ने बताया कि दुबई में लोग डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ओमान के लोग सबकी मदद कर रहे हैं। उन्होंने फंसे लोगों से हिम्मत रखने और लगातार कोशिश करने की अपील की।

दुबई से दिल्ली लौटे एक अन्य यात्री पीयूष ने बताया कि उनका सफर आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास पैसे और जरूरी साधन न हों तो उसे कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि हालात बहुत ज्यादा खराब नहीं थे, लेकिन हमलों की आवाजें सुनाई दे रही थीं और फोन पर लगातार अलर्ट आ रहे थे, जिससे डर का माहौल था।

नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद अबुधावी से लौटे भारतीय परिवार।

दुबई में फंसी सांसद की बेटी तीन दिन बाद सुरक्षित लौटी

दुबई में फंसी चांदनी चौक सांसद प्रवीण खंडेलवाल की बेटी सुबह सुरक्षित भारत लौट आई। वह पिछले तीन दिनों से दुबई में फंसी थीं। सांसद ने बताया कि उनकी बेटी बिजनेस ट्रिप पर गई थीं, लेकिन उड़ानें रद्द होने से लौट नहीं सकीं। पिता के रूप में ये दिन चिंता और अनिश्चितता से भरे रहे। आज सुबह उसकी सुरक्षित वापसी हमारे लिए भावनात्मक और सुकून देने वाला पल है।

विश्व कप विजेता भारतीय टीम लॉरेस पुरस्कार के लिए नामित

मैड्रिड, जेएनएन। भारत की महिला क्रिकेट टीम को पिछले साल पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के लिए लॉरेस की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। भारतीय टीम इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम, यूरोपीय राइडर कप टीम, फ्रांस की फुटबॉल लीग की टीम पेरिस सेंट जर्मेन और मैकलारेन फॉर्मूला वन टीम जैसी बड़ी टीमों के साथ नामित किया गया है।

लॉरेस स्पोर्ट ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य (339) को हासिल किया। इसके बाद टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला खिताब जीता और इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। इसके साथ ही टीम पुरुष लॉरेस वर्ग के लिए नामित हुए भारतीय खिलाड़ियों के खास समूह में शामिल हो गई है, जिसमें विनेश फोगाट (2019), नीरज चोपड़ा (2022), और रिषभ पंत (2025) शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाएं : खंडेलवाल

विसं भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कहा है कि वे आपस में सामंजस्य बनाकर विकास योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाए। खंडेलवाल मंगलवार को बैतूल में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। इस मौके पर केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके भी मौजूद रहे। इनके अलावा विधायक चंद्रशेखर देशमुख,डॉ. योगेश पंडाग्रे एंव श्रीमती गंगाबाई उइके भी उपस्थित रही।

अपने जन्मदिन पर पांच संकल्प लेंगे शिवराज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री और प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान 5 मार्च को अपने जन्मदिन पर 5 संकल्प लेंगे। जानकारी के अनुसार चौहान अपने जन्मदिवस पर पर्यावरण, सेवा, सहायता, शिक्षा और प्रतिभा प्रोत्साहन को लेकर पंच प्रण लेंगे। शिवराज अब स्वागत में माला, शॉल, गुलदस्ते और गिफ्ट नहीं लेंगे इसके बजाय लोगों से पौधे लगाने की अपील करेंगे। शिवराज अपने माता पिता की स्मृति में प्रेम-सुंदर प्रतिभा सम्मान शुरू करेंगे जिसमें विदिशा लोकसभा की आठों विधानसभाओं में 10वीं और 12वीं के टॉपर्स को सम्मान राशि दी जाएगी। इसके अलावा विदिशा संसदीय क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आठ मामा चलित अस्पताल शुरू किए जाएंगे। इनमें आधुनिक जांच और योग्य डॉक्टरों की टीम होगी, जो गांव-गांव जाकर निशुल्क इलाज करेगी। इसके अलावा विदिशा, रायसेन और भैरुंदा में मामा कोचिंग क्लास भी शुरू होगी, जिसमें बैंकिंग और सराकारी नौकरियों की फ्री कोचिंग दी जाएगी।इसके अलावा चौहान विदिशा में दिव्यांगजनों की पहचान कर उन्हें मोटराइच्ड ट्राईसाइकिलें देंगे।

नाले की सफाई में मृतको के परिजनों को 30-30 मुआवजे की घोषणा

विसं भोपाल। इंदौर में सोमवार को सीवर की सफाई कर रहे दो कर्मचारियों की मौत पर राज्य सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है। नगर निगम के इन कर्मचारियों के परिजनों को 30-30 लाख रुपए का मुआवजा देने की बात कही गई है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चोइथराम अस्पताल के गेट के पास सीवर की सफाई करने वाले निगम कर्मचारियों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को 30-30 लाख की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए है।

सीएम को लिखा कर्मचारियों ने पत्र

विसं भोपाल। प्रदेश के कार्यभारित आकस्मिक निधि कर्मचारी एवं छठवां वेतनमान प्राप्त स्थाई कर्मियों को मंहगाई भत्ता का लाभ देने को लेकर कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। पत्र में कर्मचारियों ने पहले राज्य सरकार द्वारा सातवां वेतनमान प्राप्त कर्मचारियों एवं छठवां वेतनमान प्राप्त स्थाई कर्मियों को एक साथ ही मंहगाई भत्ते का लाभ समान प्रतिशत के अनुसार भुगतान करने का आदेश जारी करती थी,लेकिन इस बार होली के त्यौहार होने के बाद भी स्थाई कर्मियों को मंहगाई भत्ते का लाभ नहीं दिया गया है । कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने सीएम ने आग्रह किया है कि कर्मचारियों को मंहगाई भत्ते को शीघ्र लाभ दिलाने के लिए आदेश जारी कराया जाए।

दफ्तर की जगह मैदानी दौरे करें अधिकारी

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सीमित होगी बैठकें, वरिष्ठ अफसरों से ही लिया जाएगा फीडबैंक

नए वन बल प्रमुख ने अंबाड़े के बदले आदेश

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में वन और वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाए गए है। वरिष्ठ अधिकारियों को दफ्तर में बैठने से ज्यादा मैदानी दौरे करने होंगे। इसी तरह हर महीने होने वाली वीडियो कांफ्रेस को भी सीमित किया गया है। अब मुख्यालय में पदस्थ अधिकारियों से ही पूरे महकमे का फीडबैंक लिया जाएगा।

यह परिवर्तन नए वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन ने बीते सोमवार को अपने अधीनिस्थ अधिकारियों को दिए है। उन्होंने पूर्व वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े के उस आदेश को भी पलट दिया है,जिसमें उन्होंने प्रत्येक सोमवार और मंगलवार को अनिवार्य वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के निर्देश दिए थे। इसी तरह विभिन्न शाखाओं द्वारा अलग-अलग बैठकें बुलाने पर भी रोक लगा दी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने दफ्तर पर बैठने की जगह मैदानी दौरे करने होंगे। उनके फीडबैंक के आधार पर ही विभाग मैदानी कार्यो की समीक्षा करेगी। सेन ने साफ किया कि विभाग के कार्यो की समीक्षा परिणामों के आधार पर की जाएगी और फील्ड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी जाएगी।

बताया गया है कि वन बल प्रमुख ने अधिकारियों को साफ कर दिया कि वे दफ्तर में बैठकर काम करने की व्यवस्था से वास्ता नहीं रखते,अलबत्ता वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व मैदानी निरीक्षण और संरक्षण कार्य है। उन्होंने कहा कि ज्यादा वीडियो कॉन्फ्रेंस व्यवस्था से अधिकारियों को नियमित गश्त,बीट निरीक्षण और स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए अधिक समय मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अब गर्मी का मौसम आ गया है,ऐसे में हमें किसी भी स्थिति में वनों को आगजनी जैसी घटनाओं से सुरक्षित रखना होगा। इसके लिए अधिकारी इस दिशा में सर्तकता बरते।

पहले ये था आदेश

तत्कालीन वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े के आदेश के मुताबिक हर सप्ताह सोमवार और मंगलवार को अनिवार्य रुप से वीडियो कॉफ्रेंस आयोजित की जाती थी। इतना ही नहीं अलग-अलग शाखाओं के अधिकारी भी बैठकें बुलाते थे,जिससे सप्ताह में ज्यादा दिनों तक मैदानी अधिकारी इन्हीं बैठकों की वजह से व्यस्त रहते थे,जिससे उनके पास मैदानी निरीक्षण या दौरे के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था। बताया गया है कि नए निर्देशों से अब डीएफओ और सीएफ स्तर के अधिकारियों को राहत मिलेगी और उन्हें वन संरक्षण या वन्य जीवों की सुरक्षा से जुड़े कार्यो के लिए अधिक समय मिल सकेगा।

रेंज स्तर का दौरा करेंगे सेन

बताया गया है कि वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन स्वयं मैदानी दौरे पर रहेंगे। उनके द्वारा राष्ट्रीय उद्यान,टाइगर रिजर्व और वन्यजीव अभ्यारणों का भी नियमित तौर पर दौरा किया जाएगा। गौरतलब है कि सेन इससे पहले पीसीसीएफ वन्यप्राणी थे। उनके कार्यकाल में कई बेहतर कार्य किए गए है।

कर्मचारियों की भी लेंगे सुध

जानकारों की माने तो वन बल प्रमुख द्वारा वन कर्मियों की समस्याओं को निराकरण के लिए भी विशेष उपाय किए जाएंगे। उनके द्वारा जहां नियमित अंतराल में कर्मचारी समस्या निवारण शिविर लगाए जाएंगे,तो वे कर्मचारी संगठनों से भी जीवंत संपर्क रखते हुए उनकी पेंशन,पदस्थापना सहित दूसरे मामलों के निराकरण की दिशा में आवश्यक कदम उठाएंगे। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे ने वन बल प्रमुख के प्रयासों को कर्मचारी हितेषी बताया है। उन्होंने बताया कि जब वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव थे,तब उनके द्वारा कर्मचारी समस्या निवारण का आदेश भी जारी किया गया था,किन्तु उन पर सार्थक प्रयास नहीं किए गए।

मध्यप्रदेश में फिल्म 'शतक' टैक्स फ्री

सीएम ने की घोषणा,आरएसएस पर बनी है फिल्म

विशेष संवादताता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर आधारित फिल्म शतक को मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री करने के निर्देश दिए है। विधायकों के साथ फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म में राष्ट्रसेवा और संस्कारों को सशक्त रुप से फिल्माया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोशल मीडिया हैण्डल एक्स पर इस घोषणा की जानकारी साझा की है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि हिन्दी फिल्म शतक को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री किया गया है। ये फिल्म राष्ट्रसेवा और संस्कारों की उस परम्परा को सशक्त रुप में प्रस्तुत करती है,जिसे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने दशकों से जीवित रखा है। उन्होंने आगे लिखा कि फिल्म शतक संदेश देती है कि संगठित विचार,चरित्र और सेवा भाव से ही एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। गौरतलब है कि शतक बीती 20 फरवरी को देश भर में रिलीज कर दी गई है। जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीते 100 साल की यात्रा के बारे में फिल्माया गया है। फिल्म की शुरुआत में 1925 में नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा संघ की स्थापना से होती है। पूरी फिल्म में किस तरह से एक छोटे से समूह से प्रारम्भ किया गया संगठन अपने शताब्दी वर्ष तक किस तरह से विशाल वटवृक्ष का स्वरुप धारण कर चुका है। फिल्म में डॉ.हेडगेवार और गुरुजी माधव सदाशिव गोलवलकर के जीवन और उनके संघर्षों को प्रमुखता से दिखाया गया है। साथ ही संघ के योगदान,विभाजन केसमय की स्थिति ,दादरा और नगर हवेली की मुक्ति,कश्मीर का मुद्दा और 1975 क्केआपातकाल के दौरान संगठन के संघर्षो का चित्रण भी फिल्म में किया गया है।

जल संसाधन विभाग ने नहीं भरे 48 करोड़ के बिजली बिल

एसीएस ऊर्जा ने अपर मुख्य सचिव को लिखा पत्र

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के सरकारी विभाग ही बिजली कंपनियों के बिलों का समय पर भुगतान नहीं कर रहे हैं। ताजा मामला जल संसाधन विभाग का है। इस विभाग ने बिजली कंपनियों के 47.99 करोड़ के बिल नहीं भरे हैं। यह राशि दिसंबर 2025 तक की है। कई रिमाइंडर देने के बाद भी जब जल संसाधन विभाग ने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आखिरकार प्रदेश के ऊर्जा विभाग के एसीएस नीरज मंडलोई ने जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा को सीधे पत्र लिखकर इन बिलों को जमा कराने को कहा है। इस पत्र के बाद राजौरा ने सीधे विभाग के इंजीनियर इन चीफ को निर्देश दिए हैं कि इन पेंडिंग बिजली बिलों का जल्द से जल्द भुगतान किया जाए। विभाग के मुखिया का पत्र मिलते ही जल संसाधन विभाग के इंजीनियर इन चीफ (ईएनसी) विनोद कुमार देवड़ा ने विभाग के सभी मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण यंत्रियों, कार्यपालन यंत्रियों, परियोजना संचालकों और प्रशासकीय अफसरों को खत लिखकर इन बिलों का अविलंब भुगतान करने को कहा है।

आगे से देरी न करने की समझाइश

जल संसाधन विभाग के ईएनसी ने सभी अधीनस्थ अफसरों को लिखे पत्र में साफ कर दिया है कि वे आगे से बिजली बिलों का समय पर भुगतान करें। इसके साथ ही उन्होंने सभी अफसरों से कहा है कि वे अपने जिलों में लंबित बिलों के साथ उसके कारण की लिखित जानकारी भी तत्काल जल संसाधन विभाग के मुख्यालय को दें। इस मामले में जल संसाधन विभाग के वित्तीय सलाहकार डॉ. अरुण पालीवाल ने भी विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखा है। एसीएस ने अपने पत्र में जल संसाधन विभाग को लिखा है कि बिलों का समय पर पेमेंट न होने के कारण बिजली कंपनियों के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के काम प्रभावित हो रहे हैं और कैश फ्लो न होने से पावर परचेज की देनदारी पर भी असर हो रहा है।

जिलों में सबसे अधिक भुगतान लंबित

जिला	कनेक्शन संख्या	लंबित रकम (करोड़ में)
राजगढ़	36	26.03
आगर	9	3.03
बैतूल	28	2.97
झाबुआ	14	2.97
रीवा	35	2.44
भिंड	33	2.10
कटनी	17	2.06

129 करोड़ से बनेंगीं एसआईएसएफ की दो नई बटालियन, पीएचक्यू में बनेगा नया हेडक्वार्टर

बैंकिंग और इंडस्ट्रीज से मिली 3600 सुरक्षाकर्मियों की डिमांड होगी पूरी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तर्ज पर बनाए गए राच्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) के विस्तार को मंजूरी दे दी है। फिलहाल दो बटालियन वाली एसआईएसएफ की बटालियन की संख्या आने वाले समय में बढ़कर चार हो जाएगी। वर्तमान में दो बटालियनों में एसएएफ से प्रतिनियुक्ति पर आए लगभग दो हजार जवान तैनात हैं। नए प्रस्ताव के तहत अब एसएएफ के 1900 अन्य जवानों को इन दो नई बटालियनों में प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया जाएगा। इन दो नई बटालियनों के गठन के लिए मंजूर किए गए 129 करोड़ रुपये के बजट का उपयोग दोनों बटालियनों के लिए नए और आधुनिक हथियार, वाहन, संचार उपकरण और सुरक्षा से जुड़े उपकरण खरीदने में किया जाएगा।

118 करोड़ की आय, फोर्स की कमी से कई प्रस्ताव पेंडिंग

पिछले साल जीआईएस में बड़े औद्योगिक घरानों ने करोड़ों के निवेश के समझौते किए, तो जमीन, प्लांट और सुरक्षा के लिए एसआईएसएफ की सुरक्षा चाही। फोर्स की कमी के कारण इन प्रस्तावों को मंजूरी नहीं मिल सकी। पिछले दिनों इंदौर और भोपाल में मेट्रो संचालन के लिए भी एसआईएसएफ ही पहली पसंद थी, लेकिन फोर्स की कमी के कारण यह काम भी निजी हाथों में सौंपना पड़ा। फिलहाल एसआईएसएफ के पास पावर सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर, इंडस्ट्रियल सेक्टर, लॉजिस्टिक सेक्टर और इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स की सुरक्षा के लगभग 20 प्रपोजल पाइप लाइन में हैं। नई बटालियनों की स्थापना के बाद इन सभी को एसआईएसएफ की सुरक्षा मिल सकेगी।एसआईएसएफ एक इंस्पेक्टर रैंक के अफसर की तैनाती के लिए 5400, सब-इंस्पेक्टर के लिए 4540, एएसआई के लिए 4390, हेड कॉन्स्टेबल के लिए 3000 और आरक्षक के लिए 2850 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान लेता है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल इंसास राइफल, जबकि उससे वरिष्ठ अधिकारी रिवॉल्वर से लैस होते हैं।

एसआईएसएफ से बगैर खर्च बढ़ी पुलिस की कमाई

एसआईएसएफ राच्य का इकलौता ऐसा बल है जिसने पिछले 10 वर्षों में न केवल अपना पूरा खर्च खुद उठाया, बल्कि सरकारी खजाने में 118 करोड़ रुपये का मुनाफा भी जमा किया। पिछले दस साल का आंकड़ा देखा जाए तो सरकारी और निजी कंपनियों को सुरक्षा प्रदान कर एसआईएसएफ ने अब तक 511 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया है। एसआईएसएफ अपनी तय दरों पर राच्य में स्थित सरकारी, अर्ध-सरकारी और निजी उद्योग व व्यापार को अपनी सुरक्षा प्रदान करता है। बड़े उद्योग और सरकारी महकमे एसआईएसएफ को निजी सुरक्षा बलों के बजाय इसलिए तरजीह देते हैं क्योंकि इसमें न केवल पुलिस की कड़ी ट्रेनिंग हासिल करने वाले जवान शामिल होते हैं, बल्कि ये उन्नत हथियारों से भी लैस होते हैं।

भर्ती-विस्तार के लिए प्लान तैयार

एसआईएसएफ की दो नई बटालियनों में से हर एक में 983 कर्मचारी होंगे। इनका चयन एसएएफ से प्रतिनियुक्ति पर किया जाएगा। एसआईएसएफ के फिलहाल रीवा के भटलो और भोपाल के भदभदा में दो क्षेत्रीय मुख्यालय हैं, जबकि पीएचक्यू परिसर में ही बल का राज्य मुख्यालय बनाया जाएगा। फिलहाल एसआईएसएफ प्रदेश में एसईसीएल, पावर जनरेशन कंपनी, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड, मॉइल इंडिया और हिंदुस्तान कॉपर बालाघाट जैसी सरकारी कंपनियों के साथ ही कर्मचारी चयन मंडल, पतंजलि संस्कृत संस्थान, और कई बैंकों को सुरक्षा मुहैया करा रहा है।

मंत्री लिखेंगे स्टाफ के कर्मचारियों की सीआर

विसं भोपाल। प्रदेश सरकार के मंत्री अपने स्टाफ में पदस्थ कर्मचारियों की सीआर लिखेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में मंत्रालयीन कर्मचारियों की सीआर एक सप्ताह के अंदर मांगी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मंत्रियों की स्थापना में पदस्थ तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की सीआर अब उनके मंत्रियों द्वारा लिखी जाएगी। इसी तरह जीडीए ने सभी विभाग प्रमुखों से मंत्रालय में पदस्थ कर्मचारियों की सीआर एक सप्ताह के अंदर जमा करने को कहा है। यह सीआर 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की समयावधि के लिए मांगी गई है। जिसमें विभागों को अपने यहां पदस्थ सहायक ग्रेड -1,सहायक ग्रेड -2,सहायक ग्रेड 3,मंत्रियों के निजी सहायकों,स्टेनों टायपिस्ट व तकनीकी कर्मचारियों की सीआर देनी होगी।

पूर्व सीएम सकलेचा की स्मृति में पुष्पांजलि आज

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरेंद्र कुमार सखलेचा के जन्म दिवस के अवसर पर विधानसभा में बुधवार को पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री समेत कई विधायकों के साथ विधानसभा के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्राम सुबह 10.30 बजे आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि मप्र विधानसभा में कुछ माह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा नई पहल की गई है, जिसके तहत दिवंगत हो चुके पूर्व मुख्यमंत्रियों और विधानसभा अध?क्षों के जन्म दिवस पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता: सीएम

विसं भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। दूरांचल क्षेत्रों व गांवों में रहने वाले ग्रामीणों और शहरी आबादी को समयबद्ध और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों, ऐसी व्यवस्थाए सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ये उनकी जवाबदारी है कि हर जरुरतमंद को गुणवत्ता पूर्ण उपचार मिल सके। सीएम ने इस संबंध में अपने वक्तव्य में कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना के व्यापक विस्तार, गुणवत्तापूर्ण उपचार सुविधाओं की उपलब्धता और चिकित्सा शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में सुनियोजित प्रावधान किए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 23 हजार 747 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान है, जो राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। राज्य सरकार का संकल्प है कि स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और सुदृढ़ अधोसंरचना के माध्यम से नए आयाम दिए जाएँ। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 4,600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, रोग नियंत्रण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन के लिए 1,934 करोड़ रुपये तथा उप स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए 782 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। सामुदायिक, उप एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए 580 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और बेहतर होगी। आशा कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त प्रोत्साहन के लिये 550 करोड़ रुपये तथा मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना के लिए 750 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिससे जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। सीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) के तहत प्रदेश में 4 करोड़ 46 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत 15 लाख 48 हजार कार्ड बनाकर मध्यप्रदेश शीर्ष पर है। इस योजना से 1,118 शासकीय एवं 720 निजी चिकित्सालय संबद्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में आयुष्मान भारत योजना के लिए 2,139 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त नॉन-एसईसीसी हितग्राहियों के लिए 863 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

किसानों को समृद्ध बनाने के प्रयास तेज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने एक अन्य वक्तव्य में कहा कि अन्नदाता ही मध्यप्रदेश के भाग्य विधाता हैं। जिन्हें समृद्ध बनाने की दिशा में सरकार द्वारा चौतरफा प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश का किसान सशक्त होता है, वही प्रदेश समृद्धि के शिखर को छूता है। सीएम ने कहा कि वर्ष 2026 किसान कल्याण वर्ष के साथ रोजगार आधारित कृषि उद्योगों के विकास वर्ष के रूप में भी मनाया जा रहा है। इसका एकमात्र लक्ष्य है हर संभव तरीके से किसानों की आय बढ़ाकर उनके जीवन में समृद्धि लाना। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को परम्परागत खेती-किसानी के बजाय अब वैज्ञानिक, उन्नत और परिष्कृत कृषि पद्धति अपनाने के लिये प्रेरित कर रही है। किसानों की वर्षा जल के संरक्षण, खेती की मिट्टी की सेहत और सीरत पर विशेष ध्यान, उन्नत बीज और जैविक-प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही अधिकाधिक पशुपालन से दुग्धोत्पादन, उद्यानिकी फसलों का क्रमिक विस्तार कर फूड प्रोसेसिंग में आगे आयें और क्राप वैल्यू एडिशन भी अपनाएं।

दावेदारी — भाजपा संगठन ने बनाई नई गाइडलाइन, मार्च माह में हो सकती है नियुक्तियां

संगठन की शर्त से कई दावेदारों ने निगम मंडलों से बनाई दूरी

विशेष संवाददाता,भोपाल। भाजपा ने निगम मंडलों में नियुक्तियों को लेकर नई गाइड लाइन तय कर दी है। जिसमें इन संस्थानों के पद पाने वालों को अगले चुनाव में टिकट नहीं दिए जाएंगे। जानकारों की माने तो इस शर्त के बाद कई वरिष्ठ नेताओं ने निगम मंडलों में नियुक्ति के लिए अपनी दावेदारी वापस ले ली है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार और प्रदेश संगठन ने सूबे के निगम ,मंडल,प्राधिकरण और आयोगों में राजनैतिक नियुक्तियां करने की तैयारी पूरी कर ली है। इसके लिए भोपाल से लेकर दिल्ली तक संगठनात्मक और सरकार स्तर पर हरी झंडी भी मिल गई है। संघ ने भी इन नियुक्तियों को लेकर अपनी मौन स्वीकृति भी प्रदान कर दी है। ऐसे में माना जा रहा है कि 15 अगस्त तक नियुक्तियों का काम पूरा हो सकता है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि यदि शीर्ष नेतृत्व ने सहमति जता दी तो प्रदेश सरकार के मंत्रिपरिषद का विस्तार और फेरबदल भी संभावित हो सकता है। अगर ऐसा हुआ तो पहले मंत्रिमण्डल का विस्तार हो सकता है और उसके बाद निगम मंडलों में नियुक्तियों के लिए सूची जारी कर दी जाएगी। भाजपा से जुड़े सूत्रों की माने तो निगम मंडलों को लेकर संगठन ने जो नई गाइड लाइन बनाई है,उसकी भनक लगने के बाद कई वरिष्ठ नेताओं और पूर्व विधायकों ने निगम मंडलों में अपनी नियुक्ति नहीं करने का आग्रह प्रदेश संगठन से कर दिया है। दरअसल नई गाइड लाइन में कहा गया है कि सरकारी संस्थाओं पर राजनैतिक नियुक्तियों में जहां विधायकों को मौका नहीं मिलेगा,तो वहीं जिन नेताओं को इन संस्थाओं में पद दिए जाएंगे,उन्हें अगले विधानसभा या दूसरे चुनावों में प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा। सूत्रों की माने तो पूर्व मंत्री और संघ की करीबी कहे जाने वाले अरविन्द भदौरिया,पूर्व मंत्री कमल पटेल सहित दूसरे बड़े नेताओं ने नेतृत्व की इस शर्त के बाद निगम मंडलों से अपने नाम वापस ले लिए है। इन नेताओं के एक करीबी भाजपाई का कहना है कि उनके नेताओं का कद पहले से ही इतना बड़ा है कि उन्हें निगम मंडलों के पद की आवश्यकता नहीं है। उनके द्वारा लगातार क्षेत्र में काम किया जा रहा है और अगले चुनाव में वे एक बार फिर से जीतकर विधानसभा पहुंचने की तैयारी कर रहे है,ऐसे में निगम मंडल के पद उनकी इस तैयारी पर पानी फेर सकते है। ऐसे में उनके द्वारा निगम मंडल में पद पानी की इच्छा छोड़ दी गई।

भाजपा चीफ व्हिप की करेगी नियुक्ति

जानकारों की माने तो प्रदेश भाजपा अपने विधायक दल में चीफ व्हिप नियुक्त करने के बारे में जल्द निर्णय ले सकती है। सूत्रों की माने तो वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई या पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस में से किसी एक विधायक को भाजपा चीफ व्हिप बना सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि निगम मंडलों में नियुक्तियां और संभावित मंत्रीमण्डल विस्तार या फेरबदल के बाद चीफ व्हिप की नियुक्ति की जा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

बिजली बिल की लिंक भेज रिटायर्ड अफसर से ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिजली जमा करने के नाम पर रिटायर्ड अफसर से आनलाइन 90 हजार रुपए की ठगी हो गई। जालसाज ने उन्हें लिंक भेजी, लिंक को खोलते ही उनके खाते से रकम निकाल ली गई। इस संबंध में उन्होंने ई-जीरो एफआईआर की थी। जहां से जांच प्रतिवेदन आने के बाद मिसरोद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी की असल कायमी की है। मिसरोद पुलिस के मुताबिक, 72 वर्षीय हृदयानंद राव पिता राधाकृष्ण राव श्रीराम कालोनी मिसरोद इलाके में रहते हैं। वह रिटायर्ड अफसर हैं। 25 सितंबर 2025 को उनके पास एक कॉल आया। कॉलर ने बताया आपका बिजली बिल जमा नहीं है। बुजुर्ग ने बोला कि बिल जमा है यदि नहीं जमा है तो मैं जमा कर दूंगा। कॉलर ने बोला कि आप एक फार्म भर दें। इसके बाद उनके मोबाइल पर एक लिंक भेजी। जैसे ही उन्होंने लिंक खोली। बुजुर्ग का मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद उनके खाते से 90 हजार रुपए निकाल लिए गए। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने इसकी शिकायत की थी। जांच के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा से दुष्कर्म

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एमपी नगर इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं का तैयारी कर रही एक छात्रा से दुष्कर्म हो गया। शादी का झांसा देकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में 28 वर्षीय युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने पुलिस को बताया कि वर्ष 2022 में सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी दोस्ती चंद्रप्रकाश से हुई थी। दोनों दो साल तक रिलेशन में रहे। इस बीच उसने एमपी नगर जोन-टू स्थित एक होटल में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने शादी का दवाब बनाया तो आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद आरोपी ने सोशल मीडिया पर युवती की फर्जी आईडी बनाकर उस पर आपत्तिजनक पोस्ट करना शुरू कर दिया। यह बात जब युवती को पता चली तो वह उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंची। आरोपी मूलतः नरसिंहपुर का रहने वाला है। एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा का कहना है कि आरोपी की तलाश में एक टीम नरसिंहपुर भेजी जाएगी।

छायाः एचसी वर्मा

चांद को लगा ग्रहण, भोपाल में दिखा आकाशीय चमत्कार

फाल्गुन पूर्णिमा और होली के अवसर पर चंद्रग्रहण के दौरान शहर का आकाश रक्तिम चंद्रमा से जगमगा उठा। ये नजारा लगभग एक सदी बाद देखने को मिला। इस दुर्लभ संयोग को कई लोगों ने अपने कैमरे में कैद किया। इसके अलावा ग्रहण के कारण भोपाल के बिरला मंदिर में भक्तों ने विशेष पूजा अर्चना की, जबकि मनुआ भान टेकरी और कंकाली माता मंदिर पर भी होली के दौरान विशेष अर्चना हुई। आम मान्यता के अनुसार ग्रहण के सूतक के बाद ही रंग खेलना शुभ माना गया है इसलिए शाम ढलते ही लोगों ने रंग-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं।

बैरिकेडिंग से लोग परेशान, सुल्तानिया इन्फेन्ट्री से डीआईजी बंगले तक भी बिना प्लानिंग बना रहे सड़क

रास्ते बंद होने से लोग परेशान, धूल पर पानी का छिड़काव करने मेट्रो कंपनी और नगर निगम भी नहीं गंभीर

जागरण संवाददाता, भोपाल। पुराने भोपाल में चल रहे निर्माण कार्य अब आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। जहां नए भोपाल में निर्माण कार्यों के लोगों को धूल से बचाने के लिए पानी का छिड़काव किया जाता है, लेकिन पुराने भोपाल में निर्माणाधीन एजेंसियां लोगों के साथ दोयम दर्ज का व्यवहार कर रही हैं। जिससे आम लोग परेशान हैं। पहला निशातपुरा फाटक से लेकर डीआईजी बंगले चौराहे तक मेट्रो कंपनी ने बेरिकेडिंग कर सड़क अधिगृहित कर दी है। दूसरी ओर सुल्तानिया इन्फ्रेन्ट्री लाइन से डीआईजी बंगले की ओर भी सड़क निर्माण किया जा रहा है, लेकिन बिना प्लानिंग के चल रहे सड़क निर्माण के कारण गीतांजलि कॉलेज से लेकर टीला जमालपुरा पुलिस तक जाम लग रहा है। पुराने भोपाल के वार्ड 12 स्थित नारियल खेड़ा, प्रेम नगर, गणेश नगर, शारदा नगर, देवकी नगर और श्रीनगर इलाकों तक लोगों का पहुंचना मुश्किल हो गया है। लोगों को 5 मिनट की दूरी तय करने में 20 मिनट से लेकर 45 मिनट तक समय लग रहा है। लोगों के मुताबिक निर्माण कार्य के चलते वार्ड 12 तक पहुंचने वाले सभी रास्ते लगभग बंद कर दिए गए हैं। जिससे लोग परेशान हो रहे हैं। दूसरा खुदाई और निर्माण कार्य के कारण उड़ने वाली धूल भी लोगों को बीमार कर रही है। प्रदूषण के चलते बुजुर्गों को श्वास संबंधी गंभीर बीमारियां हो रही हैं।

जरूरत के समय फायर ब्रिगेड एंबुलेंस भी नहीं पहुंच सकेगी

इस पूरे क्षेत्र को निर्माणाधीन एजेंसियों द्वारा इस तरह से बंद कर दिया गया है कि जरूरत के समय फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस भी इन कालोनियों तक नहीं पहुंच सकेगी और जिस तरह से सड़कों को बंद किया गया है। उसके अनुसार अगले एक सप्ताह तक लोगों को यह जाम की समस्या झेलनी पड़ेगी। इसके अलावा वार्ड 12 में रहने वाले सैकड़ों बच्चों की स्कूल बस भी अगले एक सप्ताह तक उनके घरों तक नहीं पहुंच सकेगी। जबकि निशातपुरा फाटक से काजीकैंप तक मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान लोगों को अगले एक साल तक धूल की समस्या से परेशान होना पड़ेगा।

रेजिमेंट रोड पर सुस्त रफ्तार से चल रहा नाली निर्माण

शाहजहानाबाद स्थित रेजिमेंट रोड की 45 साल पुराने ड्रेनेज सिस्टम और नाली को बनाने का काम पिछले तीन माह से सुस्त रफ्तार से चल रहा है। नाली निर्माण के कारण पिछले तीन माह से रेजिमेंट रोड पर जाम और धूल की समस्या है। यहां भी नगर निगम द्वारा पानी का छिड़काव नहीं कराया जा रहा है। नतीजतन धूल के कारण बुजर्ग और अन्य लोग परेशान हो रहे हैं। इस संबंध में रहवासियों और दुकानदारों द्वारा काम को तेज गति से पूरा कराए जाने और पानी का छिड़काव कराए जाने की मांग की है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

" धूल से बुजुर्ग और अस्थमा के मरीजों को परेशानी हो सकती है। ऐसे में निर्माणाधीन एजेंसियों को इन क्षेत्रों में पानी का छिड़काव कराना चाहिए, ताकि लोगों की समस्या कम हो।

■ डॉ. लोकेन्द्र दवे, वरिष्ठ श्वास रोग विशेषज्ञ, हमीदिया अस्पता

पुलिस मुख्यालय के पास में महिला से दुष्कर्म

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस मुख्यालय के पास स्थित खटलापुरा पार्क में एक महिला के साथ जबरन रेप की घटना सामने आई है। महिला के परिचित ने घर छोड़ने के बहाने वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद वह फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता जहांगीराबाद थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया। जहांगीराबाद पुलिस के मुताबिक, थाना इलाके में रहने वाली 22 वर्षीय महिला गृहणी है। पहले पति की मौत के बाद उसने दूसरी शादी कर ली। उसका पहला पति गांधीनगर इलाके में रहता था। दादा-दादी के साथ तीन साल का बेटा रहता है। रविवार को महिला अपने बेटे से मिलने गांधीनगर गई थी। जहां से लौटते समय रात करीब साढ़े आठ बजे वह हमीदिया अस्पताल के पास आटो का इंतजार कर रही थी। तभी उसका पूर्व परिचित आदिल खान मिला। उसने महिला को घर छोड़ने की बात कही। भरोसे में आकर महिला उसके साथ बाइक पर बैठ गई। छोटे तालाब के पास स्थित खटलापुरा पार्क पर आरोपी ने अपनी बाइक रोकी। उसने महिला को बताया कि उसका एक दोस्त आने वाला है। उससे मिलने के बाद उसे घर छोड़ देगा। रात करीब दस बजे आरोपी पीड़िता को पार्क के सुनसान जगह ले गया। जहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद वह भाग निकला। पीड़िता अपने घर पहुंची और पति को घटना के बारे में बताया। इसके बाद पीड़िता पति के साथ थाने पहुंची और आरोपी आदिल खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

साध्वी रंजना के खिलाफ पाटीदार समाज, धर्म बदलने की दी चेतावनी

भोपाल। राजधानी में साध्वी रंजना की कार के ट्रेफिक में फंसने और उसके बाद हुए विवाद का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी युवकों के पक्ष में आए पाटीदार समाज ने चेतावनी दी है कि अगर इस मामले में युवकों पर दर्ज केस रद्द नहीं किया गया और साध्वी के खिलाफ एफआईआर नहीं हुई तो वे धर्म परिवर्तन कर लेंगे। मंगलवार को पाटीदार समाज, ओबीसी मोर्चा और सकल हिंदू समाज के बैनर तले बड़ी संख्या में लोग भोपाल के मिसरोद में मांगलिक भवन में इकट्ठा हुआ। यहां प्रदर्शन के दौरान जय श्री राम के नारे लगाए गए। बाद में कलेक्टर और कमिश्नर के नाम एसीपी को ज्ञापन सौंपा गया। समाज के पदाधिकारी अजय पाटीदार ने कहा कि इस विवाद के बाद साध्वी के पक्ष में आए

संगठनों ने उनके समाज को जिहादी और अराजक कहकर अपमानित किया गया है साथ ही उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराए गए हैं। यह बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि यदि हमें हिंदू समाज का हिस्सा नहीं माना जाता तो समाज सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन पर विचार करने को मजबूर होगा।

पुलिस पर एकपक्षीय कार्रवाई का आरोप

अजय पाटीदार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने दबाव में आकर एकपक्षीय कार्रवाई की है। पुलिस ने सामान्य घटना होने के बावजूद उनके समाज के युवाओं पर गंभीर धाराएं लगाईं। पाटीदार का कहना है कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे से सच सामने आ जाएगा। गौरतलब है कि निरंजन अखाड़े से जुड़ी साध्वी रंजना 25 फरवरी को अपने भाई-बहन के साथ कार से जा रही थीं। मिसरोद थाने के पास कट पॉइंट पर सामने से आई गाड़ी के कारण उनकी कार ट्रैफिक में फंस गई और जाम लग गया। गुस्से में साध्वी कार से उतरीं और सामने वाली कार के ड्राइवर को तमाचा मार दिया।

मामा जलेबी वाला रेस्टोरेंट के कर्मचारी ने लगाई फांसी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोहेफिजा इलाके के गुफा मंदिर रोड स्थित मामा जलेबी वाला रेस्टोरेंट के एक कर्मचारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। रातभर युवक बैचेन घूमता रहा। सुबह छोटे भाई ने देखा तो वह फांसी के फंदे से लटका मिला। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वह शव लेकर गृह नगर भिंड चले गए। पुलिस के मुताबिक, 22 वर्षीय अमित पचौरी पिता देवेंद्र पचौरी पीथनपुरा, भिंड का रहने वाला था। वह यहां पर गुफा मंदिर रोड स्थित मामा जलेबी वाला रेस्टोरेंट में काम करता था और इसी बिल्डिंग के ऊपर छोटे भाई अनुज के साथ रहता था। रविवार रात को खाना खाने के बाद अनुज अपने कमरे में सोने चला गया। जबकि हॉल में टहल रहा था।

जनगणना करने क्यूआर कोड वाले आई कार्ड लेकर पहुंचेंगे कर्मचारी

जानकारी देने के साथ जागरूक भी करेंगे, मोबाइल एप के जरिए ही होगी एंट्री

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में मई माह से होने वाली जनगणना को लेकर हलचल तेज हो गई है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया है कि जनगणना के दौरान आम लोगों को जागरूक करने का काम भी किया जाए, ताकि लोगों के मन में किसी भी तरह का भ्रम या अफवाह न रहे। जिसके तहत जनगणना कार्य में लगने वाले कर्मियों को आम लोगों से मुखातिब होने के टिप्स भी दिए जा रहे हैं। इस दौरान जो कर्मी जनगणना का काम करेंगे उन्हें विशेष प्रकार के क्यूआर कोड युक्त आई कार्ड दिए जाएंगे। ताकि आम लोगों को उनकी पहचान करने में आसानी हो और किसी भी तरह का कोई फर्जीवाड़ा सामने न आ सके।

लोगों को यह जानकारी देंगे कर्मचारी

जनगणना के दौरान किसी भी तरह की अफवाह सामने आने पर कर्मचारी लोगों को समझाएंगे कि यह डेटा देश के विकास और सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए जरूरी है। जनगणना के आधार अगले 10 साल के विकास की नींव रखी जाएगी। साथ ही हर कर्मचारी को जनगणना को अपनी व्यक्तिगत जानकारी समझते हुए इसे पूरी ईमानदारी के साथ करने के निर्देश दिए गए हैं। हमेशा कंट्रोल रूम से संपर्क स्थापित निर्देश दिए गए हैं।

इस तरह होगी जनगणना

इस बार की जनगणना पूरी तरह से डिजिटल होगी ताकि डाटा को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं किया जा सके। जनगणना के दौरान डिजिटल एंट्री अनिवार्य की गई है। जिसमें मोबाइल एप के जरिए डेटा एंट्री की जाएगी। जिसके लिए हर कर्मचारी को स्मार्टफोन चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। पहले चरण में केवल मकानों की लिस्टिंग और उनके उपयोग (आवासीय या व्यावसायिक) की जानकारी जुटाई जाएगी। यह सारा कार्य समय सीमा में किया जाएगा, जिसके लिए भोपाल शहर को कई जोन में बांटकर काम पूरा करने की डेडलाइन तय की जाएगी। इसके अलावा यदि किसी क्षेत्र का डेटा गलत पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारी और सुपरवाइजर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

परेशानी फिशिंग, ओटीपी, जॉब ऑफर और इन्वेस्टमेंट के नाम पर नए तरीकों से हो रही ठगी

प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध, हर घंटे 8 एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में हर घंटे औसतन 8 साइबर क्राइम के मामले दर्ज हो रहे हैं। अगर हिसाब लगाया जाए तो रोज लगभग 190 लोग साइबर फ्रॉड का शिकार हो रहे हैं। 2025 में पहले छह महीनों में ही कुल 34021 साइबर अपराध के केस सामने आए हैं, जबकि यह आंकड़ा 2021 के मुकाबले कई गुना च्यादा है, जब पूरे साल में सिर्फ 13768 मामले दर्ज हुए थे। साल 2021 से 2025 तक का साइबर ठगी का ग्राफ अब आसमान छू रहा है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 2022 नें 26053, 2023 में 52846 और 2024 में 68,578 मामले सामने आए थे। 2025 में जनवरी से जून माह तक ही 34,021 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, जो साल के अंत के फाइनल आंकड़ों में 70 हजार से अधिक हो सकती हैं। ये वे मामले हैं जिनकी जानकारी केंद्र सरकार द्वारा राच्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से दी गई है।

गिने-चुने लोगों को ही वापस मिलती है ठगी की रकम

राज्यसभा में पेश किए गए इन आंकड़ों के अनुसार ये मामले मुख्य रूप से फिशिंग, ओटीपी स्कैम, फर्जी जॉब ऑफर, शेयर मार्केट, निवेश घोटाले, डिजिटल अरेस्ट और सोशल मीडिया पर होने वाले अन्य फर्जीवाड़ों से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार इस तरह के मामले प्रदेश के महानगरों भोपाल-इंदौर से लेकर छोटे कस्बों तक तेजी से सामने आ रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पुलिस इन मामलों को सुलझाने में जूझ रही है। राज्य साइबर सेल में इस तरह के अपराधों की जांच करने वाले ट्रेंड अधिकारी बहुत कम हैं। स्टेट साइबर सेल के साथ ही जिलों की साइबर सेल में भी केवल डिजिटल और साइबर स्कैम की जांच करने वाले अफसरों की संख्या 500 से भी कम है. ऐसे में यही अधिकारी हजारों शिकायतों की जांच का बोझ उठा रहे हैं। इन मामलों में सबसे ज्यादा मुश्किल तब आती है जब ठगी को अंजाम देने वाला गिरोह अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय होता है। ऐसे में उन्हें ट्रेस करना मुश्किल हो जाता है। एमपी में साइबर फ्रॉड सकी रिकवरी की स्थिति भी दयनीय है। यहां केवल गिने-चुने लोगों को ही ठगी की रकम वापस मिल पाती है।

एडवाइजरी के भरोसे पुलिस, नए तरीके अपना रहे ठग

इस तरह के लगातार बढ़ते मामलों के बाद पुलिस हर बार एक एडवाइजरी जारी कर देती है। इसमें लोगों को साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय गिना दिए जाते हैं। पुलिस हर बार अपनी एडवाइजरी में दावा करती है कि वे कभी भी ओटीपी, बैंक डिटेल्स या यूपीआई पिन किसी से शेयर न करें। इसके अलावा अनजान लिंक पर क्लिक न करने, फर्जी कॉल्स और वीडियो कॉल्स से सावधान रहने और किसी भी तरह का शक या ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 और साइबर क्राइम वेबसाइट पर शिकायतें दर्ज करने की सलाह देती है। हालांकि एक हकीकत यह भी है कि ठग हर थोड़े से अंतराल के बाद लोगों को झांसा देने में सफल हो जाते हैं। इन दिनों डिजिटल अरेस्ट का दौर चल रहा है, वहीं अब एक नया तरीका वाहन मालिकों को फ्री इंश्योरेंस का झांसा देने का अपनाया जा रहा है।

3 हफ्तों में खोज निकाले 3.73 करोड़ के 1835 मोबाइल फोन

पुलिस ने मालिकों को लौटाए

मुख्य संवाददाता, भोपाल। होली से पहले पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर अलग-अलग जिलों से गुम या चोरी हुए 1835 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 3 करोड़ 73 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। सायबर विश्लेषण के साथ ही केंद्र सरकार के सीईआईआर और एनसीआरपी पोर्टल के जरिए पुलिस ने देश के अलग-अलग राच्यों से इन मोबाइलों की लोकेशन ट्रैक की और वहां जाकर फोन खोज निकाले। जानकारी के अनुसार, इन मोबाइल फोन में से कई फोन ऐसे थे जो अन्य राच्यों में चल रहे थे। इस अभियान के बाद पुलिस ने होली से पहले कई जिलों में बाकायदा कार्यक्रम आयोजित कर असली मालिकों को उनके खोए हुए मोबाइल लौटा दिए। इसके अलावा मंडला जिले में तो पुलिस ने कान्हा नेशनल पार्क के दूरस्थ क्षेत्रों में रह रहे ग्रामीणों को उनके घर जाकर मोबाइल लौटाए। ये फोन

इन जिलों में हुई कार्रवाई

- **ग्वालियर-** सायबर सेल ने देश के विभिन्न इलाकों से 551 मोबाइल बरामद किए, इनकी कीमत लगभग 1.33 करोड़ है।
- **उज्जैन-** कुल 409 मोबाइल बरामद, कुल कीमत 73.50 लाख रुपए।
- **गुना-** विशेष अभियान और तकनीकी टीम की मदद से 213 मोबाइल खोजे, अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए।
- **मंडला-** कुल 253 मोबाइल बरामद, कीमत 38 लाख रुपए।
- **सिंगरौली-** 172 मोबाइल ट्रैक कर खोजे, कीमत 42 लाख रुपए।
- **छतरपुर-** दो चरणों में 200 मोबाइल बरामद, कुल कीमत 29 लाख रुपए।
- **कटनी-** मोबाइल स्टोर में चोरी करने वाले गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार, 20 मोबाइल बरामद।
- **जबलपुर-** जीआरपी गाडरवारा ने 6 चोरी के मोबाइल के साथ एक आरोपी को पकड़ा।

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

आज के शब्द : आपदा, संकट, विपत्ति, विपदा और खतरा

आपदा : यह बना है, 'आपद्' से, जिसका प्रयोग दुर्भाग्य अथवा संकट के लिए होता है। 'आपदा' शब्द का प्रयोग प्राकृतिक- संकट के लिए होता है। उदाहरण के लिए, बाढ़, भूकंप, हिमस्खलन आदिक के लिए 'आपदा' का प्रयोग किया जाता है। पीड़ित (पीड़ित संस्कृत के अनुसार अशुद्ध है, पर हिंदी में लिखा जाता है।) अथवा कठिनाई में फंसे हुए के लिए 'आपन्न' शब्द है। प्राकृतिक आपदा की जगह सिर्फ 'आपदा' का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि 'आपदा' का प्रयोग प्राकृतिक संकट के लिए ही होता है।

संकट : शब्दार्थ की दृष्टि से, संकरे अथवा संकीर्ण मार्ग को संकट कहा जाता है। इसका मूल अर्थ अब गौण हो गया है और लाक्षणिक अर्थ ही प्रचलित है। व्यवहार में संकट की स्थिति वह मानी जाती है, जिसमें चारों ओर से विपत्ति या खतरा हो और बचकर निकलने का मार्ग अत्यंत संकरा हो।

विपत्ति : प्रतिकूल स्थिति में जाना अथवा गिरना ही विपत्ति है। मृत्यु, विनाश, अनर्थ, अनिष्ट इत्यादि के लिए विपत्ति का प्रयोग होता है। विपद् दुर्भाग्य और दुःख का वाचक शब्द है। अब यहां 'विपद्' से बनने वाले हिंदी के कुछ महत्वपूर्ण शब्दों को देख लेते हैं : जिनका प्रयोग हिंदी के अध्येता भूल रहे हैं : 1. विपत्काल : विपत्काल (विपद् +काल = विपत्काल) संकट अथवा मुसीबत की घड़ी को कहते हैं ।2 . विपत्युक्त : विपत्युक्त (विपद् + युक्त) का अर्थ है अभागा अथवा दुःखार्त (दुःख+ ऋत= दुःखार्त; अर्थात् दुःखी) । 3. विपल्ली : 'विपद्-ग्रस्त' के लिए एक अन्य शब्द है 'विपल्लीन' (विपद् + लीन) 4 . विपज्जाल : विपज्जाल (विपद् + जाल = विपज्जाल) का अर्थ है, दुःख अथवा विपदा का जाल अथवा बंधन ।

विपदा : विपदा व्यक्ति विशेष के लिए आई कोई मुसीबत है। बाढ़ की आपदा किसी के लिए विपदा हो सकती है। सामान्यतः यह मानव जनित होती है। विपदा जिस पर आती है, वह भले ही 'विलाप' करे; शेष जन उससे अनभिज्ञ रह सकते हैं। 'आपदा' जब आती है तो बहुसंख्य लोगों को पता चल ही जाता है।

खतरा : खतर से बना शब्द है। 'खतर' का अरबी भाषा में अर्थ है-भय, त्रास, डर, शंका इत्यादि। खतर से विशेषण 'खतरनाक' बनता है।

विशेष : व्याकुलता सहित भय को 'त्रास' कहा जाता है।

अनुचर : 'चर्' धातुचलने के अर्थ का द्योतन करता है। सहचर वह है, जो साथ-साथ चलता हो। सहचर का स्त्रीलिंग रूप सहचरी है। 'अनु' उपसर्ग का अर्थ है, पीछे। अनुचर वह है, जो किसी के पीछे-पीछे चलता हो। यह सेवक अथवा अनुयायी की भांति प्रयुक्त होता है। अनुचर का स्त्रीलिंग रूप 'अनुचरी' है। अनुचर को 'अनुचारक' (अनु+चर्+ण्वुल्) भी कहा जाता है; जिसका स्त्रीलिंग रूप 'अनुचारिका' है। अनुचारिका का वही अर्थ है, जो सेविका का है अंतर इतना है कि अनुचारिका पीछे-पीछे साथ में, मगर पीछे चलती है। **दास :** दास (दास्+अच्) शब्द से गुलाम का अर्थ उदभासित होता है। भर्तृहरि 'गृहकर्मदाशा :' शब्द का प्रयोग किया है। दास का स्त्रीलिंग रूप दासी है। 'अनुदास' का अर्थ है, दास का दास अथवा अत्यंत विनम्र सेवक। जो दास से संबंधित है, वह 'दास्य' है। अनेक भक्त कवि ईश्वर के प्रति 'दास्य-भाव' (दासता का (भाव) रखते थे, जबकि कई 'अन्य' साख्य-भाव' ; अर्थात् सखा भाव रखते थे। **नौकर-चाकर :** शब्द तुर्की भाषा का है, जिसका अर्थ सेवक या दास है; परंतु इसके मूल में मंगोलियन भाषा का 'नो कुर' शब्द है; जिसका अर्थ है मित्र, साथ रहने वाला, खातिरदारी करने वाला मित्र आदि । मध्यकाल में यह शब्द भारत पहुंचा । चाकर की बात करें तो यह मध्य एशिया की एक क्षेत्रीय भाषा 'सोगदियन' का शब्द है, जो मध्यकाल में भारत पहुंचा और नौकर से जुड़ गया। यह जानना रोचक है कि 'नोकुर' में जहां साथ रहने वाला और मित्र का भाव है : वहीं 'चाकर' में भरोसेमंद और रक्षक का भाव है। इस प्रकार, नौकर-चाकर के 'नौकर' में साथ रहने वाले और मित्रवत खातिरदारी का भाव है तथा 'चाकर' में सुरक्षा का ध्यान रखने का भाव है । भक्तिकालीन रचनाओं में 'चाकर' का अर्थ बदलकर 'दास' हो गया। यह जानना भी रोचक है कि नौकर को कई स्थानों पर बहादुर भी कहा जाता है। गोरखा जाति के सैनिक की बहादुरी से तो सब परिचित हैं ही; परंतु हम देखते हैं कि गोरखा तथा कुछ अन्य जातियों के अनुचर-परिचर अथवा सहायक को भी बहादुर कहा जाता है। यह बहादुर भी मध्यकाल में बरास्ता फारसी भारत तक पहुंचा।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

पुलकित जी प्रफुल्लित होकर बोले, 'थाली व्यंजनों से भरी रहती है। इसके बजने के स्वर से चेतना की अनुभूति मिलती है। जैसे सोलह श्रृंगार होते हैं, वैसे सोलह तरह की थाली होती हैं । साफ थाली बीमारियों को भगाती है। थाली में छोड़ी गई जूठन कइयों की भूख शांत करती है।'

थाली की कदर तुम क्या जानो?

एक स्कूल में मिड डे मील रद्दी के अखबार पर परोसने की खबर पढ़ने के बाद पंडित शिवनारायण जी मॉर्निंग वॉक के दौरान बोले, 'अखबार के कागज के टुकड़ों पर रोटी के टुकड़े परोसने वालों पर जरूर निलंबन की गाज गिरी, लेकिन इन रोटी के टुकड़ों ने पूरे सिस्टम के टुकड़े टुकड़े कर दिए।' वह यह भी बोले कि रोटी चाहे गरीब की थाली में हो या अमीर की थाली में, रोटी रोटी है और वह भूख मिटाने के साथ सम्मान, अस्तित्व और गर्व की अनुभूति भी कराती है।

जब पंडित जी ने थाली राग गाया तो लचक राम जी ने थाली को साफ करने के अभियान को अभिमान बताकर रोटी को थाली में परोसने और परोसी गई रोटी-सब्जी की झूठन न छोड़ने की बात कहकर थाली को साफ करने का राग अलापा । वे बोले, 'माना कि थाली साफ करने के अभियान से स्वच्छता को बढ़ावा मिलता है, साफ थाली होने से भोजन भी बचता है तो थाली साफ होने से वह पचता भी है। वैसे भी भोजन का सौंदर्य और श्री थाली और पत्तल में ही आती है। रद्दी के कागज या प्लेट में रखी रोटी पेट तो भर देती है, लेकिन इज्जत और सम्मान का पेट नहीं भर पाती है।'

इस पर मोहल्ले के नेतागिरी में फ्लाप झपटराम जी बोले, 'अरे इस साफ थाली की गतिविधि ने कई लोगों को नेतागिरी का कहकरा सिखा दिया।' वे बोले, 'साफ थाली अभियान में पहले तो कुछ लोग एकाध भोजन की पंगत में थाली साफ करते हुए फोटो खिंचा ले गए और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कई बार तो साफ थाली, बर्तन के सीके से चकाचक फोटो में देखने को मिली. लेकिन मीडिया ने बताया कि थाली की सफाई करने वाले सेलिब्रिटी, लिबर्टी थे, जिन्होंने थाली आर्टिफिशियल साफ की है और लो प्रोफाइल, गरीब-गुरबे हकीकत में पेट भरने के लिए थाली को सफाचट कर देते हैं। उधर, कई चमचे, चाटुकार इसे हाथ की सफाई से जोड़ने से भी नहीं चूकते हैं।'

इस पर रामनिवास जी बोले कि साफ थाली अभियान ने कइयों को होर्डिंग्स, बोर्डिंग, पोस्टर, बैनर पर चस्पा करा दिया। कई मंच के मुरीद हाथ में साफ थाली पकड़कर थाली साफ करने का अभिनंदन पत्र लूट ले गए। कइयों ने अपनी जेब से थाली साफ करने के पोस्टर को छपवाकर, विमोचन समारोह आयोजित कर अपने विमोचन की भूख शांत कर ली। जब थाली साफ करने से पोस्टर विमोचन, होर्डिंग्स, बोर्डिंग, समारोह, अभिनंदन आदि होते दिखे तो कई लोग साफ थाली से जुड़ गए और थाली में बगैर खाना लिए और खाए साफ थाली के साथ फोटो खिंचाकर साफ थाली से वाहवाही लूट ली। खैर, निमंत्रण पत्र में केवल उनके एक निमंत्रण के बल पर पूरे खानदान को खाना खिलाने ले जाने में पारंगत कॉलोनी के सदानंद जी बोले, 'अरे हजारों बार खाना खाया, खाना खाकर हाथ धो लिए, कोई प्रशंसा नहीं मिली, लेकिन मुई इस साफ थाली ने तो बरसों के खाने के अनुभव पर पलीता लगा दिया और वे एक-दो कार्यक्रमों क्या पहुंचे, साफ थाली से सोसाइटी में लोकप्रिय हो गए। जिनकी थाली हमेशा खाली रहती थी, वह अब इस साफ थाली से हर कार्यक्रम में बतौर अतिथि बुलाए जाने लगे।'

इस पर असत्तनारायण जी बोले, 'थाली में रखी दाल में कीड़े, आटे में धंधेरिए, चावल में इल्लियां सब्जी में बदबू, मिड डे हो या फुल डे, मील में था तो थाली बदनाम हुई, थाली चर्चा बनी, लेकिन इस साफ थाली अभियान ने तो कई थालियों की जमी-जमाई इज्जत को बाइज्जत कर दिया।' जब थालियों की चर्चा चली तो थाली में खाने की प्राथमिकता देने वाले पुलकित जी प्रफुल्लित होकर बोले, 'थाली व्यंजनों से भरी रहती है। इसके बजने के स्वर से चेतना की अनुभूति मिलती है। जैसे सोलह श्रृंगार होते हैं, वैसे सोलह तरह की थाली होती हैं। साफ थाली बीमारियों को भगाती है। थाली में छोड़ी गई जूठन कइयों की भूख शांत करती है।' वे बोले, 'जब लोग बाहर सुदूर प्रदेशों में जाते हैं तो वे जैन थाली मांगते हैं। कई थालियां बाहुबली होती हैं। भोजपुरी थाली दही-चूड़ा और लिट्टी-चोखा वाली होती है। गुजराती काठियावाड़ी थाली में रिंगना, पालक थेपला, ढोकला, फाफड़ा फफकता है। राजस्थानी थाली में बाटी चूरमा, कन्नड़ी थाली, आसामी थाली, पंजाबी थाली में सरसों का साग और मक्का की रोटी मटकती है। कश्मीरी थाली, पहाड़ी थाली, आंध्र थाली, उड़ीसा थाली, गोवा थाली और केरल की आहारम थाली जब परोसी जाती है तो हर कोई थाली को साफ किए बगैर नहीं रहता है। लेकिन इन सब थालियों को मात करती साफ थाली में व्यंजनों के अलावा सर्टिफिकेट, सम्मान, पुरस्कार भी मौजूद रहता है। इसलिए थाली की कदर तुम क्या जानो?'

संगीतायन

डा. वाटिका कंवल
गोंडा, उत्तर प्रदेश

राग कलिंगड़ा में गांधार पर न्यास होता है। इस राग में मींड़ का काम नहीं होता, क्योंकि यह चंचल प्रकृति का राग है। इसका विस्तार केवल मध्य और तार सप्तकों में किया जाता है। भक्ति रस से ओतप्रोत राग कलिंगड़ा में भजन खूब गाए जाते हैं।

भक्ति प्रधान बंदिशों वाला राग कलिंगड़ा

शास्त्रीय संगीत के प्रचलित विभिन्न रागों में राग कलिंगड़ा की रचना भैरव थाट से मानी गई है। इसमें ऋषभ (रे) और धैवत (ध) स्वर कोमल लगते हैं। वादी पंचम (प) और संवादी षड़ज (स) तथा जाति संपूर्ण - संपूर्ण है। इसका गायन समय रात्रि का अंतिम प्रहर अर्थात प्रातः चार बजे से सात बजे तक माना गया है। यह चंचल प्रकृति का राग है। इसमें बड़ा खयाल तथा मसीतखानी गतें कम सुनाई पड़ती हैं।

कलिंगड़ा राग में धैवत को वादी मानना उचित नहीं, क्योंकि धैवत पर बिल्कुल न्यास नहीं होता। पंचम की तुलना में इसका स्थान गौण है। इस राग में पंचम स्वर प्रमुख है, इस पर अत्यधिक न्यास होता है। अतः पंचम को वादी मानना अधिक उचित है। राग कलिंगड़ा में वही स्वर प्रयोग किए जाते हैं, जो राग भैरव में इस्तेमाल होते हैं, किंतु दोनों का चलन अलग होता है। दोनों में उत्तरांग स्वर वादी है अर्थात सप्तक के दूसरे भाग से वादी स्वर चुना गया है। राग कलिंगड़ा की प्रकृति चंचल और भैरव की प्रकृति गंभीर होती है।

राग भैरव में ऋषभ व धैवत स्वरों पर आंदोलन होता है, किंतु कलिंगड़ा में किसी भी स्वर पर आंदोलन नहीं होता। कुछ गायक रंजकता बढ़ाने के लिए कभी-कभी भैरव के अवरोह में कोमल निषाद (नी) लगा देते हैं, किंतु कलिंगड़ा में ऐसा नहीं होता। राग कलिंगड़ा में गांधार पर न्यास होता है। इस राग में मींड़ का काम नहीं होता,

क्योंकि यह चंचल प्रकृति का राग है। इसका विस्तार केवल मध्य और तार सप्तकों में किया जाता है। भक्ति रस से ओतप्रोत राग कलिंगड़ा में भजन खूब गाए जाते हैं।

मीराबाई का एक भजन, सुमिरौ मैं हरि आवन की .... और कबीर द्वारा रचित ताल कहरवा में निबद्ध, मन लागो मेरो यार फकीरी में... गायकों द्वारा बहुत ही मनोयोग से गाया जाता है। विदुषी गिरिजा देवी द्वारा गाया गया, राम नाम भजन करो भव जल भी तुरत तरी.... भक्ति रस से सराबोर कर देता है तो सुजाता चटर्जी द्वारा गाई गई बंदिश, गगरिया मैं कैसे लेके जाऊं, बाट चलत मोहे रोकत कन्हाई... राग की चंचलता को इंगित करता है। इनके अलावा पुस्तक राग मंजरी में वर्णित लखनऊ घराने के फजल हुसैन द्वारा तीन ताल मध्य लय में निबद्ध बंदिश, देखो दिनकर के अंतर की प्यारी सी उजियारी धूप... तथा नारायण प्रजापति खोरंडी द्वारा राग कलिंगड़ा में गाया गया भजन, सांवरिया तेरो आज मैंने लागी नीको रूप... मन को छू लेता है। यही नहीं, संगीत मर्मज्ञ पंडित जसराज की राग कलिंगड़ा में प्रस्तुति, बिन गोपाल बैरन भई कुंजी... आज भी भाव विभोर कर देती है। प्रत्येक थाट का एक जनक राग और शेष जन्य राग होते हैं। भैरव थाट के जन्य राग कलिंगड़ा पर सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ पंडित अजय चक्रवर्ती और उनकी सुपुत्री विदुषी कौशिकी चक्रवर्ती द्वारा निबद्ध उपशास्त्रीय दादरा तो उल्लेखनीय है ही, साथ ही इस राग में निबद्ध उस्ताद दबीर खां का एक दादरा, तुम कहां से आए हो जागे जगे री... और आगरा घराने की पीरबाई का गाया, अब होने लगी प्रभात सखी... सुन पर कानों में रस घोलता है। पिया मन मंदिर में आन बसो...बड़े गुलाम अली खां की आनंदविभोर कर देने वाली बंदिश है तो पंडित कुलदीप सागर का गाया छोटा खयाल, जागो जागो जागो श्याम पंछी बन बोले .... राग कलिंगड़ा में निबद्ध है। दिनकर कैकिनी द्वारा रचित पं. निषाद बाकरे की आवाज में, कैसा जादू डारा रे न्यारा जगमग जगता सारा... सुनने वालों के मन को मोह लेता है।

फिल्मों में भी राग कलिंगड़ा का प्रयोग हुआ है। फिल्म बैजू बावरा का ताल कहरवा में निबद्ध मन की गहराइयों में उतर जाने वाला लता मंगेशकर का गाया गीत, मोहे भूल गए सांवरिया ... नौशाद के संगीत से सजा है।

उत्पादों को जीआई टैग दिलाने हो रहे प्रयास

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में वोकल फॉर लोकल को प्राथमिकता देने की दिशा में राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षो में बेहतर प्रयास किए, जिसकी वजह से 27 कृषि, खाद्य उत्पादों और शिल्प उत्पादों को जीआई टैग मिले है। सरकार ने अधिकारियों को इस दिशा में और प्रयास करने के निर्देश दिए है। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के कुछ और विभागों ने अपने उत्पादों को जीआई टैग दिलाने की दिशा में प्रयास शुरु किए है। इसके लिए विभागों से जुड़े विभिन्न संस्थाओं द्वारा आवश्यक कदम भी उठाए जा रहे है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

जागरण, कटनी। जिले में सोमवार की रात दर्दनाक हादसा हो गया। दरअसल यह पूरी घटना बड़वारा थाना क्षेत्र का है। जहां तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में बाइक पर सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। जबकि उनके परिवार की एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

शिफ्टिंग से पहले डाटा डिजिटाइज करने के बाद नगर निगम नष्ट करेगा 15 साल पुराने रिकॉर्ड

दो सप्ताह से चल रहा नए मुख्यालय में शिफ्टिंग का काम, 6 से ज्यादा शाखाएं नए भवन में हो रही हैं संचालित

जागरण संवाददाता, भोपाल। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले नगर निगम भोपाल का काम तुलसी नगर स्थित नए मुख्यालय भवन से शुरू कर दिया जाएगा। वर्तमान में नगर निगम की 6 से ज्यादा शाखाओं के दफ्तर नए मुख्यालय भवन में शिफ्ट भी कर दिए गए हैं, जबकि अन्य शाखाओं की शिफ्टिंग का काम तेज गति से किया जा रहा है। हालांकि नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक नए मुख्यालय में शिफ्टिंग से पहले कई शाखाओं का 15 साल पुराना डाटा डिजिटाइज कर दिया जाएगा और इसके बाद फाइलों को नष्ट कराया जाएगा। इसका मुख्य कारण नए मुख्यालय भवन में पुराना रिकॉर्ड स्टोर करने के लिए ज्यादा जगह का नहीं होना है। इसके चलते सभी विभाग अपनी फाइलों को डेटा डिजिटाइज कर कम्प्यूटर में स्टोर कर रहे हैं। बता दें कि नगर निगम का नया मुख्यालय भवन लिंक रोड नंबर 2 स्थित तुलसी नगर में बनकर तैयार हो गया है और पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से यहां पर शिफ्टिंग का काम कराया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पुराने डाटा का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार कर शिफ्टिंग का काम तेज गति से पूरा कराया जाए, ताकि नए भवन से जल्द से जल्द कामकाज शुरू कराया जा सके।

इन विभागों ने शुरू किया काम

वर्तमान में नगर निगम की विद्युत शाखा, हाउसिंग फॉर ऑल, राजस्व, जनसंपर्क, जीएडी सहित कुछ अन्य विभागों ने अपना कामकाज शुरू कर दिया हैं। अन्य विभाग भी तेजी के साथ रिकॉर्ड डिजिटाइज कर शिफ्टिंग की तैयारी कर रहे हैं। क्योंकि पुराने रिकॉर्ड को सहेजने के लिए जगह भी नहीं है और गैर जरूरी फाइलों की आवश्यकता भी महसूस नहीं की जा रही है। जिसे देखते हुए निगम प्रशासन द्वारा राज्य सरकार की अनुमति से इन पुरानी फाइलों को नष्ट कराया जा रहा है। वहीं निगम के अधिकारियों के अनुसार नए मुख्यालय में रिकॉर्ड रूम तैयार किया गया है, लेकिन पुराना रिकॉर्ड सहेजने से इसमें जगह कम पड़ सकती है।

कमेटी के सामने कराया जाएगा डाटा नष्ट

सारा डाटा ऑनलाइन सहेजकर पुराने रिकॉर्ड को एक कमेटी के समक्ष नष्ट कराया जाएगा। ताकि किसी को भी कोई आपत्ति न रहे। जो रिकॉर्ड नष्ट कराया जा रहा है। उसमें ज्यादातर फाइलें सिविल विभाग, खरीदी और जलकार्य विभाग की हैं, जिसमें से ज्यादातर फाइलों के भुगतान भी हो चुके हैं। निगम अधिकारियों को इस पुराने रिकॉर्ड को सहेजना भी मुश्किल हो रहा है और जिन फाइलों का भुगतान हो चुका है। उनकी कोई जरूरत भी नहीं है। इसलिए निगम प्रशासन द्वारा इन पुराने रिकॉर्ड को नष्ट कराया जा रहा है। अधिकारियों की मानें तो कुछ शाखाओं ने इन फाइलों की लिस्ट तैयार कर ली है और कुछ तैयार कर रहे हैं। विभागीय जानकारी के मुताबिक ज्यादातर फाइलें सिविल विभाग और खरीदी से जुड़ी हुई हैं।

ट्रक ने ओवरटेक कर बाइक सवार को रौंदा, सिर पर चढ़ा पहिया, मौत

आंचमन ढाबा के सामने की घटना, ट्रक जब्त, चालक फरार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिलखिरिया इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को ओवरटेक पर रौंद दिया। उसके सिर के ऊपर से पहिया निकल गया। घटना के वक्त वह घर जा रहा था। उसने बाइक पर हेलमेट टांग रखा था। इधर, चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। बिलखिरिया थाना प्रभारी उमेश चौहान ने बताया कि 50 वर्षीय राकेश भार्गव पिता भगवानदास भार्गव पीरिया मोहल्ला खजूरी कलां में रहता था। वह कान्हा सैंया स्थित गर्ग शोरूम में काम करता था। सोमवार दोपहर करीब पौने दो बजे राकेश बाइक से अपने घर जा रहे थे। उन्होंने बाइक पर हेलमेट टांग रखा था। वह अभी आंचमन ढाबा के सामने पहुंचे थे, तभी पीछे से आए ट्रक ने उन्हें ओवरटेक किया। इससे बाइक को टक्कर लग गई। राकेश सीधे ट्रक ने नीचे आ गए और उनके सिर के ऊपर से पहिया गुजर गया। हादसे में राकेश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। तभी बिलखिरिया थाने की एफआरवी निकल रही थी। इसमें एएसआई राजेश उइके सवार थे। उन्होंने थाना पुलिस को सूचना दी। उनकी रिपोर्ट पर मर्ग कायम किया गया।

ऑटो की टक्कर से घायल छात्र की मौत

इधर, शाहजहांनाबाद इलाके में लोडिंग आटो की टक्कर से घायल छात्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। 18 वर्षीय अब्दुल्ला पिता मोहम्मद फैजान कुम्हारपुरा रोड शाहजहांनाबाद में रहता था। बीती 21 फरवरी की सुबह करीब पांच बजे अब्दुल्ला अपने दोस्त अयान के साथ नमाज पढ़ने के लिए एक्टिवा से जा रहा था। तभी सामने से आ रहे लोडिंग आटो ने उन्हें टक्कर मार दी थी। हादसे में पीछे बैठा अयान फिक गया था। उसे मामूली चोटें आई थीं। जबकि अब्दुल्ला को गंभीर चोट आई थी। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ दिन बाद उसे एम्स रेफर किया। एम्स में सोमवार रात डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था जिस्म फरोशी का धंधा

थाईलैंड की लड़कियों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिले 2 युवक, हुए गिरफ्तार

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर शहर में महिला पुलिस ने पड़ाव थाना क्षेत्र के विकास नगर में संचालित अमंत्रा स्पा सेंटर पर देह व्यापार की सूचना पर छापामार कार्रवाई की है। छापे के दौरान दो युवतियां और दो युवक आपत्तिजनक स्थिति में मिले हैं, साथ ही स्पा सेंटर से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। महिला पुलिस टीम ने स्पा संचालक, दो युवतियां और क्लाइंट युवकों को हिरासत में लिया है। वहीं पुलिस गिरफ्तार पांचों आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

दरअसल, महिला थाना डीएसपी शिखा सोनी को स्पा सेंटर पर देह व्यापार किए जाने की सूचना मिल रही थी। इसके बाद सोमवार को डीएसपी ने महिला टीम तैयार कर स्पा सेंटर पर छापामार कार्रवाई की। छापे के बाद जब टीम अंदर दाखिल हुई तो हैरान हो गई। स्पा सेंटर के अंदर दो

युवतियां दो युवक आपत्तिजनक हालत में मिले। इसके साथ ही स्पा सेंटर में तलाशी लेने के दौरान आपत्तिजनक सामग्री भी भारी मात्रा में मिली। टीम ने स्पा संचालक नितिन खरे और दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि स्पा सेंटर पर मौजूद दोनों युवतियों को हिरासत में ले लिया। पकड़ी गई दोनों युवती थाईलैंड की रहने वाली है, लेकिन इस बात की पुष्टि पुलिस नहीं कर रही है।

यहां डेढ़ साल से संचालित हो रहा था स्पा सेंटर

यहां स्पा सेंटर डेढ़ साल से संचालित हो रहा था। आरोपी संचालक नितिन खरे ने इसे किराए पर लिया था और दोनों युवतियों से देह व्यापार करा रहा था, लेकिन एडिशनल एसपी विदिता डागर का कहना है कि इस पूरे मामले की जांच की जा रही है पूछताछ के बाद और दस्तावेजों की पड़ताल के बाद ही स्पष्ट होगा कि आखिर आपत्तिजनक हालत में मिली युवतियां कहां की हैं।

दूसरी मंजिल से कूदी नहीं थी महिला, पति ने गला घोंटकर की हत्या, शव को रखा था नीचे

आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कजलीखेड़ा इलाके के देवग्रीन सिटी कालोनी में महिला ने दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर खुदकुशी नहीं की थी। चरित्र संदेह के चलते पति ने उसका कुर्ती से गला घोंटा। दो बार लात मारी। फर्श से टकराने पर उसे सिर से खून आया। इसके बाद उसकी मौत हो गई थी। कमरे और कुर्ती में लगे खून के निशान पति ने धोए। इसके बाद उसके शव को ले जाकर मकान के पीछे पथरीली जगह पर रख दिया था। पुलिस ने आरोपी से बारीकी से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, मूलतः जबलपुर निवासी 33 वर्षीय सोनम प्रजापति पति जितेंद्र प्रजापति देवग्रीन सिटी कालोनी कजलीखेड़ा में रहती थी। जितेंद्र कारपेंटर है जबकि सोनम गृहणी थी। जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी के चरित्र पर शंका करता था।

इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होते रहते थे। एक महीने पहले पति ने पत्नी के मोबाइल पर फोन पर बात करने को लेकर उसका मोबाइल तोड़ दिया था। मोबाइल की बात को लेकर रविवार रात दोनों के बीच विवाद हुआ था। कुछ समय बाद पत्नी ने फिर से मोबाइल मांगा तो पति ने मोबाइल देने से मना कर दिया। इसके बाद वह सोने चला गया। सोमवार सुबह पड़ोसियों ने देखा तो सोनम घर के नीचे खून से लथपथ पड़ी थी।

कपड़े उतारकर खून साफ किया, धोकर बाद में पहना दिया

पुलिस ने शव का पीएम कराया। शार्ट पीएम रिपोर्ट में दम घुटने और मारपीट के चोट के निशान पाए गए। रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने संदेही पति जितेंद्र से पूछताछ की। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो उसने जुर्म करना कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि 1 मार्च की रात मोबाइल चलाने को लेकर उसका पत्नी से विवाद हुआ था। झगड़े के दौरान उसने सोनम की पहनी कुर्ती से पहला गला दबाया। इसके बाद दो बार उसे लात मारी। जिससे सोनम फर्श पर गिरी। उसके सिर में चोट आई। मृत्यु होने के बाद खून निकलने लगा। साक्ष्य छिपाने के लिए उसने पत्नी के पहने कपड़े उतारकर फर्श पर पड़ा खून साफ किया। कपड़ों को धोकर दोबारा मृतका को पहना दिया। बाद में गोद में उठाकर पास खाली पड़े प्लाट में पानी में ले जाकर रख दिया। जिससे लगे कि मृतका ने छत से कूदकर आत्महत्या की है।

हिंदू उत्सव समिति का चल समारोह आज, दयानंद चौक से लेकर जनकपुरी तक हुरियारे मचाएंगे धूम

नगर निगम पानी के टैंकरों से करेगा पानी की बौछार, डीजे, बग्गियां और घोड़ी के साथ निकलेगा चल समारोह

जागरण संवाददाता, भोपाल। होली के अवसर पर हर साल हिंदू उत्सव समिति द्वारा निकाला जाने वाला चल समारोह बुधवार को पूरी धूमधाम के साथ निकाला जाएगा। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि श्री हिंदू उत्सव समिति द्वारा आयोजित यह पारंपरिक चल समारोह का आयोजन सुबह 10 बजे शुरू होगा, जो दयानंद चौक से शुरू होकर घोड़ा नक्कास, मंगलवारा जैन मंदिर, इतवारा, इलेक्ट्रॉनिक मार्केट, चौकी चौक, सावरकर चौक, लखेरापुरा, भवानी चौक, सिंधी मार्केट पहुंचेगा और इसका समापन जनकपुरी पर धूमधाम के साथ होगा। बता दें कि इस बार चल समारोह में सुसज्जित झांकियां, डीजे, पारंपरिक ढोल-ताशे, आकर्षक डुल-डुल घोड़ी, भव्य बग्घियां तथा रंगों से सराबोर करने वाले टैंकर लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुजन और नगरवासी इस उत्सव की छटा के साक्षी बनेंगे।

चंद्रग्रहण के कारण आज हो रहा आयोजन : 2 मार्च को होलिका दहन के बाद 3 मार्च को रंग खेला जाना था, लेकिन चंद्रग्रहण के कारण इस साल होली का पारंपरिक चल समारोह 4 मार्च को आयोजित किया जा रहा है। इसके पहले हिंदू उत्सव समिति द्वारा 4 मार्च को होली का अवकाश आयोजित करवाने के लिए कलेक्टर को ज्ञापन देकर अवकाश घोषित करवाने की मांग की थी। इसके साथ ही समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने हुरियारों से अपील की है कि होली का त्यौहार मस्ती का त्यौहार है। इस दौरान खूब रंग खेलें, लेकिन किसी भी तरह के मादक पदार्थों का सेवन न करें।

होली के चलते बंद रहेंगे बाजार

भोपाल। होली के अवसर पर पुराने भोपाल से निकलने वाले चल समारोह के चलते पुराने भोपाल का बाजार बंद रखा जाएगा। इस दौरान लखेरापुरा, चौक, इब्राहिम गंज, हमीदिया रोड, आजाद मार्केट सहित अन्य बाजार शाम 4 बजे तक पूरी तरह से बंद रहेंगे। शाम 4 बजे के बाद रमजान के चलते दुकानों को खोला जाएगा। भोपाल थोक किराना महासंघ के अनुपम अग्रवाल ने बताया कि भोपाल के थोक किराना बाजार से 200 किमी के दायरे में आने वाले सभी स्थानों तक सामग्री सप्लाई की जाती है, लेकिन होली के चलते बाजार बंद रहेंगे। इसके अलावा न्यू मार्केट, एमपी नगर और 10 नंबर मार्केट सहित अन्य बाजार भी बंद रखे जाएंगे। वहीं दूध, मेडिकल स्टोर सहित अन्य इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी।

चंद्रग्रहण के चलते बंद रहे मंदिरों के पठ, आज खेली जाएगी होली

लखेरापुरा श्रीजी मंदिर में होली महोत्सव के चलते ग्रहण के अवसर पर भी हुआ कीर्तन सत्संग

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में मंगलवार को चंद्रग्रहण के चलते होली का त्योहार नहीं मनाया जा सके। शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन रंग खेला जाता है, लेकिन इस बार चंद्रग्रहण के कारण धार्मिक संगठनों ने शासन और प्रशासन से अगले दिन अवकाश की मांग की थी, ताकि धूमधाम से होली का त्योहार मनाया जा सके। इसके चलते शासन ने 3 मार्च के साथ 4 मार्च को भी होली का अवकाश दिया था। बता दें कि साल का पहला चंद्र ग्रहण 3.20 बजे से शुरू होकर शाम 6:47 पर समाप्त हुआ। चंद्रग्रहण का मोक्ष होने पर मंदिनों में भगवान के स्नान के बाद पूजन किया गया। जिसके चलते अगले दिन धुलेंडी के चलते रंग खेला जाएगा।

श्रीजी मंदिर में होते रहे भगवान के दर्शन : इसी के साथ लखेरापुरा स्थित श्रीजी मंदिर के पठ चंद्रग्रहण के अवसर पर भी बंद नहीं किए गए। मंदिर के मुखिया श्रीकांत वर्मा के अनुसार चंद्र ग्रहण के अवसर पर सभी मंदिर बंद रहते हैं, लेकिन पुष्टिमार्ग में दर्शन खोले जाते हैं, क्योंकि ग्रहण का कल संकट का होता है और पुष्टिमार्ग में प्रभु की सेवा की जाती है तो संकट काल में ना तो प्रभु को अकेले छोड़ते हैं और ना ही दर्शन बंद किए जाते हैं। इस दौरान प्रभु का स्पर्श नहीं किया जाता, लेकिन उनके समीप बैठकर कीर्तन किया जाता है। बता दें कि श्रीजी मंदिर में 40 दिनों से चल रहा होली महोत्सव का समापन मंगलवार को किया गया। इस दौरान पुष्टिमार्ग में प्रभु की सेवा बाल रूप से की गई। महोत्सव के समापन के बाद प्रभु को पत्तों से बने डोल झूले में विराजमान किया गया और उन्हें टेसू के फूल से बने गीले रंग से होली खिलाई गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। आरती के बाद मेवे व फल के प्रसाद का वितरण किया गया।

भोपाल मंडल से होकर चलेगी रक्सौल-उधना स्पेशल ट्रेन

नगर संवाददाता, भोपाल। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रक्सौल-उधना के बीच स्पेशन ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे से मिली जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 05559/05560 रक्सौल-उधना-रक्सौल स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार 7 मार्च से एवं उधना से प्रत्येक रविवार 8 मार्च को भोपाल मंडल के बीना एवं संत हिरदाराम नगर होकर दोनों दिशाओं में 03-03 ट्रिप संचालित की जा रही है।

ऐसी रहेगी समय सारिणी: गाड़ी संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल ट्रेन 7 से 14 मार्च के बीच साप्ताहिक रूप से प्रत्येक शनिवार सुबह 5.30 बजे प्रस्थान कर बीना रात 11.40 बजे आगमन कर अगले दिन रात्रि 2.05 बजे संत हिरदाराम नगर आगमन कर उसके बाद दोपहर 1.05 बजे उधना पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल ट्रेन 8 से 15 मार्च के बीच साप्ताहिक रूप से प्रत्येक रविवार को दोपहर 3.35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन संत हिरदारामनगर रात्रि 2.30 बजे, बीना सुबह 5.15 बजे आगमन कर दूसरे दिन 12.15 बजे रक्सौल पहुंचेगी। इस गाड़ी में 4 सामान्य श्रेणी, 7 स्लीपर, 6 थर्ड एसी, 2 सेकेंड एसी, 1 फस्ट एसी, 1 जनरेटर कार एवं 1 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच होंगे।

ट्रेन के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सिकटा, नरकटियागंज, बगहा, कप्तानगंज, गोरखपुर, गोंडा, बाराबंकी, लखनऊ, कानपुर सेन्ट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना, संत हिरदाराम, सीहोर, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा एवं भरूच स्टेशनों पर रुकेगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना, ढाई साल में भी पूरा नहीं हो सका 15 स्टेशनों का काम

अब तक सिर्फ 5-6 स्टेशनों को पूरा हुआ काम, करीब 9 स्टेशनों पर काम जारी, नई डेडलाइन तय नहीं

नगर संवाददाता, भोपाल। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भोपाल रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले 15 रेलवे स्टेशनों को रिडेवलप किया जा रहा है। इस काम को शुरू हुए लगभग ढाई का समय गुजर चुका है, लेकिन अभी तक यह परियोजना पूरी नहीं हो सकी है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 15 से सिर्फ 5 या 6 रेलवे स्टेशनों पर काम पूरा हो सका है। जबकि शेष 9 या 10 स्टेशनों पर काम चल रहा है। जानकारी अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 अगस्त 2023 को अमृत भारत योजना के तहत देश के 500 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के रिडेवलप कार्य का शिलान्यास किया था। इस योजना के तहत भोपाल रेल मंडल के 15 रेलवे स्टेशनों को भी पुनः विकसित किया जा रहा है। शिलान्यास के समय रेलवे द्वारा बताया गया था छह माह में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। लेकिन ढाई साल गुजर जाने के बाद भी मंडल के 15 रेलवे स्टेशनों का कार्य पूरा नहीं हुआ है। बीते दिनों भोपाल रेल मंडल के डीआरएम पंकज त्यागी ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यह बताया था कि बहुत जल्द मंडल के सभी स्टेशनों का कार्य पूरा हो जाएगा। लेकिन हकीकत यह है कि अभी भी 20 से फीसदी से अधिक काम बाकी है।

312 करोड़ रुपए से हो रहा काम: भोपाल मंडल के 15 स्टेशनों का कायाकल्प 312.25 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। लेकिन समयसीमा बीतने के बाद भी हालात यह हैं कि 15 में से सात स्टेशनों का काम 80 प्रतिशत से भी पूरा नहीं है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अब नई समयसीमा तय कर दी है, मार्च 2026 के तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

किस स्टेशन का कितना काम हुआ

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार फरवरी महीने के अंत तक पूरे मंडल में सबसे कम कार्य हरदा स्टेशन पर हुआ है। यहां सिर्फ 68 प्रतिशत कार्य किया गया है। इसके अलावा सात स्टेशनों का काम 70 से 80 प्रतिशत किया गया है। सांची स्टेशन का काम 90 प्रतिशत और शाजापुर स्टेशन का काम 84 प्रतिशत पूरा हुआ है। वहीं रेलवे के अधिकारी अब इस वित्तीय वर्ष के अंत तक कार्य पूरा कर लेने का दावा कर रहे हैं।

200 से ज्यादा लड़कियों ने लगवाई वैक्सीन

14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 8 लाख किशोरियों को कवर करने का लक्ष्य

नगर संवाददाता, भोपाल। राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत भोपाल में सर्वाइकल कैंसर से बचाव की मुहिम लगातार आगे बढ़ रही है। अब तक जिले में 200 किशोरियों को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन लगाई जा चुकी है। विशेष बात यह रही कि मंगलवार को त्योहार और अवकाश के बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किया। इस सत्र के लिए करीब 30 किशोरियों ने स्वयं पंजीकरण (सेल्फ रजिस्ट्रेशन) कराया और निर्धारित केंद्रों पर पहुंचकर टीका लगवाया। अधिकारियों के अनुसार, जागरूकता बढ़ने के साथ अब अभिभावक और किशोरियां स्वयं आगे आकर टीकाकरण में रुचि दिखा रही हैं। यह वैक्सीन भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में प्रभावी मानी जाती है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि बुधवार को टीकाकरण नहीं होगा, जबकि गुरुवार से अभियान फिर नियमित रूप से शुरू कर दिया जाएगा। रविवार और घोषित अवकाश के दिनों को छोड़कर अन्य दिनों में वैक्सीनेशन जारी रहेगा।

3 माह तक चलेगा अभियान: सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और दुनिया भर में लाखों बालिकाओं को दी जा चुकी है। यह अभियान तीन माह तक चलेगा, जिसमें मध्यप्रदेश में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 8 लाख किशोरियों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल प्रिवेंटिव हेल्थ केयर को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

शरीर विज्ञान को आसान भाषा में समझाएगी एम्स के प्रो. की किताब

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल के एक चिकित्सक की किताब हाल ही में लांच की गई है। यह किताब शरीर विज्ञान से जुड़ी है। जो मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। जानकारी अनुसार यह पुस्तक डॉ. वरुण मल्होत्रा (अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स भोपाल) और डॉ. ज्योति केसवानी (संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग में प्रोफेसर और योग विभाग की प्रमुख) द्वारा लिखी गई है। पुस्तक का विमोचन एम्स भोपाल के प्रभारी निदेशक डॉ. माधवानन्द कर की उपस्थिति में हुआ। पुस्तक में शरीर के विभिन्न तंत्रों से जुड़े बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए हैं। हर प्रश्न के साथ उसका स्पष्ट और विस्तृत उत्तर भी दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को केवल सही विकल्प चुनने की तैयारी ही नहीं, बल्कि विषय को समझने का अवसर भी मिलेगा। यह पुस्तक छात्रों को स्मरण आधारित अध्ययन के बजाय समझ के आधार पर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करती है। पुस्तक की खास बात इसका द्विभाषी प्रारूप है। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध है, जिससे विभिन्न

दोनों भाषाओं में उपलब्ध

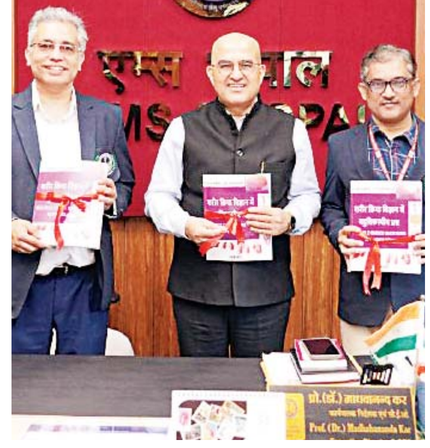

पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए भी यह पुस्तक सहायक सिद्ध होगी।

बेलगाम बसें — यात्रियों की मजबूरी का उठा रहे फायदा, कई रूटों पर बढ़ाए दोगुने तक दाम

विभाग की नसीहत के बाद भी वसूला मनमाना किराया

नगर संवाददाता, भोपाल। होली के त्याहोर पर भोपाल सहित मप्र के सभी शहरों में बस आपरेटर मनमाना किराया वसूल रहे हैं। जबकि तीन दिन पहले परिवहन विभाग ने सभी आपरेटरों को नसीहत की थी कि त्योहार के दौरान यात्रियों से मनमाना किराया न लिया जाए। जिस रूट पर जितना किराया निर्धारित है, वहीं किराया लिया जाए। लेकिन विभाग के इस निर्देश को बस आपरेटरों ने हवा में उड़ा दिया। इधर बस संचालकों का कहना है कि अधिक किराया वसूलने का काम ऑनलाइन एप्लीकेशन द्वारा किया जा रहा है। कई प्रकार के एप्लीकेशन प्लेटफार्म उपलब्ध हैं जो निर्धारित रेट से ज्यादा में बस टिकट की एडवांस बुकिंग कर रहे हैं। हमने ऐसे ऐप की शिकायत आरटीओ से कर दी है। इसके जवाब में आरटीओ ने कहा कि निजी एप संचालक उनके नियंत्रण में नहीं आते। इसलिए वह इस पर कार्रवाई नहीं कर सकते।

ऐसे समझिए मनमाने किराए का खेल: ऑनलाइन बस बुकिंग ऐप्स पर भोपाल से लखनऊ के लिए किराया 8,899 रुपए तक है। यह सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक है। त्योहार के समय घर पहुंचने की मजबूरी में यात्रियों के पास सीमित विकल्प होते हैं। इसी का फायदा उठाते हुए किराए में भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। आमतौर पर भोपाल से सतना का सामान्य किराया 1,000 से 1,200 रुपए के बीच रहता है, लेकिन अब रेड बस के ऐप पर किराया 4,500 रुपए है, यानी चार गुना तक किराया बढ़ा दिया गया है। इसी तरह भोपाल से रीवा जाने वाली सुनील टूर एंड ट्रैवल्स की बस में अधिकतम किराया 6,000 रुपए तक है। देव हाई स्पीड ट्रैवल्स में 4,500 रुपए और अंजुमन ट्रैवल्स में 5,000 रुपए तक किराया वसूला जा रहा है, जबकि सामान्य दिनों में यही सफर 900 से 1,200 रुपए में पूरा हो जाता है। यात्रियों की परेशानी सफर की दूरी पर निर्भर कर रही है। भोपाल से इंदौर के लिए टैक्सियों में किराए में 150 से 200 रुपए तक बढ़ गए हैं। होली से एक दिन पहले और होली पर किराया तीन गुना तक पहुंच गया है। पुणे से भोपाल का बस किराया 1200 तक बढ़ गया है, जबकि अन्य शहरों का भी यही हाल है। सबसे ज्यादा दिक्कत वापसी की हो रही है। होली के अगले दिन की वापसी की टिकट नहीं मिल रही है। मथुरा-वृंदावन जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ गई है. ट्रैवल एजेंसी संचालकों के मुताबिक 60 से ज्यादा टैक्सियां बुक हो चुकी हैं। आनलाइन एप पर तेजी से बसों की टिकट बुक हो गई है। मालूम हो कि शहर के आईएसबीटी, पुतलीघर बस स्टैंड से प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 500 से ज्यादा बसें 400 से ज्यादा टैक्सियों का आना-जाना होता है।

इंदौर रूट पर टैक्सी की मांग बढ़ी

होली पर दो दिन की छुट्‌टी होने के के कारण बड़ी संख्या लोग अपने परिवार के साथ घर जा रहे हैं। ऐसे में इंदौर रूट के यात्री बड़ी संख्या में हैं। टैक्सी संचालक दीपक खत्री ने बताया कि हमारे पास 7 गाड़ियां हैं, सभी एडवांस बुक हो चुकी हैं। डिमांड इतनी ज्यादा आ रही है कि हमें खुद किराए पर गाड़ी मांगना पड़ रही है। उन्होंने बताया कि इंदौर का किराया 500 से 600 रुपए तक था। सोमवार और मंगलवार को किराया 800 से 1000 रुपए तक हो जाएगा। भोपाल प्राइवेट नौकरी करने वाले प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया कि भोपाल से इंदौर जाने के लिए बस फुल हैं, ट्रेन में भी जगह नहीं है। टैक्सी से बात की तो वह 700 रुपए से कम में जाने को तैयार नहीं है। मालूम हो कि सामान्य दिनों में इंदौर का किराया बस से 450 रुपए और टैक्सी से 400 रुपए होता है।

भोपाल के बैरसिया में 35 डिग्री पहुंचा पारा

नगर संवाददाता, भोपाल। होली पर प्रदेश में सूरत तपिश बढ़ गई है। वैसे तो मौसम विभाग ने होली पर हल्की बारिश की संभावना जताई थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बल्कि प्रदेश के कई जिलों में तापमान बढ़ गया। मंगलवार को भोपाल के बैरसिया तहसील में पारा 35.2 डिग्री दर्ज किया गया। जो कि इस सीजन में अब तक सबसे अधिक है। वहीं बात करें सबसे ज्यादा तापमान की तो मप्र में मंगलवार को धार जिला सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि मार्च के आखिरी सप्ताह में तापमान और अधिक बढ़ सकता है, जिससे कुछ जिलों में लू चलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो गई है। मार्च में ही कई शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री या इससे अधिक पहुंच सकता है। मार्च में बारिश के भी आसार हैं।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल में चोरी के आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने खंगाले 70 सीसीटीवी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। रातीबड़ इलाके में आसपास रहने वाले पांच दोस्तों ने गैंग बनाकर सूने मकान में चोरी करना शुरू किया। उन्होंने बिलाबॉन्ग स्कूल और एक सूने फार्म हाउस से चोरी कर ली। पुलिस ने करीब 70 सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो एक आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद उनके अन्य साथियों को दबोचा। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर दो चोरी का वारदातों का खुलासा किया है। आरोपियों ने डेढ़ लाख रुपए का माल जब्त किया है। आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकार्ड है। उनके खिलाफ चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट समेत मारपीट के केस दर्ज हैं। रातीबड़ थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ने बताया कि 25 फरवरी को बिलाबॉन्ग इंटरनेशनल स्कूल के मैनेजर ने चोरी के संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। 24 की रात यहां चोरी हुई थी। अज्ञात चोर स्कूल कैंपस की बाउंड्री से चढ़कर अंदर दाखिल हुए थे। वे बिजली के तार व सीसीटीवी केबिल खींचकर चोरी कर ले गए थे। 25 फरवरी को ही एक फार्म हाउस से बर्तन आदि चोरी हुए थे। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से संदेही समीर रावत को पुलिस ने दबोचा। उससे पूछताछ की तो उसने अपने अन्य साथियों के नाम सतीश कुशवाहा निवासी शिवनगर झुग्गी नीलबड़, नवनीत सूर्यवंशी निवासी ग्राम रानीताल कोतवाली जिला छतरपुर हाल पता पुराना स्टेट बैंक नीलबड़ तथा राजकुमार रेड्डी उर्फ बाऊंसर निवासी कुकडपल्लवी परशांति नगर गणेश कॉंटा हैदराबाद हाल पता पानी की टंकी के पास नीलबड़ के रूप में हुई।

होली-रंगपंचमी पर ड्राय डे, शाम को 6 के बाद खुलेंगी शराब दुकानें

मुख्य संवाददाता, भोपाल। होली और रंगपंचमी के त्योहार पर राजधानी भोपाल समेत प्रदेश भर की सभी शराब दुकानें शाम 6 बजे तक बंद रहेंगी। आबकारी विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बुधवार को होली के दौरान भोपाल की सभी 87 शराब दुकानें शाम 6 बजे तक बंद रहेंगी। इसी तरह 8 मार्च को रंगपंचमी के दौरान भी ड्राय डे रहेगा और उस दिन भी शराब की दुकानें शाम 5 बजे के बाद खोली जाएंगी। जिले के कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा है कि जिले की सभी शराब दुकानों के साथ-साथ एयरपोर्ट पर स्थित दो विदेशी शराब दुकानें और हेरिटेज वाइन शॉप इस अवधि में बंद रहेंगी। जिला आबकारी नियंत्रक आरजी भदौरिया के अनुसार, शराब दुकान खुलने के लिए शासन द्वारा निर्धारित समय सुबह 8.30 से रात 11.30 बजे तक है और नियमानुसार शराब की बिक्री सुबह 9.30 के बाद ही की जानी चाहिए। दोनों त्योहारों को देखते हुए अब दोनों दिन दुकानों के ताले शाम को खोले जाएंगे। कलेक्टर ने होली और रंगपंचमी के दौरान शराब दुकानों पर नजर रखने के लिए आबकारी अफसरों को निर्देश दिए हैं कि वे इस दौरान शराब की अवैध बिक्री को रोकें। इन दोनों त्योहारों पर शराब के सरकारी वेयरहाउस भी बंद रहेंगे। इस अवधि में बार भी बंद रहेंगे।

सीपीआर देकर डायल-112 के स्टाफ ने बचाई युवक की जान

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। टीटी नगर थाने की डायल-112 में लगे प्रधान आरक्षक उमेश पटेल और चालक आशीष कुमार ने एक युवक को सीपीआर देकर जान बचा ली। टीटीनगर पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम करीब पांच बजे डायल-112 को इवेंट मिला कि जवाहर चौक के पास एक अर्टिगा कार में एक युवक बेहोशी की हालत में पड़ा है। सूचना मिलते ही डायल-112 का स्टाफ मौके पर पहुंचा। युवक कार के अंदर गाड़ी की सीट पर लेटा हुआ था। गाड़ी अंदर से लॉक थी। पुलिस ने कार का कांच तोड़कर युवक को बाहर निकाला। प्रधान आरक्षक और चालक ने तुरंत सीपीआर देना शुरू किया। कुछ देर बाद युवक होश में आया। उसकी पहचान सतेंद्र राठौर (40) पिता संतोष राठौर निवासी नया बसेरा कोटरा कमलानगर के रूप में हुई। वह चालक का काम करता है। पुलिस ने उसे इसके बाद जेपी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज जारी है।

समर्थगुरुधारा और न्याशीस समिति का नर्मदा आरती आयोजन

जागरण, भोपाल। समर्थ गुरु धारा संघ, मध्यप्रदेश, न्याशीस सामाजिक संस्था एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा बायां के संयुक्त तत्वावधान में मां नर्मदा के पावन आंवली घाट पर वार्षिक स्वच्छता अभियान, आध्यात्मिक पिकनिक एवं मां नर्मदा आरती ध्यान उत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुभारम्भ मां नर्मदा आंवली घाट के स्वच्छता अभियान से की गई, जिसमें सभी सहभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें से ट्रॉलियो में कई टन प्लास्टिक, कपड़े और अन्य कचरा निकालकर उसका विधिवत निस्तारण किया गया इसके बाद उपस्थित सदस्यों ने मां नर्मदा के पावन जल में स्नान कर शांत, सुंदर प्राकृतिक वातावरण में ध्यान उत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के लगभग 130 भागीदारों के साथ 110 नए मित्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने ध्यान उत्सव, सत्संग और मां नर्मदा आरती में भाग लेकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। ध्यान उत्सव का संचालन आचार्य मां आनंद असीमा ने किया, जबकि आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था स्वामी नितेश जी एवं स्वामी नितेंद्र जी द्वारा की गई। साथ ही नए मित्रों को ध्यान योग से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

युद्ध में फंसे भारतीयों को लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है। इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए। हालांकि सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है।

अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभाविक ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।

दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।

सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।

सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए।

गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं। इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं और बहुत सारे वैसे भारतीय उन जगहों के हवाईअड्डों पर फंसे हुए हैं, जो किसी तरह वतन लौटना चाहते हैं। हालांकि इससे पहले कई बार अलग-अलग देशों में भड़के युद्ध के दौरान भारत ने अपने हजारों नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की है।

मगर इस बार सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि युद्ध में शामिल देशों के बीच हमले अपनी पूरी तीव्रता के साथ जारी हैं और आम लोगों के लिए हवाई क्षेत्र बंद है। जब तक हमलों में कमी नहीं आएगी और यात्री उड़ानों की गुंजाइश नहीं बनेगी, तब तक बचाव अभियान शुरू करना शायद मुश्किल हो। ऐसे में कूटनीतिक पहल और संवाद के सहारे युद्ध प्रभावित इलाकों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी का रास्ता निकालने की जरूरत है।

ऊर्जा भंडार संकट

हॉर्मुज मार्ग की संकीर्णता ही ईरान की सबसे बड़ी शक्ति और कमजोरी है

हॉर्मुज घेराबंदी से ऊर्जा सुरक्षा पर संकट

जयसिंह रावत

खामेनेई के बाद ईरान में उपजी अनिश्चितता के बीच, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और सख्त करने की आशंका बढ़ गई है। यह संकरा समुद्री मार्ग विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा वहन करता है।

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच भड़के भीषण सैन्य टकराव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। 1 मार्च 2026 की स्थिति में, ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के निधन की खबरों ने आग में घी का काम किया है।

ईरान के भीतर संभावित सत्ता संघर्ष और बाहरी हमलों ने ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार मार्गों और वित्तीय व्यवस्थाओं को वैश्विक अस्थिरता के चरम पर पहुँचा दिया है। भारत, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भर है, इस संकट के सबसे संवेदनशील दौर में है।

ईरान में पैदा हुए नेतृत्व के हालिया संकट के बाद हॉर्मुज का सामरिक महत्व और ज्यादा बढ़ गया है। सामरिक दृष्टि से हॉर्मुज की संकीर्णता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति और कमजोरी है। मात्र 33 किलोमीटर चौड़े इस मार्ग के अवरुद्ध होने से ओमान और ईरान के बीच का समुद्री यातायात ठप हो सकता है। ईरान इसे एक 'भू-राजनीतिक ढाल' के रूप में उपयोग करता आया है, जिससे वह वैश्विक महाशक्तियों पर दबाव बना सके।

भारत के लिए इस मार्ग की सुरक्षा केवल व्यापारिक ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है, क्योंकि यहां से होने वाली किसी भी बड़ी बाधा का सीधा असर हमारी औद्योगिक गति और परिवहन व्यवस्था पर पड़ेगा। खामेनेई के बाद ईरान में उपजी अनिश्चितता के बीच, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और सख्त करने की आशंका बढ़ गई है। यह संकरा समुद्री मार्ग विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा वहन करता है। भारत के लिए यह मार्ग एक 'ऊर्जा जीवनरेखा' है क्योंकि हमारा 60 प्रतिशत गैस और आधा कच्चा तेल यहीं से आता है। यदि यह मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध होता है, तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर को भी पार कर सकती हैं।

संघर्ष और ईरान में नेतृत्व के शून्य से ब्रेंट क्रूड में 10 से 15 प्रतिशत का तात्कालिक उछाल देखा गया है। बाजार में इसे अनिश्चितता का अतिरिक्त मूल्य कहा जा रहा है। भारत के लिए हर डॉलर की वृद्धि विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी दबाव डाल रही है। तेल के अलावा भी खाड़ी देशों के साथ हमारा बहुत-सा व्यापार होता है। ईरान के साथ उतना व्यापार नहीं होता, लेकिन यूएई, सऊदी अरब, कुवैत, कतर इन सारे देशों के साथ व्यापार बहुत होता है। अब उस पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि व्यापार मार्ग भी बंद है। वैश्विक बाजार अमेरिकी टैरिफ को लेकर पहले ही उथल-पुथल की स्थिति में है, ऐसे में इस युद्ध से आर्थिक चुनौती और बढ़ेगी ही।

रुपये की कमजोरी (88 रुपये प्रति डॉलर के पार) इस मार को और घातक बना रही है, जिससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें घरेलू बाजार में 130 रुपये प्रति लीटर तक पहुंचने का खतरा पैदा हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल एक डॉलर की वृद्धि भारत के वार्षिक आयात बिल में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का बोझ बढ़ा देती है।

यदि कीमतें 120 डॉलर के पार स्थिर रहती हैं, तो भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत के खतरनाक स्तर को पार कर सकता है। इसके अतिरिक्त, तेल विपणन कंपनियों का अंडर-रिकवरी बोझ बढ़ने से सरकारी राजकोषीय घाटे पर भी सीधा प्रहार होगा, जो अंततः विकास योजनाओं के बजट में कटौती का कारण बन सकता है। इस भयावह स्थिति से निपटने के लिए भारत ने अपनी आकस्मिक ऊर्जा योजना सक्रिय कर दी है। जहाँ अल्पकालिक संकट के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार सीमित नजर आते हैं, वहीं भारत की कुल भंडारण क्षमता अब एक अभेद्य ढाल के रूप में उभरी है।

वर्तमान में विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर के भूमिगत रणनीतिक भंडारों में लगभग 9.5 दिनों का कच्चा तेल आपात स्थिति के लिए सुरक्षित है। इसके अतिरिक्त, देश की प्रमुख तेल शोधनशालाओं (रिफाइनरियों) जैसे आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल के पास लगभग 64.5 दिनों का कच्चा तेल और तैयार उत्पादों का भंडार सदैव मौजूद रहता है। इस प्रकार, रणनीतिक और शोधनशाला भंडारों को मिलाकर भारत के पास लगभग 74 दिनों का कुल तेल भंडार उपलब्ध है। यह विशाल सुरक्षा चक्र सरकार को युद्ध जैसे संकट के समय वैकल्पिक मार्गों, जैसे रूस या अफ्रीकी देशों से तेल की नई व्यवस्था करने के लिए दो महीने से भी अधिक का बहुमूल्य समय प्रदान करता है।

किसी भी वैश्विक युद्ध या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भारत की जीवनरेखा हैं। वर्तमान में प्रथम चरण के तहत विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर (कर्नाटक) में विशाल भूमिगत चट्टानी गुफाओं में लगभग 5.33 मिलियन मीट्रिक टन कच्चा तेल सुरक्षित है, जो करीब 9.5 दिनों की आवश्यकता पूरी करता है। संकट की गंभीरता को देखते हुए सरकार दूसरे चरण के अंतर्गत ओडिशा के चंडीखोल और पादुर में अतिरिक्त भंडार बना रही है। रिफाइनरी स्टॉक्स को मिलाकर भारत के पास कुल 74 दिनों का तेल बैकअप है, जो खाड़ी देशों में अस्थिरता के समय देश की अर्थव्यवस्था को ऊर्जा आघात से बचाने के लिए एक अनिवार्य सुरक्षा ढाल है। पश्चिम एशिया का यह संकट भारत के लिए एक कड़वी चेतावनी है। खामेनेई के बाद का ईरान और हॉर्मुज की घेराबंदी भारत की ऊर्जा नीति की सबसे बड़ी परीक्षा है।

हालांकि, 74 दिनों का भंडार हमें कुछ समय की सुरक्षा देता है, लेकिन दीर्घकालिक समाधान केवल आयात पर निर्भरता घटाने और स्वदेशी ऊर्जा स्रोतों को सशक्त बनाने में ही निहित है। यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सामरिक दूरदर्शिता का है।

खुला मंच

होली और गुजिया की कैलोरी

भुवन पंत

होली से पहले हम पति-पत्नी बहुत व्यस्त रहते हैं। पत्नी गुजिया, मठरी, सेव, दही बड़े और गुलाब जामुन बनाने में, तथा मेरी ड्यूटी रहती है इनको चखकर इसका रिव्यू देने में। रिव्यू देने में मुझे बहुत ही सावधानी बरतनी पड़ती है। अगर मैं सच बोल देता हूं तो पत्नी का मुंह बन जाता है और झूठ बोलता हूं तो इन्हें खाने वालों का। इसलिए मुझे बहुत डिप्लोमैटिक होकर बोलना पड़ता है- वैसे तो यह बहुत टेस्टी हो रही है, परंतु अगर ऐसा हो जाए तो और मजा आ जाए...!

पत्नी के गुजिया तलते समय घर हाई अलर्ट पर होता है। अक्सर खोया गुजिया का वक्षस्थल चीर कढ़ाई में टहल-टहल कर पत्नी को चिढ़ाने लग जाता है। ऐसी स्थिति में मैं पत्नी के रहम-ओ-करम पर रहता हूं, क्योंकि उनका गुस्सा मैदे की गुणवत्ता से लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता तक कहीं पर भी निकल सकता है। पत्नी कंपनसेट करने के लिए जो गुजिया बनाती हैं, उनके अंदर खोया, खोया-खोया सा रहता है—बहुत ढूंढने पर भी नहीं मिलता।

होली के आसपास मेरी विल पावर देखने लायक होती है। हर बार गुजिया के डिब्बे से एक गुजिया निकालने के बाद मैं दृढ़ संकल्प लेता हूं कि यह आज की आखिरी गुजिया है, और ऐसा संकल्प मैं हर दिन दस बार लेता हूं। कभी-कभी तो मैं भूल ही चुका होता हूं कि मैंने गुजिया खाई भी है कि नहीं, इसलिए मैं कन्फ्यूजन में एक और गुजिया खा लेता हूं। आमतौर पर मैं खान-पान में काफी 'संयमित' हूं। मैं जितनी कैलोरी कंज्यूम करता हूं, उतनी बर्न भी करता हूं। कल ही मैंने कैलोरी बर्न करने के लिए टहलने की जानकारी गूगल से ली। जवाब मिला, मुझे 18 से 26 घंटे के बीच प्रतिदिन टहलने की आवश्यकता है। यह असंभव टास्क था, जिससे मेरा मूड खराब हो गया। मूड खराब होने पर मैं फिर गुजिया खाता हूं।

मेहमानों को सर्व करने के लिए हमारे यहां चार खाने की एक ट्रे है, इसमें रखा नाश्ता जब आधा हो जाता है, तो फिर से इसको भर दिया जाता है। ऐसा करना हमारे घर की परंपरा बन चुकी है। एक बार पुरातत्व विभाग के परिचित आए, आदत के अनुसार नाश्ते की तह में गए। उन्होंने पता लगाया कि इस ट्रे में सबसे निचली तह पर जो नाश्ता रखा है, वह तब का है जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। होली के बाद शुगर लेवल कंट्रोल में है, तो इस खुशी में मैं गुजिया खाता हूं। और अगर शुगर लिमिट के बाहर होता है, तो मैं दुखी हो जाता हूं। और आपको पता ही है, दुख से उबरने के लिए मैं फिर गुजिया खाता हूं।

प्रसंगवश

पर्यावरण के अनुकूल फूलों से रंगी होली

रेखा देशराज

होली एक ऐसा त्योहार है जो रंगों और उल्लास का प्रतीक है, लेकिन प्राचीन काल में यह रंग प्राकृतिक फूलों और जड़ी-बूटियों से बनते थे, जो न केवल त्वचा के लिए सुरक्षित थे, बल्कि शरीर को स्वास्थ्य और ऊर्जा भी प्रदान करते थे। फूलों वाली होली पर्यावरण और मानसिक शांति के लिए भी लाभकारी होती थी।

एक वह भी समय था, जब होली का मतलब रंगों की उन्मुक्त उड़ान नहीं, बल्कि फूलों की खुशबू से भरी एक औषधीय अनुभूति थी। तब हवा में उड़ता हुआ हर रंग किसी जड़ी-बूटी का स्पर्श लिए होता था और त्वचा पर पड़ने वाला हर कण शरीर को स्वस्थ बनाने का एक मौन उपचार होता था। उस समय होली केवल एक उत्सव भर नहीं थी, वह तन के साथ मन का भी विरेचन करती थी।

भारत की प्राचीन परंपरा में होली के रंग पलाश, गुलाब, गेंदा, हल्दी और नीम जैसे फूलों व जड़ी-बूटियों से बनते थे। इनमें सबसे प्रमुख या रंगों का सबसे बड़ा स्रोत पलाश फूल और हल्दी होती थी। पलाश के फूल को आज भी कई जगहों पर होली का फूल ही कहा जाता है। इसके चमकीले केसरिया फूलों को सुखाकर या पानी में उबालकर इसका रंग बनाया जाता था। यह रंग त्वचा को नुकसान पहुंचाना तो दूर, बल्कि अत्यंत लाभ पहुंचाता था। इसी तरह गुलाब की पंखुड़ियों से बना गुलाबी रंग त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसे चमकदार भी बनाता था। त्वचा में बहुत गहरे तक नमी बनाये रखता था और गेंदे के फूलों से बना गुलाबी और पीला रंग त्वचा को वो पोषण देता था, जो तमाम सप्लीमेंट भी मिलकर आज नहीं दे पाते। हल्दी का तो कहना ही क्या, वह तो हर बीमारी की औषधि है और शरीर को स्वस्थ व समृद्ध करती है। इस तरह प्राचीनकाल में होली सिर्फ त्योहार नहीं तन-मन का पंचकर्म होती थी।

पहले समय में हवा में उड़ते हुए ये प्राकृतिक रंग वातावरण को भी खुशनुमा बना देते थे और होली के उत्सव को कई गुना ज्यादा बढ़ा देते थे। लेकिन आज के रासायनिक रंगों में होली की पूरी अवधारणा ही बदल दी है। समय के साथ बाजार में सस्ते और चमकीले रासायनिक रंग आए हैं, जिससे होली उल्लास से कहीं ज्यादा बीमारी का सबब बन गई है। इन रासायनिक रंगों से कई तरह की परेशानियां और शारीरिक व्याधियां घेर लेती हैं। इनसे त्वचा में जलन होना, एलर्जी होना और संक्रमण होना आम बात है। आंखों को तो ये करीब-करीब सभी रंग नुकसान पहुंचाते हैं।

फूलों वाली होली की वापसी

आज फिर से सभी बड़े शहरों में उच्च आयवर्ग वाले घरों में फूलों वाली होली लौट रही है। मथुरा और वृंदावन में तो हमेशा से फूलों वाली होली का चलन था, लेकिन पिछले दशकों में यहां भी मिट्टी, कीचड़ और रासायनिक रंगों का बोलबाला हो गया था। अब कई धार्मिक और सांस्कृतिक संगठन मथुरा और वृंदावन से होली के कृत्रिम रंगों को दूर कर रहे हैं। होली आने के कई महीनों पहले से ही यहां विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक रंग फूलों और जड़ी-बूटियों से बनने शुरू हो जाते हैं। ये रंग न केवल यहां उपयोग होते हैं, बल्कि देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों में निर्यात भी किए जाते हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी हाल के वर्षों में प्राकृतिक फूलों और जड़ी-बूटियों से रंग बनाकर कमाई का एक नया तरीका उभरा है। इस प्रक्रिया से न सिर्फ पारंपरिक होली की परंपरा को पुनर्जीवित किया जा रहा है, बल्कि यह पर्यावरण की रक्षा और स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो रहा है। अब फिर से फूलों वाली होली की मजबूत पटकथा लिखी जा रही है, जो एक स्वस्थ और खुशहाल समाज की ओर अग्रसर है।

फूलों से मनायी जाने वाली होली केवल अतीत की एक सुंदर स्मृतिभर नहीं हैं बल्कि आज के इस बेहद अस्वस्थ माहौल में स्वस्थ होली का एक टिमटिमाता हुआ विकल्प है, जो हमें याद दिलाता है कि होली के उत्सव का आनंद तभी सही से लिया जा सकता है, जब इसके रंग शरीर को नुकसान न पहुंचाकर शरीर में स्वास्थ्य और ऊर्जा में वृद्धि करें और यह तभी संभव है, जब होली में खेले जाने वाले रंग प्राकृतिक फूलों और जड़ी-बूटियों से बनें। जब फूलों के रंगों से होली का धमाल मचता था, तब चेहरे बदरंग नहीं होते थे बल्कि दमक उठते थे। हमारा जीवन स्वास्थ्य और सुगंध से संतुलन हासिल कर लेता था। इसलिए आज फिर से आवश्यकता उसी परंपरा की होली को दोबारा से शुरू करने की है।

फिल्मों में होली

नब्बे के दशक तक होली के दृश्य कथानक का अहम हिस्सा होते थे

हिंदी सिनेमा से रंगों का गायब होना क्या बताता है?

गौरव द्विवेदी

हिंदी सिनेमा में होली कभी सिर्फ़ रंगों और मस्ती का त्योहार नहीं रही। वह कहानी कहने का एक सशक्त माध्यम थी—ऐसा माध्यम जहां प्रेम, विद्रोह, पीड़ा, अपराधबोध और सामाजिक टकराव खुलकर सामने आ जाते थे। मदर इंडिया जैसी फिल्म में ग्रामीण उत्सव और सामूहिकता के दृश्य उस कठोर सामाजिक यथार्थ को और उभारते हैं, जिसमें नर्गिस की 'राधा' संघर्ष करती है। यहां उत्सव और त्रासदी साथ-साथ चलते हैं और यही भारतीय जीवन का सच है।

आज जब हिंदी फिल्मों से होली के गीत और दृश्य लगभग गायब हो चुके हैं, तो यह केवल एक परंपरा के लुप्त होने का प्रश्न नहीं है, बल्कि उस सामूहिक संवेदना के विलुप्त होने का संकेत है, जिस पर कभी हमारा सिनेमा खड़ा था। पचास और साठ के दशक से लेकर नब्बे के दशक तक होली के दृश्य कथानक का अहम हिस्सा होते थे। सत्तर और अस्सी के दशक में होली के गीत सीधे कहानी को मोड़ देते थे। कटी पतंग का आज न छोड़ेंगे.... प्रेम और सामाजिक दूरी के बीच टकराव को उजागर करता है।

खलनायक गब्बर सिंह शोले में जब पूछता है कि कब है होली तो लगता है कि पूरी दुनिया पूछ रही है होली कब है और हीरो-हीरोइन गाते हैं- 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं,रंगों में रंग मिल जाते हैं'। यह सिर्फ़ एक होली गीत नहीं, बल्कि गांव, दोस्ती और सामूहिक जीवन का उत्सव है। वहीं धर्मेन्द्र-मीना कुमारी की फिल्म 'फूल और पत्थर' के गीत- 'लाई है हजारों रंग होली, कोई तन के लिए कोई मन के लिए ..' तो बस होली के हर रंग का भेद ही खोल देता है। और रही सही कसर पूरी होती है फिल्म मस्ताना के गीत- 'होली खेलें नंदलाल, बिरज में धूम मची है', से। विनोद खन्ना और पद्मिनी की जो मस्ती इस गीत में है वह आज गांव-शहर में टोलियों के बीच से गायब सी है। शोले का होली के दिन दिल खिल जाते हैं.... वहीं सिलसिला का रंग बरसे... शायद हिंदी सिनेमा का सबसे जटिल होली गीत है—जहां रंगों के पीछे दबा हुआ प्रेम, नैतिक द्वंद्व और सामाजिक स्वीकृति का संकट छिपा है।

मुख्य धारा सिनेमा के पारिवारिक और सामाजिक कथानकों में भी होली एक महत्वपूर्ण औजार रही। वक्त में त्योहार पारिवारिक एकता का प्रतीक बनता है, जिसे समय और नियति छिन्न-भिन्न कर देते हैं। सौतन और आखिर क्यों जैसी फिल्मों में उत्सव के खुले माहौल में रिश्तों की दरारें और स्त्री के सवाल और तीखे होकर सामने आते हैं।

बागबान में होली खेले रघुवीरा अवध में.... गाने में त्योहारों की मौजूदगी के बावजूद माता-पिता की उपेक्षा यह बताती है कि आधुनिक परिवार में उत्सव तो हैं, पर संवेदना नहीं। दूसरी ओर, डर जैसी फिल्म में भीड़, रंग और शोर के बीच भय और जुनून और अधिक खतरनाक हो जाते हैं। मशाल में सामाजिक अन्याय और पत्रकारिता के संघर्ष की पृष्ठभूमि में उत्सव एक विडंबना की तरह उभरता है—बाहर रंग हैं, भीतर अँधेरा।

तो फिर सवाल है कि आज की फिल्मों से होली क्यों गायब हो गई? क्यों नदिया के पार की जोगी जी की मिठास होली गीतों से गायब हो गई?

सबसे बड़ा कारण है हिंदी सिनेमा का व्यक्तिवादी हो जाना। आज की कहानियां 'मैं' के इर्द-गिर्द घूमती हैं, जबकि होली 'हम' का त्योहार है। दूसरा कारण है ओटीटी और वैश्विक एस्थेटिक—जहां त्योहारों को अक्सर 'डिस्ट्रैक्शन' या 'लोकल एलिमेंट' माना जाता है। तीसरा कारण संगीत की बदलती आत्मा है—लोक, ठुमरी और ब्रज भाषा की जगह पार्टी-ट्रैक्स ने ले ली है। शायद यही वजह हे कि लेट्स प्ले होली और बलम पिचकारी जैसे गाने पार्टी एंथम ज्यादा है और होली के रस रंग कम! फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' में रणवीर कपूर तथा दीपिका पादुकोण ने यूथ को बता दिया है कि होली ऐसे मनाई जाती है। आज कार्पोरेट जगत की होली और जेन जी की होली में इस तरह की मस्ती आम बात है।

तब युवक-युवती का भेद मिट जाता है जब वे मिलकर गाते हैं- 'बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी,तो बोले रे जमाना खराबी हो गयी .. '। हर प्रकार के रस-छंद और अलंकारों से भरे इस गीत को बजाते हुए हर कोई एक-दूसरे के गले लगकर मन के मैल मिटाने को तैयार रहता है। शायद इसीलिए कहा गया है कि होली तो मन के मैल हटाकर गले मिलने का रंग महोत्सव है।

जब होली की मस्ती और सामाजिक सौहार्द की बात आती है तो बृजमंडल की होली सबसे ऊपर रहती है। यहां के रसिया और भजन तो देश-दुनिया में प्रसिद्ध हैं। 'आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे होरी रे बरजोरी रे रसिया .. ' हो या फिर 'फाग खेलन बरसाने आए हैं, नटवर नंद किशोर' - ये दोनों गीत ही भक्ति सॉन्ग की तरह हो गए हैं।

जब बात गीतों से सामाजिक सौहार्द की हो तो फगुआ को कैसे भुलाया जा सकता है। फगुआ अल्हड़ मस्ती को प्रजेंट करते हैं।

उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड,बिहार, राजस्थान में इनका अधिक प्रचलन रहा है। फिल्म नदिया के पार में 'जोगी जी धीरे-धीरे, जोगी जी धीरे-धीरे ..' अब तक के फिल्मी फगुआ में सर्वाधिक लोकप्रिय है लेकिन सच्चाई यह है कि होली का ग़ायब होना यह बताता है कि हिंदी सिनेमा ने लोक, समुदाय और सामूहिक भावनाओं से दूरी बना ली है। रंग इसलिए फीके नहीं पड़े कि त्योहार बदल गया—रंग इसलिए उतरे क्योंकि सिनेमा बदल गया। राज कपूर की आर के स्टूडियो की होली, अमिताभ बच्चन के जलसा और प्रतीक्षा की होली या फिर शाहरुख खान के मन्नत की होली की बॉलीवुड परंपरा खत्म हो गई है।

अगर हिंदी सिनेमा को फिर से समाज की नब्ज पकड़नी है, तो उसे होली को केवल सजावट नहीं, बल्कि कहानी कहने का तरीका फिर से बनाना होगा। तभी रंग लौटेंगे। बॉलीवुड को फिल्म जिद के इस गाने को सार्थक करनी होगा कि- होली के बहाने आ गए!!

जीवन दर्शन

हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद दोनों तुम्हारे भीतर हैं

हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद दो नहीं हैं- प्रत्येक व्यक्ति के भीतर घटनेवाली दो घटनाएं हैं। जब तक तुम्हारे मन में संदेह है, हिरण्यकश्यप है। कितनी बार नहीं तुम्हारे मन में श्रद्धा का भाव उठता है, पर संदेह उसे झपटकर पकड़ लेता है।

होलिका दहन रहस्य पुराण इतिहास नहीं है। पुराण महाकाव्य है। पुराण में किन्हीं घटनाओं का अंकन नहीं है, वरन किन्हीं सत्यों की ओर इंगित है। पुराण शाश्वत है। ऐसा कभी हुआ था कि नास्तिक के घर आस्तिक का जन्म हुआ? ऐसा नहीं; सदा ही नास्तिकता में ही आस्तिकता का जन्म होता है। हिरण्यकश्यप कभी हुआ या नहीं, मुझे प्रयोजन नहीं है। प्रह्लाद कभी हुए, न हुए, प्रहलाद जानें। पुराण में जिस तरफ इशारा है, वह रोज होता है, प्रतिपल होता है, हमारे भीतर हो रहा है। जब भी कहीं भी मनुष्य होगा, पुराण का सत्य दोहराया जाएगा।

नास्तिकता जैसे बीज है और आस्तिकता उसी का अंकुरण है। बीज का अभी अपने अंकुर से मिलना नहीं हुआ। जब तक बीज है, तब तक अंकुर नहीं है। अंकुर तो तभी होगा, जब बीज टूटेगा और भूमि में खो जाएगा। इसी अज्ञान में बीज संघर्ष भी कर सकता है अपने को बचाने का-कि टूट न जाऊं, खो न जाऊं, मिट न जाऊं! उसे पता नहीं कि उसी की मृत्यु से महाजीवन का सूत्र उठेगा। उसे पता नहीं, उसी की राख से फूल उठनेवाले हैं। इसलिए बीज क्षमा योग्य है, उस पर नाराज मत होना। दया योग्य है। इसलिए जब भी कोई धार्मिक व्यक्ति पैदा होगा, संप्रदाय से संघर्ष होगा ही। संप्रदाय यानी हिरण्यकश्यप, धर्म यानी प्रहलाद। निश्चित ही हिरण्यकश्यप शक्तिशाली है, प्रतिष्ठित है। सब ताकत उसके हाथ में है। प्रह्लाद नया-नया उगा अंकुर है। सारी शक्ति तो अतीत की है, वर्तमान तो अभी-अभी आया है। पर मजा यही है कि वर्तमान जीतेगा और अतीत हारेगा; क्योंकि वर्तमान जीवंतता है और अतीत मौत है। हिरण्यकश्यप के पास सब था। वह जो चाहता, करता। जो चाहा उसने करने की कोशिश भी की, फिर भी हारता गया। शक्ति नहीं जीतती, जीवन जीतता है। प्रतिष्ठा नहीं जीतती, सत्य जीतता है। संप्रदाय पुराने हैं।... इसलिए मैं कहता हूं, पुराण तथ्य नहीं है, सत्य है। कुछ एक शक्ति है, जो व्यक्ति की नहीं है, परमात्मा की है। वही तो भक्त का अर्थ है। हिरण्यकश्यप बाहर नहीं है, न ही प्रह्लाद बाहर है। हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद दो नहीं हैं-प्रत्येक व्यक्ति के भीतर घटनेवाली दो घटनाएं हैं। जब तक तुम्हारे मन में संदेह है, हिरण्यकश्यप है।

कितनी बार तुम्हारे मन में श्रद्धा का भाव उठता है, पर संदेह उसे झपटकर पकड़ लेता है। कितनी बार, तुम किनारे-किनारे आ जाते हो छलांग लगाने के, संदेह पैर में जंजीर बनकर रोक लेता है, क्या कर रहे हो! पैर रुक जाते हैं। सोचते हो, कल कर लेंगे, इतनी जल्दी क्या है! क्रांति कितनी बार तुम्हारे भीतर उन्मेष लेती है! कितनी बार तुम्हारे भीतर क्रांति का झंझावात आता है--और तुम बार-बार संदेह का साथ पकड़कर रुक जाते हो! यह तुम अपने भीतर खोजो। यह कथा पुराण में खोजने की नहीं है। यह तुम्हारे प्राण में खोजने की है। यह पुराण तुम्हारे प्राणों में लिखा हुआ है।

ओशो

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

नैव तस्य कृतेनार्थो नाकृतेनेह कश्चन।
न चास्य सर्वभूतेषु कश्चिदर्थव्यपाश्रयः॥

भावार्थ

सिद्ध पुरुष के लिए न तो कर्म करने में कोई प्रयोजन रहता है और न ही कर्म न करने से कोई हानि होती है। और न ही उसे किसी अन्य जीव पर निर्भर रहने की आवश्यकता होती है।

संत नगर में तीन दिन में 50 लाख से अधिक के गीयर एवं साठे बिके

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इस बार भले ही एक दिन के लिए बीच में चंद्र ग्रहण लग गया और होली तथा धुलेड़ी को मिलाकर एक तरह से होली का त्यौहार तीन दिन का हो गया। अच्छी बात तो यह रही कि पूर्व में जहां होली का सरकारी अवकाश 3 मार्च को था, वहीं ग्रहण की वजह से होली नहीं खेलने के कारण सरकार ने एक दिन अतिरिक्त 4 मार्च की भी छुट्टी घोषित कर दी, ऐसे में शहर के बाहर से आने वाले नौकरी वाले लोगों एवं पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी एक तरह से एक दिन का अतिरिक्त समय मिल गया।

इस दौरान राजधानी के सिंधी बाहुल्य इलाके संत हिरदाराम नगर में हर साल की तरह इस बार भी गीयर (बड़ी जलेबी) की लगभग 50 दुकानें सजीं, जहां लगातार तीन दिन तक काफी भीड़ नजर आई। इसके अलावा साठे (शकरकंद) मीठे समोसे, मावे की गुजिया की भी खूब बिक्री हुई।

50 लाख से अधिक का कारोबार: इस तरह की मिठाई बनाने वाले अनेक कारीगरों एवं दुकानदारों ने चर्चा के दौरान बताया कि उपनगर में स्थापित मिठाई की एक दर्जन से अधिक दुकानों के अलावा इस बार लगभग 50 जगहों पर अस्थाई दुकाने भी सजी थीं, जहां कुल मिलाकर तीन दिन में लगभग 50 लाख रुपए का कारोबार किया गया। इसके पीछे एक कारण यह भी था कि होलिका दहन 2 मार्च एवं धुलेड़ी 4 मार्च को थी और इससे पहले ही सरकारी नौकरी करने वाले एवं पेंशनरों के खातों में धनराशि आ चुकी थी, ऐसे में बिक्री अधिक होना स्वाभाविक था। अब तो देश आजाद है, लेकिन यह परंपरा सदियों पुरानी है। जब सिंध भारत का अभिन्न अंग था, तब पूरे सिंध प्रदेश में होलिका दहन के दिन ही अभिभावक अपनी शादीशुदा बेटी की ससुराल में गीयर व साठे के साथ रंग गुलाल भी भेजते थे, यह मिठाई अक्सर छोटा भाई अपनी बहिन के घर (ससुराल) लेकर जाता था और बहिन तथा बहनोई के साथ समूचे ससुराल को होली पर दोपहर के भोजन पर आमंत्रित करके आता था, हालांकि यह जमाना आधुनिक है और बेटियां भी दूर-दूर रहने लगी हैं, ऐसे में बेटी की ससुराल मिठाई भेजने की कड़ी एक तरह से टूट सी गई है, लेकिन जहां भी शहर में बेटी निवास करती है, तब उसके ससुराल यह मिठाई अवश्य भेजी जाती है। बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि बेटी को ससुराल में ये मिठाईयां भेजने के पीछे एक मुख्य कारण यह रहता है कि इससे आपसी स्नेह, प्यार, मोहब्बत में इजाफा होता है, अगर कोई गिला-शिकवा है, तो यह मिठाई भेजकर, साथ मे गुलाल के बाद होली पर दामाद पक्ष वालों को घर बुलाकर भोजन कराने से आपसी संबंध भी अधिक मजबूत होते हैं।

दाम में मामूली बढ़ोतरी

अगर होली पर बिकने वाली इस तरह की मिठाई के दामों पर एक नजर डाली जाए तो पिछले साल की तुलना में इसके दामो में मामूली बढ़ोतरी नजर आई। पिछले साल जहां गीयर प्रति किलो 280 से 300 रुपए बिके तो इस बार 300 से लेकर 340 रुपए रेट देखने को मिला, हालांकि अनेक फुटकर दुकानों पर जो सड़कों के किनारे अस्थाई रूप से लगाई गई थी, वहां इनका दाम 250 से 280 रुपए भी पाया गया। इसी तरह साठा (शकरकंद) का सिंधी समाज में काफी चलन है, वह गोल आकार का कम से कम 150 ग्राम का पीस रहता है, जो इस बार अधिकतम 320 रुपए प्रति किलो बिका। यह मेदे एवं शक्कर को घोलकर बनाया जाता है। जहां तक गुजिया का सवाल है, तो उसके अंदर शुद्ध मावा भरा जाता है। गुजिया के अतिरिक्त इस बार मीठे मावे के समोसे भी खूब बिके। इन दोनो मिठाईयों का दाम भी अधिकतम 440 रुपए निर्धारित था।

सिंधी मिठाई की धूम, बेटी के ससुराल में भेजने की है पुरानी परंपरा

"चूंकि इस बार होली मार्च माह के पहले सप्ताह में थी और सरकारी नौकरी करने वालों एवं पेंशनरों के खाते में राशि आ गई थी, इस कारण भी सिंधी मिठाइयों का कारोबार पिछले साल की तुलना में अच्छा चला। - **जगदीश भागवानी**, संचालक, जगदीश मिठाई शाप

"हमारे यहां बड़े दुकानों की तुलना में दाम कुछ कम थे, इस कारण भी सिंधी मिठाइयों की बिक्री कुछ अधिक रही। कुल मिलाकर होली पर मिठाइयों का काराबार सतोषजनक रहा।
- **महेन्द्र मेवाड़ा**, संचालक मेवाड़ा प्रोटीन

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा से दुष्कर्म

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एमपी नगर इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं का तैयारी कर रही एक छात्रा से दुष्कर्म हो गया। शादी का झांसा देकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में 28 वर्षीय युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने पुलिस को बताया कि वर्ष 2022 में सोशल मीडिया के जरिए उसकी दोस्ती चंद्रप्रकाश से हुई थी। दोनों दो साल तक रिलेशन में रहे। इस बीच उसने एमपी नगर जोन-टू स्थित एक होटल में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

'नेवी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी'-2026' बैच में चयन के लिए बालक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं

1. **खेल विधाएं :** भारतीय नागरिकता वाले लड़के जिन्होंने यॉटिंग/सेलिंग में इंटरनेशनल/जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया हो।
2. **अनिवार्य शर्तें**
(ए) **शैक्षणिक योग्यता :** न्यूनतम 5वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा अंग्रेजी और हिंदी का पर्याप्त ज्ञान।
(बी) **नौकायन दक्षता** - राष्ट्रीय (जूनियर)/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया होना चाहिए अथवा सेलिंग का पर्याप्त अनुभव होना चाहिए।
(सी) **आयु :** 12 से 15 वर्ष ।
(डी) **तैराकी प्रवीणता**-तैराक होना चाहिए और अनिवार्य 50 मीटर तैराकी उत्तीर्ण होना चाहिए
(इ) **चिकित्सा मापन :**
(i) निर्धारित चिकित्सा मानक के अनुसार चिकित्सा परीक्षण प्राधिकृत सैन्य चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा।
(ii) कोई हृदय संबंधी रोग, शल्य चिकित्सा संबंधी विकृतियां जैसे घुटने में चोट, सपाट पैर आदि नहीं। कान में संक्रमण, दौरे या मानसिक बीमारी का कोई इतिहास नहीं, वैरिकाज नसों, आंखों की दृष्टि के लिए सुधारात्मक सर्जरी आदि।

बिना ग्लास		ग्लास सहित	
उचित आंख	खराब आंख	उचित आंख	खराब आंख
6/6	6/9	6/6	6/6

(एफ) आवेदक को मेडल का प्रमाणपत्र/वायएआई युथ नेशनल्स/इंटर क्लब पाल नौकायन चैम्पियनशिप का प्रमाणपत्र जमा करना होगा। वायएआई नेशनल्स में उच्च स्थान प्राप्त बालकों को प्राथमिकता दी जावेगी।
नोट : (ए) अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा से पहले अपने कानों की सफाई करवा लें और दांतों पर जमा मैल और टार्टर हट जाए।
(बी) टैटू- परमानेंट बॉडी टैटू सिर्फ फोरआर्म्स के अंदरूनी हिस्से पर ही बनवाए जा सकते हैं, यानी कोहनी के अंदर से कलाई तक और हथेली के उल्टे हिस्से/हाथ के पिछले हिस्से (डोर्सल) पर। शरीर के किसी और हिस्से पर परमानेंट बॉडी टैटू मंजूर नहीं हैं और कैंडिडेट को रिक्रूटमेंट से रोक दिया जाएगा।
3. **पंजीकरण के लिए उपस्थित होने का स्थान और समय**
(ए) स्थान - इंडियन नॉवल वॉटरमैनशिप ट्रेनिंग सेंटर, आईएनएस मांडोवी, वेरम, गोवा - 403109
(बी) दिनांक - 26 अप्रैल 26
(सी) समय - 0800 बजे
4. **चयन परीक्षण :**
(ए) दिनांक - 20-24 अप्रैल 26
(बी) समय - 0800 बजे
5. **आवेदन कैसे करें :-**
(ए) **आवेदन प्रारूप :-** उम्मीदवार जो कि चिन्हित स्थान पर चयन परीक्षण हेतु उपस्थित होंगे को स्थल पर चयन टीम द्वारा प्रदान किए गए आवेदन प्रारूप को भरना आवश्यक है।
(बी) **दस्तावेजों की सूची :-** आवेदन प्रारूप के साथ वर्णित दस्तावेजों को जमा करना होगा।
(i) ग्राम प्रधान/म्यूनिसिपल कार्पोरेशन/रजिस्ट्रार जन्म मृत्यु द्वारा जारी किए जन्म प्रमाणपत्र की मूल प्रतिलिपि।
(ii) स्कूल से प्राप्त शैक्षणिक प्रमाणपत्र की मूल प्रतिलिपि।
(iii) ग्राम प्रधान/म्यूनिसिपल कार्पोरेशन से चरित्र प्रमाणपत्र की मूल प्रतिलिपि।
(iv) निवासी/अधिवास प्रमाण पत्र (तहसीलदार/एसडीएम द्वारा जारी) की मूल प्रतिलिपि।
(v) नीले रंग के बैकग्राउंड रखते हुए छह फोटो।
(vi) नेशनल एवं इंटर क्लब स्तर पर (यदि कोई हो) में खेल भागीदारी प्रमाणपत्र की मूल प्रतिलिपि।
विशेष :- आवेदन प्रारूप के साथ पालक/अभिभावक द्वारा सत्यापित एक प्रतिलिपि को जमा करना होगा एवं मूल प्रतिलिपि को दिखाना होगा।
(सी) **फोटोग्राफ्स :** उम्मीदवार को आवेदन के साथ एक अन्य अतिरिक्त रंगीन वर्तमान का पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ जिसके पीछे उनका नाम एवं हस्ताक्षर हो को जमा करना आवश्यक होगा।
6. **चयन प्रक्रिया:**-एनबीएससी की समर्पित टीम एवं अधिकारियों द्वारा पूर्ण पारदर्शी ढंग से चयन/परीक्षण का आयोजन किया जावेगा। अभिभावक/पालक गणों को सलाह दी जाती है कि वे चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप ना करें। किसी जानकारी के लिए सिर्फ चयन टीम को संबोधित किया जाना चाहिए। दिए गए समय एवं स्थान पर चयन रैली का प्रारंभ किया जावेगा। चयन परीक्षण को दो दिवस के लिए चयन हेतु खोला जावेगा। चयन प्रक्रिया निम्नानुसार है :-
(ए) उच्च नौकायन की उपलब्धि के आधार पर चयन मापदण्ड आधारित होगा।
(बी) चयन परीक्षण के समय पर सभी मूल प्रमाणपत्र एवं अंकसूची को प्रस्तुत करना होगा।
(सी) उम्मीदवार जो चिकित्सा परीक्षण आधार पर चिकित्सीय दृष्टि से **अस्थायी अयोग्य** घोषित किए गए हैं को 21 दिवस की अधिकतम समयावधि में वे विशेष मिलेट्री हॉस्पिटल के विशेषज्ञ से सलाह प्राप्त कर सकेंगे। इसके बाद कोई समीक्षा/अपील करने की अनुमति नहीं दी जावेगी।
(डी) ऐसे उम्मीदवार जो कि **चिकित्सीय दृष्टि से अस्वस्थ** घोषित किए गए हैं वे मिलेट्री हॉस्पिटल में विशेषज्ञ की राय हेतु 21 दिवस के अंदर रु. 40 का शासकीय कोष एवं लेखा को मिलेट्री रिसीवबल आर्डर (एमआरओ) द्वारा भुगतान कर प्राप्त कर सकेंगे। चयनित विशेष मिलेट्री हॉस्पिटल के अतिरिक्त किसी अन्य विशेषज्ञ के चिकित्सा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र पर विचार नहीं किया जावेगा। इसके अतिरिक्त कोई अन्य समीक्षा/अपील की अनुमति नहीं होगी।
(ई) चिकित्सीय दृष्टि से स्वस्थ एवं चयन परीक्षण में योग्य पाए गए उम्मीदवारों से रिक्तियों के आधार पर चयन सूची तैयार की जावेगी।
(एफ) चयनित उम्मीदवार की उम्मीदवारी सिर्फ वर्तमान बैच के लिए ही वैध होगी।
(जी) सभी चयनित उम्मीदवारों को उनके चयन प्रस्ताव के साथ पुलिस सत्यापन प्रारूप को भेजा जावेगा एवं उम्मीदवारों से संबंधित जिला पुलिस प्राधिकरण से समान प्रारूप को एवं पूर्ववत प्रमाणपत्र सत्यापन के बाद पंजीकरण के समय आईएनएस मांडोवी को जमा करना होगा।
(एच) छ: माह की समयावधि के बाद चयन से संबंधित किसी जानकारी पर विचार नहीं किया जावेगा।
7. **चिकित्सा सहायता :** स्थल पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध होगी। यद्यपि नेवी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी ट्रायल्स के कारण उम्मीदवार को हुई किसी चोट के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
8. **बोर्डिंग एवं अस्थायी निवास :** परिचय रैली के दौरान उम्मीदवारों को बोर्डिंग/ठहरने एवं परिवहन की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी एवं उसके पालक/अभिभावक उम्मीदवार की देखभाल कर सकते हैं। बोर्डिंग एवं अस्थायी निवास के लिए संस्थान का उत्तरदायित्व नहीं होगा। **अनुमति क्षेत्र के अतिरिक्त पूर्ण परीक्षण प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों को पालकों/अभिभावकों से मिलने की अनुमति नहीं होगी।**
9. सीमित रिक्तियों के कारण मेडल विजेता एवं/या जिला/राज्य/नेशनल लेवल्स पर प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों को वरीयता दी जावेगी।
10. **प्रशिक्षण :-** चयनित अभ्यर्थियों को छठी से दसवीं कक्षा तक अंग्रेजी माध्यम में या तो केवी, मांडोवी, गोवा में या मुक्त विद्यालयीन शिक्षा के माध्यम से नि:शुल्क शैक्षणिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, इसके अलावा भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के प्रशिक्षकों/नौसेना प्रशिक्षकों द्वारा नौकायन में गहन कोचिंग भी प्रदान की जाएगी।
11. **निष्कासन :** प्रशिक्षण के दौरान किसी समय असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण यदि अनुर्पयुक्त पाया जाता है तो लड़के निष्कासित किये जाने योग्य होंगे। इसके अतिरिक्त अनुशासन/चिकित्सा आधार या अपेक्षित स्तर तक खेल में सुधार नहीं होने के आधार पर वे कर्त्तव्यमुक्त होने योग्य होंगे।
12. **वे चयनित लड़के, जिन्हें तथ्यों को छुपाने/सूचना को छुपाने/प्रगति का प्रदर्शन नहीं होने या अनुशासनहीनता के कारण निरस्त कर अयोग्य घोषित किया जाता है, उनके प्रशिक्षण के शुल्क को उनके पालक/अभिभावक से प्राप्त किया जावेगा।**
13. **महत्वपूर्ण सूचना :** इस विज्ञापन में दी गयी शर्तें एवं स्थितियॉ परिवर्तनशील हैं एवं इसलिए इसे सिर्फ दिशा-निर्देश के तरह उपयोग किया जावे। यदि किसी क्षमतावान उम्मीदवार को कोई परेशानी हो तो वह संपर्क कर सकते हैं।

सचिव, भारतीय नौसेना नौकायन संघ, नौसेना मुख्यालय
रक्षा मंत्रालय कमरा नं. ई-033 नौसेना भवन,
इंदिरा गांधी रोड, नई दिल्ली- 110010
दूरभाष : 011 -20896986, 0900 बजे से 1700 बजे तक
(सोमवार से शुक्रवार)

CBC 10702/11/0080/2526

उत्साह से मनाया जाएगा साईं बाबा मंदिर का स्थापना दिवस

भजन-कीर्तन व आरती में जुटेंगे सैकड़ों श्रद्धालु

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर के कैलाश नगर स्थित साईं बाबा मंदिर समिति द्वारा ॉ18 वां स्थापना दिवस उत्साह से मनाया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह के दौरान साईं बाबा की आकर्षक पालकी निकाली जाएगी, जो नगर की विभिन्न सड़कों पर भ्रमण करेगी।

कार्यक्रम आयोजक आचार्य पं. गंगाराम भार्गव ने बताया साईं बाबा मंदिर साईं रेसिडेंसी कैलाश नगर 12 मार्च मंदिर में सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा, वहीं 13 मार्च को भव्य पालकी निकाली जाएगी एवं शाम को साईं बाबा की महाआरती होगी। उसके बाद भंडारा होगा। साईं पालकी में विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण मोहन सोनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, गांधीनगर मंडल भाजपा के अध्यक्ष राजू मीणा, योगेश वासवानी, राहुल राजपूत, शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंदिर प्रांगण में साईं भक्तों के साथ बैठक की गई। यहां सभी कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में वार्ड-2 की पार्षद कुसुम चतुर्वेदी, प्रमोद तिवारी, संजय वाधवा, डॉ. एके सिंह, राधे महाराज, पृथ,वीराज त्रिवेदी एचआर सिंह, अभिषेक सिंह, एमके सिंह, कमल रामानी, सुभाष पांडे, टीकाराम पटेल, रवि मीणा, देवेंद्र गौर आदि मौजूद थे।

हरि चेतन आश्रम में वार्षिक मेला 8 को जुटेंगे हजारों लोग : नरेश पारदासानी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। भोपाल-इंदौर राजमार्ग स्थित कोलूखेड़े के हरि चेतन आश्रम में हर साल की तरह इस बार भी भव्य वार्षिक मेले का आयोजन 8 मार्च को किया जाएगा। इस आश्रम की स्थापना चार दशक पूर्व जाने-माने समाज सेवी एवं जनसंघ नेता चेतनदास पारदासानी जो बाद में पूज्य सिंधी पंचायत के प्रथम उपाध्यक्ष भी निर्वाचित हुए, ने की थी। उनके स्वर्गवास के बाद हर साल इस मेले का आयोजन उनके परिवार एवं खासतौर पर आध्यात्मिक क्षेत्र की जानी-मानी हस्ती संत नरेश पारदासानी द्वारा की जा रही है। संत नरेश पारदासानी ने बताया कि इस बार 8 मार्च को यहां सुबह 11 से एक बजे तक भजन, कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन किया गया है, उसके बाद गणमान्य नागरिकों के आशीर्वाद वचन होंगे, बाद में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में एक हजार से अधिक गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

SUDOKU 165

5		7				9		
		8		7				
1			3		4			
6		3	8		7			
	8						3	
			1		9	4		8
			4		1			9
				2		7		
		1				6		5

SOLUTIONS 164

7	6	9	5	8	4	2	1	3
5	1	3	2	6	9	8	7	4
2	4	8	3	1	7	9	6	5
1	5	6	8	9	3	7	4	2
3	9	2	7	4	5	6	8	1
8	7	4	6	2	1	5	3	9
4	2	1	9	7	6	3	5	8
6	8	5	1	3	2	4	9	7
9	3	7	4	5	8	1	2	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

निबंध स्पर्धा में रिया आचार्य एवं तनिषा मकवांकर रहीं प्रथम

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें घोषित परिणामों मे रिया आचार्य एवं तनिषा मकवांकर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज की विज्ञान विंग की डीन डॉ. शाजिया खान ने बताया कि द्वितीय पुरस्कार इंशा वसीम को प्रदान किया गया। इसी प्रकार पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार फरजाना खान को तथा द्वितीय पुरस्कार दीपिका मेवाड़ा को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान संकाय द्वारा संस्थान के इनोवेशन काउंसिल एवं नेचर क्लब के सहयोग से किया गया,जिसका उद्देश्य छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सृजनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर भारत की वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने के लिए डिजिटल पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, रील निर्माण प्रतियोगिता तथा छात्राओं द्वारा भाषण प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन सीवी रमन पर आधारित फिल्म प्रदर्शन के साथ हुआ। प्रतियोगिताओं में विभिन्न संकायों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता, नवाचार तथा समकालीन वैज्ञानिक जागरुकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रभावशाली डिजिटल पोस्टरों एवं आकर्षक रीलों के माध्यम से प्रतिभागियों ने महिला वैज्ञानिकों के परिवर्तनकारी योगदान को प्रस्तुत किया तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को दर्शाया। कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने संबोधित किया, जबकि विज्ञान संकाय की डीन डॉ. शाजिया खान ने आयोजन की महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विज्ञान संकाय की छात्राओं ने इस प्रोग्राम में उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक जागरुकता और सृजनात्मक अभिव्यक्ति के समन्वय का उत्कृष्ट मंच सिद्ध हुआ, जिसने संस्था की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया। इसी तरह का कार्यक्रम निवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में भी आयोजित किया गया।

राशिफल

मेष : आज व्यापारियों को मनचाहा लाभ होगा। आपको मेहनत का पूरा फल मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। पैसों के लेन-देन से बचें। शादीशुदा लोगों की जिंदगी में खुशियां रहेंगी।

वृषभ : आज सफल होने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है।

मिथुन : परिश्रम का पूरा फल मिलेगा। नौकरी करने वाले जातकों को नए अवसर मिलेंगे। व्यापार करने वाले जातकों पर काम का दवाब रहेगा।

कर्क : दिन किसी विशेष काम में आपको सफलता मिल सकती है। दोपहर का टाइम शुभ समाचार लेकर आ सकता है। आपके आय के साधन में वृद्धि होगी। व्यापारियों को मन चाहा लाभ होगा।

सिंह : शुरुआत में खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। मन में नेगेटिव विचारों का प्रभाव भी हो सकता है। जिसके कारण आपका आर्थिक बजट बिगड़ सकता है।

कन्या : दिन की शुरुआत में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। सुख-सुविधा से जुड़ी किसी चीज में पैसे खर्च हो सकते हैं।

तुला : नौकरी करने वाले जातकों को नए अवसर मिल सकते हैं। कार्यस्थल पर प्रमोशन मिल सकता है। हालांकि आपको गुप्त शत्रुओं से बचकर रहने की जरूरत है।

वृश्चिक : आपका आर्थिक बजट हिल सकता है। आज के दिन समय और धन दोनों को सोच-समझकर खर्च करें। आप शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं।

धनु : करियर में प्रमोशन पाने के लिए कई जरूरी टास्क मिल सकते हैं। गुस्से और वाणी पर काबू रखें। आज मनचाहा लाभ मिल सकता है।

मकर : आज किस्मत चमक सकती है। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। दोपहर के टाइम में किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कुंभ : हर कार्य के उम्मीद से भी बेहतर परिणाम मिलेंगे। दिन की शुरुआत में कुछ चुनौतियों आएंगी, जिनका सामना करना पड़ सकता है।

मीन : दिन नौकरी करने वाले जातकों को गुप्त दुश्मनों से बचना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले जातकों के लिए यह दिन शुभ साबित हो सकता है।

आज का पंचांग: 04 मार्च बुधवार 2026। **दिशाशूल :** उत्तर। **त्यौहार :** वसंतोत्सव, होलिका विभूति धारण विशेष : होलाष्टक समाप्त विक्रम संवत 2082 शके 1948 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु चैत्र मास कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा 16 घंटे 50 मिनट तक तत्पश्चात द्वितीया पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र 07 घंटे 39 मिनट तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, धृति योग 08 घंटे 53 मिनट तक तत्पश्चात शूल योग, सिंह में चंद्रमा 13 घंटे 47 मिनट तक तत्पश्चात कन्या में।

कांग्रेस नगर अध्यक्ष बने दुर्गेश

जागरण प्रतिनिधि, औबेदुल्लागंज। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र पटेल की सहमति से नगर के उत्साही युवा दुर्गेश यादव खिल्लीखेड़ा को औबेदुल्लागंज नगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। दुर्गेश यादव पूर्व में युवा कांग्रेस भोजपुर के विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। दुर्गेश यादव ने अपनी नियुक्ति पर जिलाध्यक्ष देवेंद्र पटेल, विधायक सिलवानी देवेंद्र पटेल पूर्व विधायक गाडरबास, राजकुमार पटेल पूर्व शिक्षामंत्री का आभार व्यक्त किया है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रा.नि. मंडल
ईटखेड़ी सड़क तहसील -हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.)
रा.प्र. क्रं. 386/अ-12/2025-26,
दिनांक 26/05/25
ग्राम का नाम - अरवलिया
प.ह.नं. 16 तहसील हुजूर जिला भोपाल

:: सूचना पत्र::

प्रति,
1. फेज शाह पुत्र ए.एच.शाह
2. फेजल शाह पुत्र एम.एच.शाह
3. हर्ष ठाकुर पुत्र गोपाल सिंह ठाकुर
4. गोपाल सिंह ठाकुर पिता खुमान सिंह ठाकुर वगैरह
5. गोविन्द गोयल आ. बालकिशन गोयल
6. आकाश गोपाल आ. गोविन्द गोयल
7. अन्य मेढ़िया कृषक
8. ग्राम कोटवार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री एन.शाह पिता ए.एच.शाह निवासी-कोहेफिजा भोपाल म.प्र. द्वारा ग्राम अरवलिया प.ह.नं. 16 तहसील हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) स्थित भूमि खसरा नं. 315/2/2, 316/2, 317/2, 318/2 रकबा 0.6480 हे. भूमि का सीमांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 06/03/2026 को समय 3:30 बजे से स्थल पर किया जावेगा। पड़ोसी खातेदार होने के कारण एवं उक्त सीमांकन से कोई आपत्ति हो तो, नियत दिनांक एवं समय पर स्थल पर भूमि के स्वत्व एवं आनुषांगिक दस्तावेज सहित उपस्थित हो। अनुपस्थिति की दशा में सीमांकन कार्य रोका नहीं जावेगा। बाद प्रस्तुत आपत्ति विचार योग्य नहीं होगी ।

आज दिनांक 27/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।
नोट - अपरिहार्य कार्य की वजह से तिथि में परिवर्तन किया जा सकेगा ।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. ईटखेड सड़क
तहसील-हुजूर जिला-भोपाल

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रा.नि. मंडल
ईटखेड़ी सड़क तहसील -हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.)
रा.प्र. क्रं. 390 , 383/अ-12/2025-26,
ग्राम का नाम - अरवलिया
प.ह.नं. 16 तहसील हुजूर जिला भोपाल

:: सूचना पत्र::

प्रति,
1. लतीफ खॉं, शरीफ खॉं पुत्र सिकन्दर खॉं बगैरह
2. एन.शाह पुत्र ए. एच.शाह
3. गोविन्द गोयल आ. बालकिशन गोयल
4. अन्य मेढ़िया कृषक
5. ग्राम कोटवार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री फेजल शाह पिता एम.एच.शाह निवासी-कोहेफिजा भोपाल म.प्र. द्वारा ग्राम अरवलिया प.ह.नं. 16 तहसील हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) स्थित भूमि खसरा नं. 315/1/1, 316/1, 317/1, 318/1, 318/1, 317/1, 316/1, 315/1/2, 315/2/1, 316/2, 317/2, 318/2, रकबा 0.6480 +0.0820+ 0.5620 = कुल 1.292 हे. भूमि का सीमांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 06/03/2026 को समय 4:00 बजे से स्थल पर किया जावेगा। पड़ोसी खातेदार होने के कारण एवं उक्त सीमांकन से कोई आपत्ति हो तो, नियत दिनांक एवं समय पर स्थल पर भूमि के स्वत्व एवं आनुषांगिक दस्तावेज सहित उपस्थित हो। अनुपस्थिति की दशा में सीमांकन कार्य रोका नहीं जावेगा। बाद प्रस्तुत आपत्ति विचार योग्य नहीं होगी ।

आज दिनांक 27/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।
नोट - अपरिहार्य कार्य की वजह से तिथि में परिवर्तन किया जा सकेगा ।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. ईटखेड़ी सड़क
तहसील-हुजूर जिला-भोपाल

कब खेली गई थी दुनिया की पहली होली?

हिन्दू धर्म में होली पर्व को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। रंगों के इस महापर्व को हर साल फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार आध्यात्मिकता, भक्ति और आनंद का प्रतीक भी है। पौराणिक धर्म ग्रंथों में होली से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं। हालांकि, स्कंद पुराण के काशी खंड में एक कथा मिलती है, जिसमें बताया गया है कि भगवान शिव ने सबसे पहले होली खेली थी और इसे मनाने की परंपरा की शुरुआत की थी। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव जी अपनी तपस्या में इतने तल्लीन थे कि उन्होंने संसार की ओर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। ऐसे में देवताओं ने कामदेव से सहायता मांगी। देवताओं ने उनसे प्रार्थना की कि वे अपने पुष्प बाणों से भगवान शिव को प्रभावित करें ताकि उनका ध्यान भंग हो और वे पार्वती जी की ओर आकर्षित हों। कामदेव ने देवताओं के अनुरोध को स्वीकार किया और वसंत ऋतु के आगमन के साथ उन्होंने अपनी शक्ति का प्रयोग किया। जैसे ही कामदेव ने अपना पुष्प बाण चलाया, भगवान शिव की समाधि टूट गई। वे अत्यंत क्रोधित हो गए और अपनी तीसरी आंख खोल दी, जिससे कामदेव तुरंत भस्म हो गए। इस घटना के बाद, रति (कामदेव की पत्नी) ने शिव से प्रार्थना की और रोने लगीं। उनकी करुणा को देखकर भगवान शिव ने उन्हें वरदान दिया कि कामदेव अदृश्य रूप में जीवित रहेंगे और प्रेम रूप में हमेशा संसार में उपस्थित रहेंगे। इसके बाद, जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ, तो माता पार्वती की तपस्या सफल हुई और शिव जी ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लिया। जब यह शुभ अवसर आया, तब संपूर्ण कैलाश पर्वत उल्लास से भर गया। शिव गण, देवता और समस्त ऋषि-मुनि आनंदित हो उठे। इसी खुशी में भगवान शिव ने अपने गणों और भक्तों के साथ रंगों से होली खेलने की शुरुआत की। माना जाता है कि उन्होंने पहले पार्वती जी को रंग लगाया और फिर उनके साथ समस्त कैलाशवासियों ने भी रंगों से होली खेली। इस प्रकार, यह पर्व शिव-पार्वती के मिलन और प्रेम का प्रतीक बन गया। यही कारण है कि आज भी काशी और अन्य शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के बाद होली का विशेष आयोजन किया जाता है।

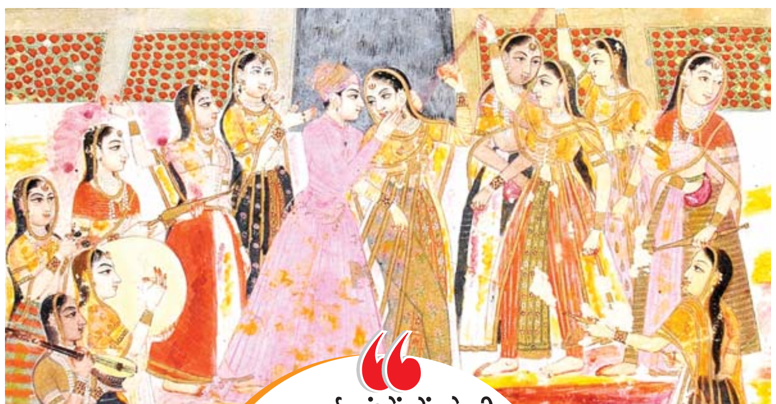

> धर्म ग्रंथों में होली से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं। आइए जानते हैं पहली होली और इससे जुड़ी पौराणिक कथा।

वेद और पुराण में भी मिलता है होली का उल्लेख

वेदों में रंगों के प्रतीकात्मक उपयोग और उत्सवों का संदर्भ मिलता है। ऋग्वेद में कई स्थानों पर वसंत ऋतु के आनंद और प्रकृति के उन्नति का उल्लेख किया गया है। वसंत ऋतु के साथ जुड़े त्योहारों के संदर्भ में होलिका दहन और रंग खेलना प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया जाता है। यह वसंत ऋतु में उगने वाली फसलों, फूलों, और रंगों का उत्सव है।

पद्म पुराण

पद्म पुराण में होली की कहानी को विस्तार से बताया गया है। इसमें हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद के साथ जुड़ी कथा का वर्णन है। होली का त्यौहार प्रमुख रूप से होलिका दहन से जुड़ा हुआ है। जिसमें बुराई होलिका का विनाश और अच्छाई प्रह्लाद की विजय का प्रतीक होता है। राजा हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र विष्णुभक्त प्रह्लाद को मारने के लिए होलिका को अपने गोदी में लेकर अग्नि में बैठने को कहा क्योंकि होलिका को अग्नि से बचने का वरदान था। लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गए और होलिका जलकर राख हो गई। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाने की परंपरा है। ठीक यही संदर्भ माह्नी पुराण और वृष्णि पुराण में भी मिलता है।

> होली का उल्लेख वेदों और पुराणों में कई स्थानों पर मिलता है। इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वेदों और पुराणों में वर्णित है, जहां होली के त्योहार के साथ जुड़ी प्रमुख कथाएँ मिलती हैं।

भविष्य पुराण

भविष्य पुराण में भी होली के आयोजन का वर्णन किया गया है। इस पुराण के अनुसार, होली एक धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा का आरंभ भगवान कृष्ण और राधा के समय से हुआ। इस पुराण में कृष्ण और राधा के रंगों के साथ खेल की बात की गई है, जिससे यह संदेश मिलता है कि होली प्रेम और समर्पण का पर्व है। कृष्ण की लीला के रूप में होली का आयोजन भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़ा हुआ है। कृष्ण जी ने राधा और गोपियों के साथ रंगों से खेला था, जो प्रेम का प्रतीक था। यह भी एक कारण है कि होली के दिन रंगों से खेलने की परंपरा आज भी है।

होली पर हास्य-व्यंग्य की फुहारें...

चटपटा रोचक रंगरंगीला भविष्य-फल

● डॉ. शिव शर्मा ●

होली के पावन अवसर पर नील-गगन के नक्षत्रों के आधार पर पेश कर रहे हैं शानदार ज्योतिषीय रिपोर्ट- होली का चटपटा रोचक रंगरंगीला भविष्य-फल... अतः सभी बंधुओं और भाभियों से निवेदन है कि इसका लाभ उठाएं तथा अपने-अपने गणित और फलित के अनुसार ही चलें। अन्यथा होने वाले प्रभावों के लिए सीना फाड़कर तैयार रहें।

राजनेता

राजनीतिज्ञों के लिए यह होली फलदायी प्रतीत नहीं हो रही है। बढ़ती महंगाई से आम लोग काफी त्रस्त हैं। रंग-गुलाल के दामों में भी तीव्र वृद्धि हुई है। टैक्सों की भरमार है। जिन वायदों पर वे चुनाव जीते, पूर्ण नहीं हुए हैं। लोग अपने प्रतिनिधियों को इस होली में रंग-गुलाल न सही तो धूल-धमाल के साथ ही ढूंढेंगे। अतः उन्हें सलाह दी जाती है कि वे इस होली में, अपने घरों में ही बैठे रहें तथा अपने-अपने दलों के घोषणा-पत्रों का सस्वर पाठ करते रहें।

व्यापारी वर्ग

मिलावट करने वाले व्यापारियों के लिए यह होली शुभ है। वे अपने घर, दफ्तर, दुकानें खुली रखें और खूब रंग लगाएं। स्नान न करें और घर-भर के लोगों का रंग एकत्रित कर रख लें। मिलावट में काम आएगा और खूब धन प्राप्त होगा।

चंदा मांगने वाले

चंदा मांगने वालों पर तो इस वर्ष विशेष, शनि-कलेक्टर लगा हुआ है। शनि-कलेक्टर का कहना है कि इतना चंदा मांगा जा चुका है कि लोगों के पास देने को कुछ बचा ही नहीं है। चंदा मांगने जो आए, उसके सामने आप अपना रसीद-कट्टा भी रख दें। चंदा हमें आदिकाल से प्रिय है। किसी कवि ने ठीक कहा है- गजधन, गोधन, बाजिधन और रतनधन खान, जब आवे चंदाधन, सब धन धूरि समान। लेकिन इस बार चंदा मांगने वालों पर ग्रहों की वक्र दृष्टि है। जब पूरा समाज ही मांगने लगेगा तो देने वाला कौन होगा? अतः ग्रह चाहते हैं कि मांगने वाले कम ही रहें और देने वाले अधिक। अतः इस वर्ष भूलकर भी चंदा न मांगें।

परीक्षार्थी

यह होली परीक्षार्थियों के लिए अशुभ होगी। परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं और वर्षभर तक परीक्षार्थियों को पढ़ने-लिखने का सुअवसर नहीं मिल पाया है। वैसे भी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने से कोई काम-धाम मिलना तो संभव नहीं है। यदि कबड्डी या क्रिकेट खेलना ही सीख गए तो एक अदद नौकरी मिल जाएगी। आप यह करें कि हनुमानजी को प्रसाद चढ़ाकर ही परीक्षा भवन में प्रवेश करें। इससे सभी प्रकार की बाधाएं दूर होंगी।

अमीर लोग

उच्च वर्ग के लिए यह होली शुभ है। होली के दिन अपनी कार में बैठकर, फटे-पुराने वस्त्र धारण कर, इनकम टैक्स अधिकारियों के यहां अवश्य जाएं, टैक्स माफ होगा। निर्धनों से खूब गले मिलें और समाजवाद पर उन्हें ले.र पिलाएं।

गंजे लोग

सभी गंजत्व-धारी प्राणियों से निवेदन है कि वे होली के अवसर पर टोपी, टोपा या हेलमेट धारण कर घूमें। बाल वालों को अपने केशों पर कंघी भी करना हो तो टोपी के अंदर ही हाथ डालकर करें। नकली रंगों से सावधान रहें। ये रंग यदि मस्तिष्क में चले गए सीधे, तो नक्षत्रों के हिसाब से मस्तिष्क-हानि की पूर्ण संभावना है।

कविगण

होली के हास्य कवियों की कविताएं, मंच पर हूट होंगी। होलिका दहन की रात को कवि-सम्मेलन में नहीं जाएं। श्रोतागण आपको भक्त प्रहलाद बनाने को उतारू हैं क्योंकि आप गत कई वर्षों से उन्हें एक-सी कविताएं सुनाते चले आ रहे हैं।

गरीब लोग

निम्न वर्ग के लिए तो हर दिन होली और हर रात दिवाली होती है। ये लोग ज्योतिष पर विश्वास नहीं करते और एक माह पूर्व ही फाग गाने लगते हैं। रूखा-सूखा खाकर भी इस कदर अपनी हस्ती-मस्ती में रहते हैं कि भविष्यवक्ता का दिल जलने लगे। इसलिए ये लोग निश्चिंत होली मनाएं।

बाबू लोग

मध्य और निम्न वर्ग के बाबू लोग होली का विरोध करें और शांति कमेटी के सदस्य बन जाएं। होली के बाद महंगाई बढ़ेगी। होली पर रंग डलवाया तो वर्षभर रंगीन वस्त्रों में ऑफिस जाना होगा। अतः होली न खेलें और यह कहें, दौलत वालों ने होली का सहारा लेकर, हम गरीबों की गरीबी का उड़ाया है मजाक!

कविताओं में रंगोत्सव

हिंदी साहित्य के दिग्गज साहित्यकारों द्वारा होली पर कई श्रेष्ठ कविताएं लिखी गई हैं। मैथिलीशरण गुप्त, निराला, बच्चन और नामवर सिंह जैसे मूर्धन्य कवियों की कविताओं में बिखरी रंगोत्सव की छटा से होली की विशेषता को जाना जा सकता है।

सब होली

जो कुछ होनी थी, सब होली!
धूल उड़ी या रंग उड़ा है,
हाथ रही अब कोरी झोली।
आँखों में सरसों फूली है,
सजी टेसुओं की है टोली।
पीली पड़ी अपत, भारत-भू,
फिर भी नहीं तनिक तू डोली!

मैथिलीशरण गुप्त

केशर की कलि की पिचकारी

केशर की, कलि की पिचकारी:
पात-पात की गात सँवारी।
राग-पराग-कपोल किए हैं,
लाल-गुलाल अमोल लिए हैं
तरू-तरू के तन खोल दिए हैं,
आरती जोत-उदोत उतारी-
गन्ध-पवन की धूप धवारी।
गाए खग-कुल-कण्ठ गीत शत,
संग मृदंग तरंग-तीर-हत
भजन-मनोरंजन-रत अविरत,
राग-राग को फलित किया री-
विकल-अंग कल गगन विहारी ।

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

फागुनी शाम

फागुनी शाम, अंगूरी उजास
बतास में जंगली गंध का डूबना
ऐंठती पीर में, दूर, बराह-से
जंगलों के सुनसान का कूंथना।
बेघर बेपरवाह, दो राहियों का
नत शीश, न देखना, न पूछना
शाल की पंक्तियों वाली
निचाट-सी राह में
घूमना घूमना घूमना।...

नामवर सिंह

होली

यह मिट्टी की चतुराई है,
रूप अलग औ' रंग अलग,
भाव, विचार, तरंग अलग हैं,
ढाल अलग है ढंग अलग,
आजादी है जिसको चाहो आज उसे वर लो।
होली है तो आज अपरिचित से परिचय कर लो!
निकट हुए तो बनो निकटतर
और निकटतम भी जाओ,
रूढ़ि-रीति के और नीति के
शासन से मत घबराओ,
जो हो गया बिराना उसको फिर अपना कर लो।
होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो!
होली है तो आज अपरिचित से परिचय कर लो,
होली है तो आज मित्र को पलकों में धर लो,
भूल शूल से भरे वर्ष के वैर-विरोधों को,
होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो!

तुम अपने रँग में रँग लो तो होली है

देखी मैंने बहुत दिनों तक
दुनिया की रंगीनी,
किंतु रही कोरी की कोरी
मेरी चादर झीनी,
तन के तार छूए बहुतों ने
मन का तार न भीगा,
तुम अपने रँग में रँग लो तो होली है।
अंबर ने ओढ़ी है तन पर
चादर नीली-नीली,
हरित धरित्री के आँगन में
सरसों पीली-पीली,
सिंदूरी मंजरियों से है
अंबा शीश सजाए,
रोलीमय संध्या ऊषा की चोली है।
तुम अपने रँग में रँग लो तो होली है।

हरिवंशराय बच्चन

होली की चैटजीपीटी शायरी

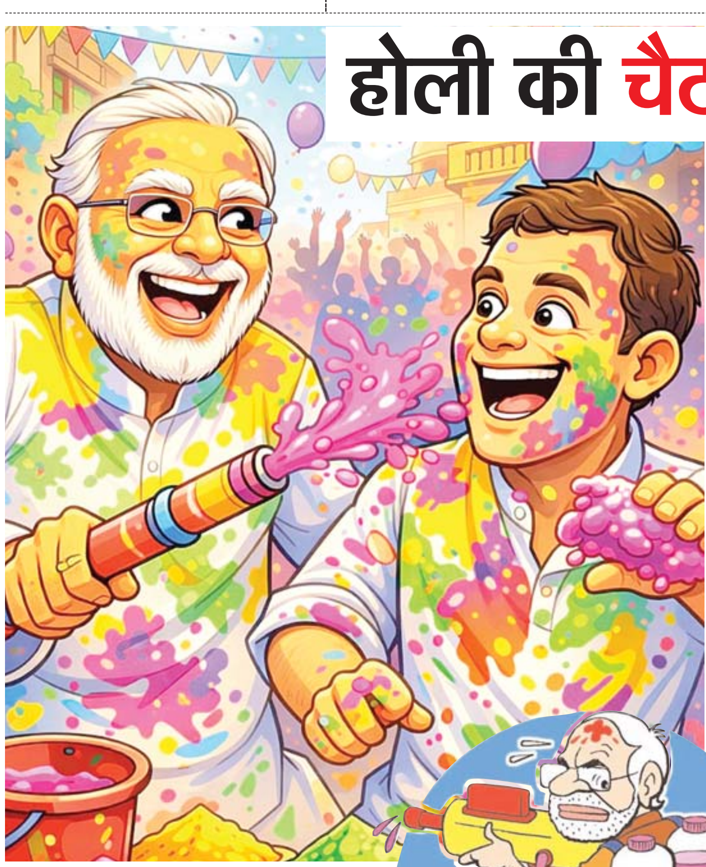

रंगों की सभा सजी, मंच पे छाए मोदी जी,
गुलाल भी बोले 'विकास', ढोलक गाए मोदी जी!
हर पिचकारी से निकले बस 'आत्मनिर्भर' रंग,
होली में भी भाषण ऐसा — तालियाँ हो जाएँ दंग!

कभी चाय की चुस्की संग रंगों की बौछार,
कहें मित्रों! और भीग जाए पूरा संसार।
जनता हँसकर पूछ उठी — बस एक विनती मान,
अगली होली से पहले पूरे कर दो अरमान!

राहुल जी ने रंग उठाया, बोले प्यार के संग,
नफरत को धो डालेंगे इस होली के रंग।
'भारत जोड़ो' की पिचकारी, एकता का गुलाल,
सेल्फी लेते-लेते बोले — यही है कमाल!

कभी विदेश तो कभी गाँव में खेलें रंग हजार,
होली में भी यात्रा जारी — जनता से दरबार।
हँसते बोले लोग सभी — रंग तो खूब जमाया,
अब बस थोड़ा जीत का भी रंग साथ में लाया!

होली आई रंगों वाली, नेता जी तैयार,
वादों की पिचकारी लेकर पहुँचे हर द्वार।
कल तक जो थे चुप बैठे, आज बड़े दिलदार,
रंग लगे तो याद दिलाएँ — वोटर ही परिवार!

गुलाल उड़ाया ऐसे जैसे योजनाओं की धूल,
हर भाषण में मीठी बातें, अंदर से सब कूल।
होली में सब गले मिलें, भूलें सारे क्लेश,
चुनाव बाद फिर याद आए — जनता केवल केस!

नेता जी की होली देखो, कितनी रंगीन चाल,
लाल, हरा, नीला बदलें — जैसे अपना हाल।
कुर्सी की इस दौड़ में, सबका एक ही मंत्र,
रंग बदलना सीख लो, तभी मिलेगा तंत्र!

भांग चढ़ी है मंच पे, भाषण हुआ कमाल,
सपनों की बरसात में भीग गया हर ख्याल।
जनता बोली मुस्काकर — रंग तो अच्छे हैं,
बस अगली होली से पहले पूरे कर दो हाल!

एआई संग होली में हुए लाल-पीले

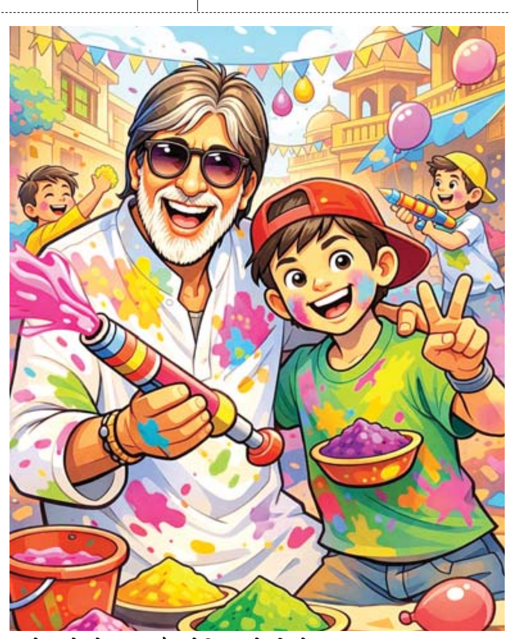

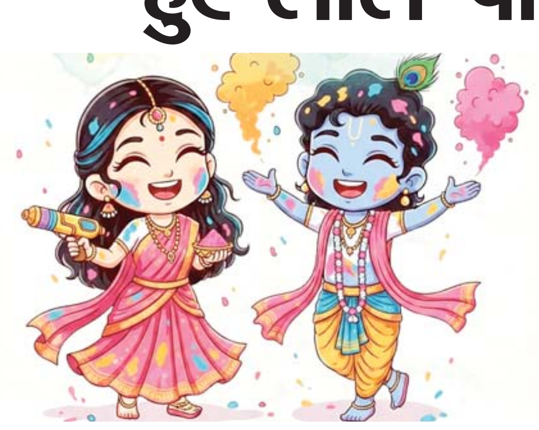

लोग मोबाइल पर डिजिटल रंगों की होली खेलने लगे हैं। ये एआई का युग है सो एआई से होली खेली जाएगी।

मुझे रंगों से प्यार है, लेकिन होली से डर लगता है साहब...। ये मामला ठीक वैसा ही है जैसे मुझे उनसे प्यार है पर तकरार से डर लगता है। होली की हुड़दंग देखकर भरोसा बुरी तरह डिगा हुआ है। मुई होली ने ही न जाने कितने रंग बदल डाले हैं। निखालिस फूलों के रंगों से शुरू हुआ खेलने का सिलसिला गोबर-कीचड़ की होली तक जा पहुंचा है। कालांतर में प्राकृतिक गुलाल, फिर रासायनिक रंगों से होली खेलते हुए ऑर्गेनिक रंगों पर आ ठहरा है। हालांकि, ये दौर भी ज्यादा देर चलने वाला नहीं है? लोग मोबाइल पर डिजिटल रंगों की होली खेलने लगे हैं। ये एआई का युग है सो एआई से होली खेली जाएगी। जनकलाल का निखट्टू नाती तो बच्चन साहब के साथ होली खेल रहा है। मैंने जनकलाल का व्हाट्सएप स्टेटस देखा तो चौंक गया! निखट्टू नाती बच्चन साहब के गले में हाथ डालकर बैठा मुस्कुरा रहा है! दोनों के चेहरे होली के रंगों से ऐसे पुते हुए हैं मानो खूब जमकर होली खेलकर निपटे हों। हाय रे निखट्टू की किस्मत! मेरे सीने पर सांप लोट गया। अब व्हाट्सएप स्टेटस दिखाने का नहीं, जलाने का काम बखूबी कर रहा है। इधर अपनी पूरी जिंदगी निकल गई। पर मजाल है कि बच्चन साब को सिवा सिनेमाई पर्दे के कहीं और देखा हो। दो-चार दफा मुंबई गया था। पूरा दिन उनके बंगले के सामने खड़ा रहा। लानत है कि मुझे उनके दर्शन मिल पाए हों। उलटे दरबान ने मुझे हड़का दिया, 'काय को समय खोटी करता है इधर। साहब शूटिंग पर हैं। दर्शन नहीं देंगे। भागो यहां से।'

जब जनकलाल को इस बात की बधाई दी। तब उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप स्टेटस वाली तस्वीर उनके नाती ने एआई से घालमेल करके बनाई है। फिर आगे बोले, 'पट्ठा इतना तेज है कि धरम पाजी के साथ होली खेलते हुए मेरी रील बना डाली। उसने आसमान से चट्टानी ओले बरसने की रील बनाई है।' फिर एक आंख छोटी करके बोले, 'और ये देखो, आसमान से अर्ध-वसना स्त्रियां गिरने की रील भी बनाई है।' 'वाह रे, एआई के लाल।' मेरे मुख से अनायास निकल गया।

अभी हम उनके मोबाइल में झांक रहे थे कि 'टुडुप' से एक रील टपकी। उसे देखते ही जनकलाल की त्योरियां चढ़ गईं। किसी मित्र ने होली की हुड़दंग में जो रील बनाकर भेजी उसमें वे रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े गए और हाथ छुपाते घूम रहे हैं। ऊपर से नोटों की वर्षा हो रही है। जनकलाल जानते हैं, ये असलियत नहीं है। सब एआई की करामात है। पर न चाहते हुए भी उन्हें भारी क्रोध आ गया जो एकदम असली था।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

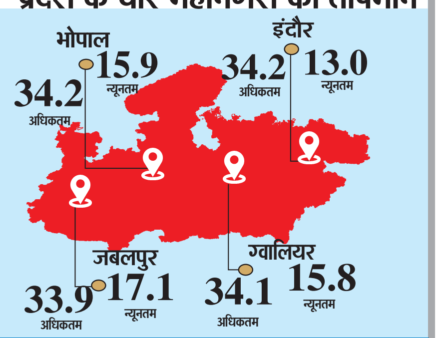

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	31.5	15.6
मुंबई	33.7	21.6
चेन्नई	37.5	18.5
कोलकाता	33.1	20.0

सूर्यास्त 6:24 PM
सूर्योदय 6:41 AM
चन्द्रोदय 6:24 AM
चन्द्रास्त 6:27 PM

आरोपी के फरार होने व ट्रेन से कटने की कोशिश रही नाकाम तो अस्पताल के बाथरूम में की खुदकुशी

पत्नी को जिंदा जलाने के आरोपी पति ने नाड़े का फंदा बनाकर फांसी लगाई

जागरण रायसेन। पत्नी को जिंदा जलाने के सनसनीखेज मामले में आरोपी 60 वर्षीय जमुना प्रसाद गौर ने मंगलवार सुबह जिला अस्पताल रायसेन के शौचालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोपी सर्जिकल वार्ड में भर्ती था। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार 20 फरवरी को जमुना प्रसाद ने अपनी पत्नि पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। लगभग 75 प्रतिशत तक झुलसी पत्नि की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था। फरारी के दौरान उसने विदिशा के पास ट्रेन से कटकर आत्महत्या करने की कोशिश की लेकिन बच गया। इसके बाद आरपीएफ ने उसे विदिशा अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां से वह सोमवार को भाग निकला। पैर में गंभीर चोट के कारण वह स्वयं जिला अस्पताल रायसेन पहुंचा। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया। मंगलवार सुबह वह बाथरूम जाने के बहाने शौचालय में गया। काफी देर तक बाहर नहीं आने और अंदर से संदिग्ध आवाजें आने पर स्टाफ ने दरवाजा तोड़ा। अंदर वह अपने वस्त्र के नाड़े से बनाए फंदे पर लटका मिला, उसे तत्काल नीचे उतारकर उपचार शुरू किया गया लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। बताया जाता है कि आरोपी को शक था कि उसकी पत्नि दूध में पानी मिलाती है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और उसने वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद गौर समाज ने भी उसे समाज से निष्कासित कर दिया था। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

घर में सो रहे युवक की गोली लगने से मौत, भाई का पड़ोसी पर आरोप

जागरण, मुरैना। घर के कमरे में सो रहे एक युवक की देर रात गोली लगने से मौत हो गई। मृतक लवकुश माहौर सूरत (गुजरात) में मजदूरी करता था। 12 दिन पहले बेटे के जन्म और होली के चलते अपने घर आया था। घटना के समय वह अपनी पत्नी के साथ कमरे में सो रहा था। रात करीब 3 बजे गोली की आवाज सुनकर परिजन जागे और कमरे का दरवाजा खुलवाया तो युवक मृत पड़ा था। उसकी कनपटी पर गोली लगी थी। घटना सिहौनियां थाने के सामने वाली गली की है। पुलिस और एफएसएल टीम को जांच के दौरान कमरे में मृतक की पत्नी की टूटी हुई चूड़ियां मिली हैं, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि घटना से पहले पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ होगा। डीएसपी विजय भदौरिया के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है, क्योंकि मृतक की कनपटी पर गन पाउडर और कार्बन के निशान काफी अधिक मिले हैं, जो बताते हैं कि गोली बिलकुल सटाकर मारी गई है। लवकुश की पत्नी राखी ने 12 दिन पहले बेटे को जन्म दिया, इसलिए वह अपने घर सिहोनिया आया था। होली के बाद वह वापस जाने वाला था। मृतक के छोटे भाई अनिल माहौर ने पड़ोसी विक्रम परमार पर गोली मारने का आरोप लगाया है।

ऑपरेशन में लापरवाही पर आयोग ने लगाया डॉक्टर पर जुर्माना

जागरण, श्योपुर। आंखों के ऑपरेशन में लापरवाही पर उपभोक्ता आयोग ने डॉक्टर के खिलाफ बड़ा फैसला सुनाया है। आयोग ने डॉक्टर को आदेश दिया कि वे पीड़ित को कुल 82 हजार रुपए चुकाएं। इसमें 75 हजार रुपए हर्जाना, 5 हजार रुपए मानसिक परेशानी और 2 हजार रुपए केस का खर्च शामिल है। यदि 45 दिनों के अंदर यह पैसा नहीं दिया तो डॉक्टर को 7 प्रतिशत ब्याज भी देना होगा। मामला ग्राम गांधीनगर निवासी 52 वर्षीय रामनिवास शर्मा से जुड़ा है। उन्होंने मार्च 2022 में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जी.के. गोयल से अपनीआंखों की जांच कराई थी। डॉक्टर ने उन्हें दोनों आंखों के ऑपरेशन की सलाह दी, जिसके लिए 17 हजार रुपये फीस तय हुई। 23 मार्च को निजी अस्पताल में दोनों आँखों का एक साथ ऑपरेशन किया गया, लेकिन जब आँखों से पट्टी हटाई गई, तो रामनिवास को दिखाई देना बंद हो गया और आँखों में तेज दर्द व खुजली शुरू हो गई। डॉक्टर ने इसे मामूली इन्फेक्शन बताकर टाल दिया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। पीड़ित रामनिवास को मजबूरन ग्वालियर, नीमच और सवाई माधोपुर जैसे शहरों के अस्पतालों के चक्कर काटने पड़े।

हैदराबाद से सीधे डिंडौरी थाने पहुंचे 11 मजदूरों ने की शिकायत

जागरण, डिंडौरी। हैदराबाद में फंसे 11 मजदूरों ने डिंडौरी पहुंचकर सीधे थाने का रुख किया। जिले के ग्यारह महिला और पुरुष मजदूरों को मजदूरी नहीं मिली, जिसके बाद उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। मजदूरों का आरोप है कि तीन महीने काम कराने के बाद भी ठेकेदार ने उन्हें तय मजदूरी का भुगतान नहीं किया है।

पुलिस के हस्तक्षेप और ठेकेदार से सीधी बात होने के बाद ही मजदूरों को उनकी मेहनत की कमाई मिलने का आश्वासन मिला, जिसके बाद वे अपने घरों की ओर रवाना हुए। मजदूरों ने बताया कि वे दिसंबर माह में स्थानीय एजेंट लक्ष्मण ठाकुर और सुशील के माध्यम से हैदराबाद गए थे, जहां उन्हें रेल लाइन के काम में लगाया गया था। वहां वे तेलंगाना के ठेकेदार कुमार बांड के अधीन कार्य कर रहे थे। काम के बदले महिलाओं को 400 रुपए और पुरुषों को 450 रुपए प्रतिदिन की मजदूरी तय की गई थी। होली के त्योहार पर घर लौटने के लिए जब उन्होंने हिसाब किया, तो कुल 1 लाख 60 हजार रुपए का भुगतान बकाया निकला। ठेकेदार ने उन्हें डिंडौरी पहुंचने पर पैसे देने का भरोसा दिया था, लेकिन यहां पहुंचते ही एजेंट उन्हें बीच रास्ते में छोड़कर भाग गया। मजदूरों की परेशानी देख सब इंस्पेक्टर भिपेंद्र पाठक ने तुरंत तेलंगाना के ठेकेदार से फोन पर चर्चा की।

मजिस्ट्रेट की कार रोककर जान से मारने की धमकी

जागरण, दतिया। प्रदेश में दतिया जिले के भांडेर कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया, जब न्यायालय से लौट रहे एक मजिस्ट्रेट की कार को एक अज्ञात बाइक सवार ने बीच रास्ते में रोक लिया। आरोपी ने न केवल अभद्र व्यवहार किया, बल्कि मजिस्ट्रेट को डराने और हमला करने का भी प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, हनुमतपुरा मोहल्ला के रहने वाले गोलू शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे शाम न्यायालय से मजिस्ट्रेट को उनके शासकीय आवास तक छोड़ने जा रहे थे। कार में न्यायिक कर्मचारी दयाशंकर शर्मा भी मौजूद थे।

न्यायालय से घर जाते वक्त वारदात

शाम करीब 5.45 बजे जब कार तहसील कार्यालय के सामने पहुंची, तभी अचानक एक युवक बाइक लेकर सामने आ गया और जानबूझकर कार के आगे वाहन खड़ा कर दिया।ड्राइवर के अनुसार, जब उन्होंने कार से उतरकर युवक से बाइक हटाने को कहा, तो वह भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब आरोपी ने कार में बैठे मजिस्ट्रेट को देखकर उन्हें धमकाने की कोशिश की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक ने कार के शीशे पर मुक्के भी मारे और जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। भीड़ बढ़ती देख आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

मां बगलामुखी के दर्शन के लिए पहुंचे नायब तहसीलदार की चप्पल चोरी

आगर-मालवा। प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में चोरी की एक अनोखी घटना सामने आई है। दरअसल मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंचे नायब तहसीलदार अरुण चंद्रवंशी की 500 रुपए मूल्य की चप्पल गायब हो गई।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय मध्यप्रदेश
पत्रकार कॉलोनी, लिंकरोड नम्बर -3, भोपाल पिनकोड 462016
फोन - 07552556916 ई-मेल dir.socialjustice@mp.gov.in
क्रमांक/स्टोर/2025-26/भण्डार/21 दिनांक:-25/02/2026

"ई-निविदा सूचना"

संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, भोपाल मध्यप्रदेश के अंतर्गत, शासकीय उपयोग हेतु मासिक दरों पर किराये के वाहन अनुबंधित किए जाने हेतु ई-टेंडर पोर्टल http://mptenders.gov.in पर ई-निविदा दिनांक 26/02/2026 से दिनांक 17/03/2026 तक आमंत्रित की जा रही हैं। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र इत्यादि ई-टेंडर पोर्टल http://mptenders.gov.in तथा विभागीय बेबसाईट www.socialjustice.mp.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। ई निविदा से संबंधित संशोधन एवं अन्य आगामी जानकारियां आदि पोर्टल एवं विभागीय बेबसाईट पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
(आयुक्त द्वारा अनुमोदित)
सहायक संचालक
(स्टोर प्र. अधिकारी)
संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, म.प्र. भोपाल
जी-26859/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो
आंचलिक ईकाई इंदोर
नारकोटिक्स भवन, प्लॉट नंबर-13, फेज-2,
स्कीम नंबर-78, विजय नगर, इन्दोर मध्य प्रदेश - 452010
ईमेल- zdindzu-ncb@nic.in

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, इंदौर, मध्यप्रदेश के अपराधिक प्रकरण में जब्त वाहन स्वामी, इस सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अंदर सम्बंधित न्यायालय में वाहन के स्वमितत्व सम्बंधी दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत करें व एन. सी. बी. इंदौर, मध्यप्रदेश कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा समय अवधि पश्चात वाहन की नीलामी कार्यवाही शुरू की जायगी।

क्र.	अपराध क्रमांक	वाहन पंजीकरण क्रमांक	वाहन का प्रकार
1	04/2022	MP-04-KG-1096	Ford Fiesta Car

cbc 19126/11/0153/2526
वास्ते, आंचलिक निदेशक
नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो इंदौर

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं.: 06/2026 दिनांक: 02.03.2026

ई-निविदा सूचना

वरि. मं. सिग. एवं दूर. सं. इंजी., उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली निविदा" केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई-टेण्डरिंग) आमंत्रित की जाती है:-

ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-2026-17

कार्य का नाम: एस एण्ड टी वर्क इन कनेक्शन विथ द वर्क ऑफ (1) आगरा फोर्ट-बाँदीकुई जं.- TTR (TWS) - 55 सेट्स (1:12) एण्ड (2) ईदगाह-बयाना-थ्रू टर्न आउट रिनूवल (TWS+WCMSC) - 1 इन 12 - 23 नम्बर।

कार्य की लागत: ₹ 1,72,06,762.28 | **निविदा बन्द दिनांक:** 27.03.2026

नोट:- निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त वर्णित दिनांक को 15.00 बजे तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नही की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओं पर विचार नही किया जायेगा। 489/26 FA
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

हाइड्रोकार्बन सेक्टर स्किल कांऊसिल
(सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसाइटी)
ओ.आई.डी.बी. भवन टॉवर सी, दूसरी मंजिल, विकास मार्ग, सेक्टर - 73, नोएडा (यूपी) - 201301

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), एचएसएससी, के पद पर नियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रोफार्मा में अपना आवेदन विज्ञापन की तिथि से 21 दिनों के भीतर विस्तृत सीवी, शैक्षिक योग्यता, आयु, अनुभव के समर्थन में दस्तावेजों की स्व-सत्यापित प्रतियों के साथ अधिक जानकारी के लिए कृपया एचएसएससी की वेबसाइट देखें; career@hsscindia.in पर भेजे। www.hsscindia.in

ह./-
cbc 33115/12/0001/2526 (सीईओ), एचएसएससी

कार्यालय नगर निगम, भोपाल
जोन क्र. 18

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र
क्र. 201/यां.वि/2026 भोपाल, दिनांक 2/03/2026
निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु परसेन्टेज रेट मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	ठेकेदार श्रेणी	निविदा क्रय करने का अंतिम	
					दिनांक	समय
1.	2026_UAD_483537_1	CONST OF C.C. ROAD AT UMA VIHAR COLONY, WARD-83, ZONE-18.	13,70,180/-	as per centralized registra	25-03-26	6:00 PM
2.	2026_UAD_484822_1	CONST OF C.C. ROAD AT SIDDHARTH TOWER, WARD-83, ZONE-18.	5,29,097/-	as per centralized	11-03-26	6:00 PM

नियम व शर्तें
1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
नि.क्र.3257/025/026
सहायक यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

कार्यालय प्राचार्य, पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय बेगमगंज (रायसेन) म.प्र.
Phone No - 07487272113 email- hepdugcbegrai@mp.gov.in
क्र./585/2025 बेगमगंज, दिनांक 02.03.2026

निविदा आमंत्रण पत्र

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय बेगमगंज में आदर्श प्रयोगशाला उन्नयन (योजना क्रमांक 5765) योजनांतर्गत प्राप्त बजट अनुसार प्रयोगशाला उपकरण क्रय किये जानें है, जिसकी खुली निविदा एम.पी. टेंडर पोर्टल पर प्रकाशित की गई है।

क्र.	निविदा क्रमांक	निविदा की प्रारंभिक तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	रिमार्क
01	2026_HED_486775_1	02.03.2026	16.03.2026	

इच्छुक प्रदायकर्ता फर्म अपनी निविदाएं ऑनलाईन एम.पी. टेंडर पोर्टल पर जमा कर भाग ले सकते है। निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय प्राचार्य का होगा।
प्राचार्य
पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय
बेगमगंज रायसेन (म.प्र.)

बिजनेस प्लस

चिनार फॉर्च्यून सिटी में अंबर- ए यूनिट ऑफ सयाजी का शुभारंभ

भोपाल। सयाजी के पोर्टफोलियो में शामिल नई पेशकश 'अंबर-ए यूनिट ऑफ सयाजी' अब भोपाल में शुरू हो गई है। विद्या नगर फेज 2 के पास बावड़िया कलां स्थित चिनार फॉर्च्यून सिटी में बना यह होटल आधुनिक सुविधाओं और आत्मीय सेवा का अनुभव देगा। राजधानी भोपाल, जिसे 'झीलों की नगरी' कहा जाता है, अपनी विरासत और आधुनिकता के संगम के लिए प्रसिद्ध है। शहर के पास स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका रॉक शेल्टर और सांची स्तूप इसे खास बनाते हैं। होटल में 22 सुसज्जित कमरे हैं, जिनमें 20 सुपीरियर और 2 फैमिली रूम शामिल हैं। 52 सीटों वाला 'कैफेन' डाइनिंग स्पेस और 2,736 वर्गफुट का बैंक्वेट हॉल 'ऑरम' तथा विशाल 'वाटिका' लॉन शादियों व कॉर्पोरेट आयोजनों के लिए उपयुक्त हैं। होटल प्रबंधन ने इसे आरामदायक और आत्मीय अनुभव का केंद्र बताया है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी वनमण्डल राजगढ़

निविदा सूचना
क्र./लेखा/274 राजगढ़, दिनांक 27.02.26
सामान्य वन मण्डल राजगढ़ के अंतर्गत शासकीय कार्यालय में कम्प्यूटर क्रय बाबत वित्तीय वर्ष 2025-26 में वनमण्डल राजगढ़ एवं परिक्षेत्रों में विभागीय कार्यों हेतु सामग्री प्रदाय बावत् ई-निविदा प्रक्रिया अनुसार ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।
1. समिति निविदा संबंधित अन्य विस्तृत विवरण वेबसाइट पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं पोर्टल फीस की राशि क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/कैश कार्ड/या इन्टरनेट बैंकिंग सिस्टम के माध्यम से उल्लेखित वेबसाइट पर भुगतान कर निविदा प्रपत्र दिनांक 27.02.2026 को शाम 05:00 बजे से दिनांक 11.03.2026 को शाम 05:00 बजे तक ऑनलाईन रहेगी। अन्य शर्तें वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

ऑनलाईन निविदा प्रारंभ दिनांक एव समय	ऑनलाईन निविदा करने का अंतिम दिनांक एवं समय	ऑनलाईन निविदा खोलने का दिनांक एवं समय
27.02.2026 को शाम 05:00 बजे से	11.03.2026 को शाम 05:00 बजे तक	12.03.2026 को 06.00 बजे

3. निविदा से संबंधित कोई भी संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित न करते हुए केवल उल्लेखित वेबसाइट पर ही सूचित किया जायेगा।
4. अन्य संबंधित जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय के लेखा शाखा से किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
वनमण्डलाधिकारी
सामान्य वनमण्डल राजगढ़
जी-26842/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

ट्रेन में छूटा 8 लाख के गहनों से भरा पर्स खोजकर लौटाया

जागरण, जबलपुर। शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) की सतर्कता व तत्परता ने एक महिला यात्री का लाखों रुपए के जेवर और नकदी से भरा पर्स सुरक्षित बरामद कर उसे वापस सौंप दिया। यह घटना सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात दीक्षा भूमि एक्सप्रेस में हुई, जब यात्री का पर्स ट्रेन में छूट गया था। जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने बताया कि उन्हें ट्रेन क्रमांक 11046 दीक्षा भूमि एक्सप्रेस के कोच बी-5 की बर्थ नंबर 2 और 8 पर यात्रा कर रहीं संगीता वर्मा का पर्स छूटने की सूचना मिली थी। संगीता वर्मा धनबाद (झारखंड) की निवासी हैं। पर्स में सोने-चांदी के आभूषण और नकदी रखी हुई थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत के निर्देश पर एएसआई गोपाल सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक धीरेंद्र, आरक्षक गोपाल, नवीन शुक्ला और रविकांत की एक टीम तत्काल रवाना की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए कोच में तलाशी ली और पर्स को सुरक्षित बरामद कर थाने ले आई। जांच के दौरान पर्स के भीतर लगभग 7 से 8 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पाई गई। फरियादी महिला के थाने पहुंचने पर आवश्यक पुष्टि के बाद पर्स उन्हें सुपुर्द कर दिया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद विदिशा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
क्रमांक/934 to 936/PWD/2026 विदिशा, दिनांक:- 24/02/2026
नगर पालिका परिषद विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु ई निविदाओं का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	निविदा क्र.	ई-टेंडर नं.	कार्य का विवरण	निविदा विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	ई निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण की समयावधि	ई-निविदा क्रय अंतिम दिनांक
1	934	2026_UAD_486828_1	Supply of Pesticides Regarding to be put in the parks of the municipal body.	I Call	500000.00	5000.00	2000.00	12 Month	17/03/2026
2	935	2026_UAD_486856_1	Supply of cowdung manure to be put in the parks of the municipal body.	I Call	300000.00	3000.00	2000.00	12 Month	17/03/2026
3	936	2026_UAD_484862_1	Tender for selection of agency for establishing, operating & maintaining the electric vehicle charging stations in Vidisha on PPP model	II Call	0.00	250000.00	10000.00	12 Month	17/03/2026
4	937	2026_UAD_486886 _1	Supply of various material in Ramvindra nath tagore building VIP guest rooms vidisha municipality.	III Call	250000.00	2500.00	2000.000	12 Month	17/03/2026

1-निविदा प्रपत्र क्रय, डाउन लोड, करने एवं निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्तें एवं जानकारी https://www.mpetenders.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद विदिशा की लो.नि.वि. शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर वेबसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी, संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद विदिशा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, संभाग बुधनी जिला सीहोर (म.प्र.)
मेन रोड बुधनी फोन नं. 07564-235305
निविदा सूचना क्रमांक 12/2025-26/व.ले.लि./बुधनी, दिनांक 28/02/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रु. लाखों में)	अमानत राशि (EMD)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आमंत्रण क्र.	ई.एम.डी. एवं निविदा से संबंधित अन्य दस्तावेज
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_486152_1	विशेष मजबूती करण	सैनिक स्कूल सी. सी. पहुँच मार्ग (छूटी हुई लम्बाई) 0.280 कि.मी.	127.02	127020.00	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाईन ही स्वीकार्य होंगे।
			कार्य की अधिकतम लागत (रु. लाख में)	127.02				

उपरोक्त वेबसाईट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की अंतिम तिथि 18.03.2026 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
प्रमुख अभियंता लो.नि.वि. भोपाल का पत्र क्र. 401/सा./ई-टेण्डरिंग/09/1088/भोपाल/दिनांक 05.11.2020 द्वारा निविदा से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाईन ही स्वीकार्य होंगे।
कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि.सं.बुधनी म.प्र.
07564-235305
जी-26860/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

टी-20 विश्व कप का पहला सेमीफाइनल आज शाम सात बजे से ईडन गार्डन्स में

अजेय दक्षिण अफ्रीका का सामना कीवियों से

जेएनएन, कोलकाता

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 का पहला सेमीफाइनल बुधवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। इस मैच के रोमांचक होने की संभावना है, जिसमें दोनों टीम के कप्तानों की भूमिका अहम होगी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम और न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। अमूमन ऐसा नहीं होता कि दोनों टीमों के कप्तान ही सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हों। ऐसे में मार्करम और सैंटनर के बीच मुकाबला दिलचस्प होगा, जो ईडन गार्डन्स में हजारों दर्शकों को रोमांच से भर देगा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच आईसीसी प्रतियोगिताओं में प्रतिद्वंद्विता 2015 में वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल के दौरान अपने चरम पर पहुंच गई थी। तब न्यूजीलैंड ने एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हरा दिया था, जिससे डेल स्टेन और एबीडी विलियर्स जैसे खिलाड़ियों को करारा झटका लगा था। दक्षिण अफ्रीका अब शुकरी कॉनराड के मार्गदर्शन में खतरनाक टीम बन गई है, जिसने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अभी तक सीमित ओवरों की कोई ट्रॉफी नहीं जीती है, लेकिन 'चोकर' का विख्यात तमगा अब उनके क्रिकेट शब्दकोश का हिस्सा नहीं है। मार्करम ने अभी तक इस टूर्नामेंट में 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 268 रन बनाए हैं। उन्होंने पावरप्ले में गेंदबाजों को अच्छी तरह से निशाना बनाया है। दूसरी तरफ सैंटनर ने 6.35 की इकॉनमी रेट के साथ बल्लेबाजों को बांधे रखा है। उन्होंने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया है।

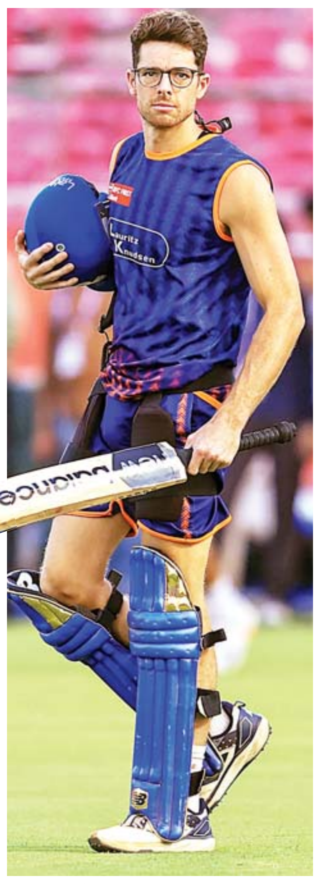

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे, काइल जेमीसन, जैकब डफी, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची, जेम्स नीशम।

हेड टू हेड

कुल टी-20	19
दक्षिण अफ्रीका जीता	12
न्यूजीलैंड जीता	07

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक, रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, कैगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, एनरिक नॉर्किया, जेसन स्मिथ।

दिखेगा स्पिन का जादू

मार्करम, डीकॉक, ब्रेविस, रिकलेटन, स्टब्स, मिलर और यानसन जैसे दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम किसी भी विरोधी टीम की नींद उड़ा सकती है। लेकिन सैंटनर के पास रविंद्र (सात से कम इकॉनमी रेट से नौ विकेट), फिलिप्स और मैककॉन्ची जैसे स्पिनर होंगे, जिन्होंने अभी तक मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर भारत को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इतने अच्छे स्पिन आक्रमण का सामना करेगी। न्यूजीलैंड के पास दक्षिण अफ्रीका को चुनौती देने के लिए एक अच्छे लेग स्पिनर की कमी है, क्योंकि ईश सोढ़ी ने कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है।

पिच और परिस्थितियां

कोलकाता में शाम में ओस की संभावना को देखते हुए टॉस महत्वपूर्ण हो सकता है। टॉस जीतने वाली टीम बाद में बल्लेबाजी करने का फैसला कर सकती है। बारिश होने की संभावना भी नहीं है। दक्षिण अफ्रीका टॉस हारने के बाद भी बेहतर रिकवर कर सकती है, लेकिन न्यूजीलैंड के लिए टॉस जीतकर चेज करना बेहद अहम है। ईडन गार्डन्स चेजिंग का गढ़ है। हाल ही में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 196 रनों का लक्ष्य चेज करते हुए विकेट गंवाने के बावजूद मैच जीता था। अगर न्यूजीलैंड को पहले बैटिंग करनी पड़ी, तो यह उनके लिए बहुत मुश्किल साबित हो सकता है।

इन पर रहेगी नजर

■ मार्करम अब तक इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ ओपनर साबित हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के पास तेज गेंदबाजी आक्रमण में यानसन, रबाडा, बॉश और एन्गिडी होने के साथ ही महाराज के पास स्पिन विकल्प भी है। यह याद करना मुश्किल है कि पिछली बार कब दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह से सभी पहलुओं को दुरुस्त किया था।

■ न्यूजीलैंड के लिए यह अभियान अब तक सीधा नहीं रहा है। ग्रुप स्टेज में उन्होंने अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई को हराया, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उनका पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ा और फिर उन्होंने श्रीलंका को हराया। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के चलते पाकिस्तान के अंतिम मुकाबले के परिणाम से पहले अंतिम चार में उनकी जगह तय नहीं थी।

■ दोनों टीम पहली बार टी-20 विश्व कप के किसी नॉकआउट मैच में भिड़ेंगी। दोनों टीमों ने अब तक आईसीसी टूर्नामेंट में कुल तीन नॉकआउट मैच खेले हैं। तीनों में न्यूजीलैंड को जीत मिली।

इंग्लैंड के खिलाफ तैयारी, भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग में बहाया पसीना

जेएनएन, मुंबई

अपने भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चंद्र ग्रहण की वजह से मंगलवार शाम के ट्रेनिंग सत्र में एक घंटे से अधिक का विलंब किया। टी-20 विश्व कप के सह मेजबान भारत को पहले वानखेड़े स्टेडियम में शाम छह से नौ बजे तक ट्रेनिंग करनी थी, लेकिन टीम आखिरकार शाम सात बजकर 20 मिनट के करीब मैदान पर उतरी। सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य खिलाड़ियों और कोच से पहले मैदान पर पहुंच गए थे, लेकिन ट्रेनिंग कुछ देर बाद शुरू हुई। स्टेडियम की फ्लडलाइट भी शाम करीब छह बजकर 50 मिनट पर चालू कर दी गई थी, लेकिन इन्हें पूरी तरह से शुरू नहीं किया गया था, जो बाकी टीम के मैदान पर उतरने से कुछ देर पहले किया गया था।

भारत बनाम इंग्लैंड: सेमीफाइनल में अंपायरिंग करेंगे गाफानी व पालेकर

दुबई, जेएनएन। न्यूजीलैंड के क्रिस गाफानी और दक्षिण अफ्रीका के अलाहुद्दीन पालेकर भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को मुंबई में होने वाले टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल में मैदानी अंपायर होंगे, जबकि जिम्बाब्वे के एंडी पायक्राफ्ट मैच रैफरी रहेंगे। आईसीसी ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल के मैच अधिकारियों का ऐलान कोलकाता और मुंबई में नॉकआउट मैचों से पहले कर दिया था। गाफानी 2024 में भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल में भी अंपायर थे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड के दो मैचों और भारत के नीदरलैंड के खिलाफ मैच में अंपायरिंग की है। मुंबई में सेमीफाइनल में एड्रियन होल्डस्टॉक तीसरे अंपायर और पॉल रीफेल चौथे अंपायर होंगे। वहीं दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच ईडन गार्डन्स पर बुधवार को होने वाले पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स वार्फ मैदानी अंपायर होंगे। नितिन मेनन तीसरे अंपायर, रॉड टकर चौथे अंपायर और जवागल श्रीनाथ मैच रैफरी होंगे। इलिंगवर्थ दो साल पहले अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेमीफाइनल में भी मैदानी अंपायर थे।

खेल एक नजर

पाकिस्तान चयन समिति के सदस्य डार ने दिया इस्तीफा

लाहौर, जेएनएन। चयन समिति के सदस्य अलीम डार ने टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इस्तीफा सौंप दिया है। पीसीबी के जानकार सूत्रों ने बताया कि आईसीसी की एलीट पेनल के पूर्व अंपायर डार ने इस्तीफा दे दिया है, जिसे अभी स्वीकार नहीं किया गया है। दर और पूर्व टेस्ट खिलाड़ी असद शफीक और आकिब जावेद चयन समिति के सदस्य हैं। दर के करीबी सूत्र ने बताया कि उन्होंने इसलिए इस्तीफा दिया, क्योंकि चयन मामलों में वह मुख्य कोच माइक हेसन के अनधिकृत दखल से खफा थे। अलीम इस बात से बेहद खफा थे कि टी-20 विश्व कप में बाबर आजम और शादाब खान को जगह दिए जाने का उन्होंने विरोध किया था, क्योंकि दोनों का प्रदर्शन खराब था, लेकिन हेसन उन्हें लेने के लिए अड़े रहे। उन्होंने कहा कि दर यह देखकर हैरान थे कि कप्तान सलमान आगा या किसी चयनकर्ता ने इसका विरोध भी नहीं किया। पाक सुपर आठ चरण से ही बाहर हो गया था।

सिटी स्पोर्ट्स

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी मध्यप्रदेश की कराते टीम

भोपाल, खेप्र। शहर के दानिश कुंज स्थित गुरुकुल परिसर में मध्य प्रदेश कराते टीम (अंडर-21 एवं सीनियर महिला-पुरुष) की चयन स्पर्धा आयोजित की गई। इसी के आधार पर मप्र टीम का चयन किया गया है। चयनित टीम कराते एसोसिएशन ऑफ इंडिया (काई) के तत्वावधान में भोपाल के एलएनसीटी परिसर में 23 मार्च से आयोजित अंडर-21 सीनियर ऑल इंडिया कराते चैंपियनशिप में भाग लेगी। **अंडर-21 टीम:** धीरुव चौरसिया, कुलदीप परमार, प्रथम कोंडला, सौरभ शर्मा, अभय राज शर्मा, अश्वजीत राणा तथा तकदीर राज। **सीनियर पुरुष:** कुमिते 18 वर्ष से अधिकः देवेश सिनोरिया, जतिन चौहान, अभिषेक सिंह, अरशद खान, अरबाज, हर्ष चौहान, दीपेश सोनी। **व्यक्तिगत काता:** अरकाम खान। **महिला कुमिते:** खुशी परमार, दीपशिखा आर्य, अन्नपूर्णा झा। **सीनियर महिला कुमिते:** नेहा वर्मा, दीपशिखा, गीता दास। **व्यक्तिगत काता:** अन्नपूर्णा झा, **सीनियर:** नेहा वर्मा।

शतरंज: मध्यप्रदेश के बृजेश चौरसिया ने जीता स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। अंतरराष्ट्रीय रेटेड शतरंज खिलाडी डॉ. बृजेश कुमार चौरसिया ने अखिल भारतीय सिविल सेवा शतरंज प्रतियोगिता के वेटरन वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीडा बोर्ड भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित की गई। मप्र उच्च शिक्षा विभाग एवं सिविल सेवा के सर्वोच्च वरीयता प्राप्त बृजेश की ईएलओ रेटिंग 2137, रैपिड रेटिंग 2042 एवं ब्लिट्ज रेटिंग 2037 है। डॉ. बृजेश सक्रिय खिलाड़ियों में विश्व में 14649वीं, भारत में 466वीं, एवं एशिया महाद्वीप में 2007वीं, रैंकिंग प्राप्त शतरंज खिलाड़ी हैं। चौरसिया ने ब्रह्म सागर, रक्तिम दास, एके जगदीश, रवि प्रकाश और प्रीतम सिंह को पराजित किया। छठवें चक्र में जितेंद्र सिंह भंडारी के साथ बराबरी कर अपनी सर्वोच्चता बनाए रखी।

लॉरा वोलवार्ट को पीछे छोड़ स्मृति मंधाना वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर

दीप्ति शर्मा टॉप 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज

जेएनएन, दुबई

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की सीरीज में उम्दा प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी आईसीसी महिला वनडे अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं। स्मृति के 790 अंक हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट (782) को पछाड़ा। अपने अंतिम वनडे में शतक जड़ने वाली एलिसा हीली ने 744 अंक के साथ रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहते हुए अलविदा कहा। बेथ मूनी तीसरे, जबकि एशले गार्डनर (724) पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं। तीन मैच की सीरीज में भारत के क्लीनस्वीप के बावजूद हरमनप्रीत (652) को चार स्थान का फायदा हुआ है। गेंदबाजी सूची में दीप्ति शर्मा 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।

चार साल से शीर्ष पर रहीं सोफी को एलेना ने पछाड़ा

एलेना किंग (775) गेंदबाजी सूची में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक शीर्ष पर रहीं सोफी एकलेस्टोन को पछाड़ा। गार्डनर तीसरे स्थान पर हैं। एलेना ने साथ ही अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग अंक भी हासिल किए। एलेना के अलावा ऑस्ट्रेलिया की तीन अन्य गेंदबाज गार्डनर (तीसरे), एनाबेल सदरलैंड (पांचवें) और किम गार्थ (आठवें) भी शीर्ष आठ में शामिल हैं। वनडे ऑलराउंडर की सूची में गार्डनर (516) शीर्ष पर बरकरार हैं।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप: लक्ष्य सेन ने गत चैंपियन शी युकी को हराकर उलटफेर किया

जेएनएन, बर्मिंघम

भारत के लक्ष्य सेन ने मंगलवार को अपनी मानसिक मजबूती और शारीरिक ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियशिप के पुरुष एकल के पहले दौर में गत चैंपियन चीन के शी युकी को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। लक्ष्य ने इस मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से जीत हासिल की। उन्होंने दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी युकी को व्यक्तिगत मुकाबले में पहली बार हराया। लक्ष्य ने 2023 में एशियाई खेलों की टीम चैंपियनशिप में चीन के इस खिलाड़ी को हराया था। महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड को चीन की चेन यू फेई के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 11-21, 6-21 से हार झेलनी पड़ी। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी ने हू पेंग रोन और चेंग सू यिन की मलेशिया की जोड़ी को 21-17, 21-19 से हराया।

■ लक्ष्य ने तेज शुरुआत की और ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। उन्होंने इसे 17-12 लेकिन शी युकी जोरदार वापसी करते हुए तीन गेम प्वाइंट बचाए और 20-20 पर बराबरी हासिल कर ली। लक्ष्य ने चौथा गेम प्वाइंट भी गंवाया। चीन के खिलाड़ी ने हालांकि बैकहैंड शॉट नेट पर उलझाकर लक्ष्य को पांचवां गेम प्वाइंट दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन शी युकी ने इसे 21-19 से जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचा। निर्णायक गेम में 6-6 के स्कोर के बाद शी युकी ने कुछ देर के लिए बढ़त बनाई, लेकिन लक्ष्य ब्रेक तक 11-9 की बढ़त हासिल करने में सफल रहे। लक्ष्य ने इस बढ़त को 16-11 किया और फिर स्मैश के साथ 18-14 से आगे हो गए। लक्ष्य ने शानदार विनर के साथ 19-16 की बढ़त बनाई और फिर चार मैच प्वाइंट हासिल किए।

सिंधू वापस आई, कहा- ऑल इंग्लैंड में नहीं खेल पाऊंगी

बेंगलुरु, जेएनएन। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू खाड़ी में चल रही जंग के बाद हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगी और वह दुबई से स्वदेश लौट गई हैं। सिंधू इंग्लैंड जाने के लिए उड़ान नहीं मिल पाने के कारण दुबई में फंसी हुई थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, बेंगलुरु में अपने घर लौट गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे हैं। मैं ईश्वर की आभारी हूं कि मैं वापस अपने घर लौट आई हूं। दुबई की ग्राउंड टीम, अधिकारियों, हवाई अड्डे के कर्मचारियों, आव्रजन विभाग और उन सभी लोगों का तहेदिल से आभार, जिन्होंने इस बेहद मुश्किल समय में हमारी अच्छी देखभाल की।

महिला एशियाई कप फुटबॉल भारत का पहला मैच वियतनाम से

पर्थ, जेएनएन। भारतीय टीम बुधवार को अपने से अधिक रैंकिंग वाली वियतनाम की टीम के खिलाफ एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अभियान की शुरुआत करेगी जिसमें उसे अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का कम अनुभव भारी पड़ सकता है। भारत चार टीमों के ग्रुप में रैंकिंग के लिहाज से सबसे निचले पायदान पर है और उसने इस साल एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ग्रुप की अन्य तीन टीमें वियतनाम, जापान और चीनी ताइपे हैं। भारतीय टीम ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अक्टूबर 2025 में ईरान और नेपाल के खिलाफ खेले थे, जिसमें उसे क्रमशः 0-2 और 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बजाय तुर्की में चार सप्ताह के शिविर के दौरान क्लब टीमों के खिलाफ खेलने का विकल्प चुना। भारतीय टीम वहीं से 11 फरवरी को पर्थ पहुंचीं और उसने आस्ट्रेलिया की दो क्लब टीमों से मैत्री मैच खेले। भारत की नई कोच अमेलिया वाल्वरडे ने जनवरी में ही पदभार संभाला था।

आईपीएल: चिन्नास्वामी स्टेडियम में पांच घरेलू मुकाबले खेलेगी आरसीबी, दो मैच रायपुर में

बेंगलुरु, जेएनएन। गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल में अपने पांच घरेलू मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर और दो रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेलेगी। आरसीबी ने यह घोषणा मंगलवार को की। इससे इन अटकलों पर भी विराम लग गया कि आरसीबी को उसके घरेलू मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेलने का मौका मिलेगा या नहीं चूंकि पिछले साल टीम के खिताब जीतने के जश्न में मची भगदड़ में वहां 11 प्रशंसक मारे गए थे। उसके बाद से इस स्टेडियम पर कोई घरेलू मैच भी नहीं खेला गया है। आरसीबी ने कहा कि महीनों की कड़ी मेहनत और सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय के बाद यह संभव हो पाया है। आरसीबी कर्नाटक सरकार, कर्नाटक प्रदेश क्रिकेट संघ और कर्नाटक पुलिस की शुक्रगुजार है। जानकारी के अनुसार बीसीसीआई को भी इस मामले की जानकारी दे दी गई है और आईपीएल के कार्यक्रम की भी जल्द घोषणा होने वाली है। अब संभव है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम 28 मार्च को सीजन के पहले मुकाबले की मेज़बानी करेगा।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश छठे दौर में हमवतन अरविंद से भिड़ेंगे

प्राग, जेएनएन। टूर्नामेंट में पहली जीत का इंतजार कर रहे मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश बुधवार को प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के छठे दौर में हमवतन अरविंद चिदंबरम से भिड़ेंगे। तीन ड्रॉ और दो हार के बाद गुकेश के सिर्फ डेढ़ अंक हैं और वह लाइव विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक गए। इस विश्व चैंपियन को प्रतियोगिता में बहुत देर होने से पहले जल्दी से सामंजस्य बैठाना होगा। गुकेश को अंतिम तीन दौर में में ईरान के परहम माघसूदलू, जर्मनी के विन्सेंट केमर और स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो से भिड़ना है। अरविंद ने एकमात्र जीत अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन के खिलाफ दर्ज की है और वह भी काफी मुश्किल हालात से उबरकर। गत चैंपियन अरविंद को इस साल जूझना पड़ा है, जिससे गुकेश उनके खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार हैं। चार अंक के साथ शीर्ष पर चल रहे नीदरलैंड के जोर्डन वान फोरेस्ट ने अब तक चार बाजियां जीती हैं और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

रियाल मैड्रिड की लगातार दूसरी हार

जेएनएन, मैड्रिड

रियाल मैड्रिड की स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी हार के कारण बार्सिलोना ने अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। गेटाफे ने सैंटियागो बर्नबेउ स्टेडियम में मार्टिन सैट्रियानो के गोल की मदद से रियाल मैड्रिड को 1-0 से हराकर चौंकाने वाली जीत हासिल की। इस हार से रियाल मैड्रिड अपने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना से चार अंकों के अंतर को कम करने में असफल रहा। बार्सिलोना के अब 26 मैच में 64 अंक, जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 60 अंक हैं। एटलेटिको मैड्रिड और विलारियाल 26 मैच में 51 अंक लेकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। गेटाफे के 26 मैच में 32 अंक हैं और वह 11वें स्थान पर है। गेटाफे को रियाल मैड्रिड के खिलाफ अपने पिछले सभी आठ लीग मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। गोलकीपर डेविड सोरिया ने शुरू में कुछ शानदार बचाव करके अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

■ रियाल मैड्रिड को लगातार दो लीग मैचों में हार मिली, जो आखिरी बार मई 2019 में हुआ था। यह आल्वारो आर्बेलोआ के कोचिंग में भी पहली बार हुआ। आर्बेलोआ के कोचिंग में रियाल मैड्रिड की 12 मैचों में यह चौथी हार थी।

■ मार्टिन सैट्रियानो का गोल गेटाफे का रियाल मैड्रिड के खिलाफ 2004/05 सीजन से बाहर बॉक्स से चौथा गोल था। बर्नबेउ में ऐसा आखिरी गोल 2015 में डिएगो कास्त्रो ने किया था।

■ गेटाफे ने सैंटियागो बर्नबेउ स्टेडियम में रियाल मैड्रिड को 18 साल बाद हराया। आखिरी बार यह जीत 24 फरवरी 2008 को हुई थी।

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह ले सकता है इराक

जेनेवा, जेएनएन। विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका की पहल पर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बढ़ने के कारण तीन महीने बाद होने वाली फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का भाग लेना संदिग्ध है और ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या यूएई को दी जा सकती है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने सऊदी अरब को विश्व कप 2034 के लिए मेजबान चुना है। एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने से रोकेगी या नहीं। एशियाई फुटबॉल की महाशक्ति ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालिफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है, तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा। उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

शुरू हुआ 'सोच की गति' से भी तेज एआई का बमबारी युग

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान पर हमलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल ने युद्ध की प्रकृति को बदल दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब बमबारी 'सोच की गति' से भी तेज हो गई है। अमेरिकी सेना की एआई-आधारित युद्ध योजना की रफ्तार और पैमाने ने यह आशंका पैदा कर दी है कि कहीं मानवीय निर्णय प्रक्रिया हाशिये पर न चली जाए। एंथ्रोपिक के एआई मॉडल 'क्लाउड' का उपयोग अमेरिकी सैन्य हमलों में किया गया। यह तकनीक 'किल चेन' को छोटा करती है। यानी लक्ष्य की पहचान से लेकर कानूनी मंजूरी और हमले के आदेश तक की पूरी प्रक्रिया को बेहद तेज बना देती है। अमेरिका और इजराइल ने पहले गाजा में एआई के जरिये लक्ष्यों की पहचान की थी और ईरान पर पहले 12 घंटों में ही लगभग 900 हमले किए। इन हमलों के दौरान इजराइली मिसाइलों ने ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई को निशाना बनाया। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई जटिल सैन्य हमलों की योजना बनाने में लगने वाले समय को समेट रहा है। इस प्रक्रिया को 'डिसीजन कंप्रेशन' कहा जा रहा है। आशंका है कि मानव सैन्य और कानूनी विशेषज्ञ सिर्फ मशीन द्वारा तैयार हमले की योजना पर औपचारिक मुहर लगाने तक सीमित हो सकते हैं।

इस तरह काम कर रहा है एआई

एआई सिस्टम ड्रोन फुटेज, संचार अवरोधन और मानव खुफिया समेत विशाल डेटा का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की पहचान करता है। युद्ध-तकनीक कंपनी पालेंटियर ने एक प्रणाली विकसित की है जो मशीन लर्निंग के जरिये लक्ष्यों को प्राथमिकता देती है और हथियारों की सिफारिश करती है। यह स्वतः मूल्यांकन भी करती है। लंदन के प्रोफेसर डेविड लेस्ली ने इसे सैन्य रणनीति का 'अगला युग' बताया।

मानवीय और कानूनी चिंता

शनिवार को दक्षिणी ईरान में एक स्कूल पर हुए मिसाइल हमले में 165 लोगों की मौत हुई, जिनमें कई बच्चे शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र ने इसे 'मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन' बताया। अमेरिकी सेना ने इन रिपोर्टों की जांच की बात कही है। ईरान ने मिसाइल सिस्टम में एआई का उपयोग कर रहा है, लेकिन प्रतिबंधों के कारण अमेरिका और चीन जैसे देशों की तुलना में यह सीमित माना जाता है।

तकनीकी होड़ तेज

हालांकि अमेरिकी प्रशासन ने पहले एंथ्रोपिक को अपने सिस्टम से हटाने की बात कही थी, क्योंकि उसने अपने एआई को पूरी तरह स्वायत्त हथियारों के लिए अनुमति देने से इनकार किया था, फिर भी फिलहाल उसका उपयोग जारी है। इसी बीच ओपन एआई ने पेंटागन के साथ सैन्य उपयोग के लिए समझौता कर लिया है। रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट की शोधकर्ता प्रेरणा जोशी के अनुसार, 'एआई का इस्तेमाल रक्षा तंत्र के हर हिस्से में बढ़ रहा है, लॉजिस्टिक्स, प्रशिक्षण, निर्णय प्रबंधन और रखरखाव तक। यह डेटा को तेजी से समेटकर निर्णयकर्ताओं की दक्षता बढ़ाता है।'

6452 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुआ है 'एपिक फ्यूरी' के पहले 24 घंटों में

ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यह अभियान 'चार से पांच सप्ताह' तक चल सकता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इससे भी लंबा खिंच सकता है।

पहले 24 घंटे का खर्च

779 मिलियन डॉलर यानी करीब 6452 करोड़ रुपए खर्च कर दिए अमेरिका ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के पहले 24 घंटों में। तुर्की की अनादोलू एजेंसी के अनुसार।

630 मिलियन डॉलर यानी 5807 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च किया गया हमले से पहले। इसमें विमान व जहाजों की तैनाती, क्षेत्रीय संसाधनों शामिल हैं।

271.34 मिलियन डॉलर करीब 2500 करोड़ रुपए का खर्च आंका गया था 2025-26 के अमेरिकी रक्षा बजट अनुमानों में इन लड़ाकू विमानों की उड़ानों, रखरखाव पर

नौसैनिक मौजूदगी की कीमत
6.5 मिलियन डॉलर यानी 61 करोड़ रुपए प्रतिदिन का खर्च आता है यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे एक एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक समूह के संचालन में। ईरान में कई स्ट्राइक समूह हफ्तों तक के लिए तैनात हैं।

पिछले युद्ध से सबक

1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च हुआ केवल रक्षा विभाग के संचालन पर अफगानिस्तान युद्ध के दौरान। 20 साल में खरबों डॉलर खर्च किए अमेरिका ने

2 ट्रिलियन डॉलर अतिरिक्त खर्च करने होंगे अमेरिका को इराक अफगान युद्ध के पूर्व सैनिकों की भविष्य की चिकित्सा और विकलांगता देखभाल पर 2050 तक

2.3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है कुल युद्ध लागत पुनर्निर्माण, ब्याज भुगतान, सैनिकों की चिकित्सा देखभाल जोड़ने पर

33 अरब डॉलर खर्च कर चुका है अमेरिका 7 अक्टूबर 2023 के बाद इजराइल से जुड़े सैन्य अभियानों पर

ईरान के नतांज परमाणु परिसर को नुकसान

ईरान के नतांज परमाणु परिसन के भीतर तीन इमारतों पर हमले के निशान दिखाई देते हैं। विश्लेषण के अनुसार, ये इमारतें भूमिगत ईंधन संवर्धन केंद्र के कर्मियों और वाहनों के प्रवेश द्वार से जुड़ी थीं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने भी इसी तरह का आकलन करते हुए कहा है कि 'किसी प्रकार के रेडियोलॉजिकल प्रभाव की आशंका नहीं है।' ताजा तस्वीरों में पिछले साल चलाए गए अमेरिका के 'मिडनाइट हैमर' अभियान के दौरान हुए हवाई हमलों से हुई क्षति भी दिखाई देती है, जब कई ईरानी परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

3 भारतीय नाविकों की मौत, एडवाइजरी जारी

तनाव के बीच 3 भारतीय नाविकों की मौत और एक के घायल होने के बाद भारत के नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। पश्चिम एशिया क्षेत्र में विदेशी झंडे वाले जहाजों पर तैनात तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई है, एक घायल है। ये मौतें क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन गतिविधियों, इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप और समुद्री सुरक्षा से जुड़े अन्य खतरों के कारण हुई हैं। डीजीएस ने प्रत्येक यात्रा से पहले मार्ग-विशिष्ट जोखिम मूल्यांकन करने को कहा गया है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए हैं। ओमान के तट के पास मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले एक जहाज पर हुए हमले में भी एक भारतीय की मौत की पुष्टि हुई है।

संक्षिप्त समाचार

हास्पिटल के आईसीयू में सोते नजर आए डाक्टर

अहमदाबाद, जेएनएन। अहमदाबाद के एलजी हास्पिटल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ रेजिडेंट डॉक्टर आईसीयू वार्ड के बेड पर आराम करते या सोते हुए नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो शनिवार रात का है। वीडियो सामने आते ही लोगों ने अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। एलजी अस्पताल को अहमदाबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन चलाता है। वीडियो वायरल होने के बाद एएमसी ने तुरंत जांच के आदेश दे दिए। अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट को मामले की जांच सौंपी गई है> जानकारी के मुताबिक, वीएस हास्पिटल में बेड की कमी के कारण कई मरीजों को एलजी अस्पताल भेजा जाता है। लेकिन एलजी अस्पताल का आईसीयू भी अक्सर फुल रहता है। ऐसे में मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर करने की नौबत आ जाती है। इसी दबाव के बीच यह वीडियो सामने आया है।

थाईलैंड में हुई अनोखी शादी: एक दुल्हन दो दूल्हे!

नई दिल्ली, जेएनएन। सोशल मीडिया की दुनिया में कब कौन सी खबर सुर्खियां बटोर ले, कहना मुश्किल है। कभी अनोखे डांस वीडियो वायरल होते हैं तो कभी अजीबोगरीब शादियां इंटरनेट पर छा जाती हैं। इस बार चर्चा में है थाईलैंड की एक ऐसी शादी, जिसने लोगों को हैरान भी किया और मुस्कुराने पर भी मजबूर कर दिया। एक 37 साल की महिला ने एक ही मंडप में दो दूल्हों से शादी कर ली। वो भी दोनों दूल्हे आपस में गहरे दोस्त हैं। जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे सच्चा प्यार बता रहा है तो कोई इसे '2026 की सबसे अनोखी वेडिंग' कह रहा है। अपने पहले विवाह के बाद उन्होंने काफी संघर्ष किया। सालों तक उन्होंने अपने बच्चों और माता-पिता की जिम्मेदारी अकेले निभाई। शादी का फैसला लेने से पहले उन्होंने अपने बच्चों और माता-पिता से खुलकर बात की। हैरानी की बात यह रही कि परिवार ने इस रिश्ते को मंजूरी दे दी। परिवार का कहना था कि दोनों पुरुष लंबे समय से घर का ख्याल रख रहे थे और जिम्मेदारी निभा रहे थे।

भूकंप के झटके परमाणु परीक्षण की आशंका

तेहरान, जेएनएन। अमेरिका-इजरायल से जंग के बीच ईरान में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया है। ये भूकंप ईरान के गराश इलाके में आया है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 थी. भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। गराश दक्षिणी ईरान में लारेस्तान क्षेत्र के हिस्से में आता है। ईरान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंपीय सक्रिय देशों में से एक है, क्योंकि यहां अरेबियन प्लेट और यूरेशियन की टक्कर से जाग्रोस फोल्ड थ्रस्ट बेल्ट बना हुआ है। हालांकि युद्ध के बीच आए इस भूकंप को एक्सपर्ट शक की नजरों से देख रहे हैं। माना जाता है कि ईरान अपनी न्यूक्लियर ताकत का प्रदर्शन करने के लिए परमाणु परीक्षण कर सकता है। माना जा रहा है कि ईरान परमाणु परीक्षा किया होगा जिससे भूकंप जैसे झटके महसूस किए गए। जंग की स्थिति इस भूकंप को और भी संदेहपूर्ण बना देती है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट में 4.5 रिक्टर स्केल से ऊपर की तीव्रता का भूकंप पैदा होता है।

होली उत्सव के कारण भारतीय शेयर बाजार में रहा अवकाश

प. एशिया में तनाव से दुनियाभर के बाजारों में गिरावट, क्रूड आईल चढ़ा

मुंबई, जेएनएन। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर एशियाई शेयर बाजारों पर साफ दिखा। 3 मार्च को एशिया में ज्यादातर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि होली के कारण भारतीय शेयर बाजार बंद रहे। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है। निवेशक जोखिम वाले एसेट से दूरी बना रहे हैं और सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। यदि हालात लंबे समय तक बिगड़े रहे, तो इसका असर केवल शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि महंगाई और वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर भी पड़ सकता है।

कच्चे तेल में उछाल: युद्ध के खतरे से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। कच्चा तेल मंगलवार को 3 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। इससे पहले एक दिन में 10 फीसदी की तेजी आई थी। यानी दो दिनों में कुल 13 फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव और बढ़ा तो तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है। इसका सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ सकता है। अनुमान है कि दिल्ली में पेट्रोल 95 से बढ़कर 100 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88 से 92 रुपए तक पहुंच सकता है।

पाकिस्तान बाजार में भारी गिरावट

2 मार्च को पाकिस्तान के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। केएसई 30 9.73 फीसदी गिरकर 46,326 पर बंद हुआ। भारी बिकवाली के कारण 45 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी और लोअर सर्किट लग गया।

एशियाई बाजारों की स्थिति

- दक्षिण कोरिया का कोस्पाइई 7.24 फीसदी गिरकर 5,791 पर बंद हुआ।
- जापान का निक्केई 225 3.06 फीसदी फीसदी टूटकर 56,279 पर आ गया।
- चीन का शंघाई कंपोजिट 1.43 फीसदी गिरकर 4,122 पर बंद हुआ।
- हांगकांग का हांग सेंग इंडेक्स 1.12 फीसदी नीचे 25,768 पर रहा।
- पाकिस्तान का कराची स्टॉक एक्सचेंज 30 4.27 फीसदी चढ़कर 48,302 पर बंद हुआ।

अमेरिकी बाजारों में मिला-जुला कारोबार

- 2 मार्च को अमेरिका में कारोबार मिश्रित रहा।
- नेस्डेक 0.36 फीसदी बढ़ा।
- डाऊ जोंस 0.15 फीसदी गिरा।
- एसएंडपी 500 में 0.04 फीसदी की मामूली बढ़त देखी गई।

बॉयफ्रेंड संग मिलकर की लिव इन पार्टनर की हत्या

बेंगलुरु, जेएनएन। कन्नड़ एक्ट्रेस उर्मिला उर्फ बिंदु ने बेंगलुरु के मंजनाथनगर में एक चौंकाने वाली घटना को अंजाम दिया है। ट्रायंगल मर्डर के इस मामले में एक्ट्रेस ने अपने पार्टनर से शादी करने के बजाय दूसरे शख्स से शादी करने का फैसला किया और इसके बाद एक साजिश के तहत उसके पार्टनर की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में एक उर्मिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान मोहन राव के रूप में हुई है. यह मर्डर 18 फरवरी को हुई थी। उर्मिला उर्फ बिंदु ने 'बजरंगी', 'पुलिस क्वार्टर्स' और 'कालभैरव' जैसी कन्नड़ फिल्मों में छोटे-छोटे रोल किए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक मोहन राव एक छोटे लेवेल के फाइनेंस बिजनेस से जुड़े थे। अपनी पत्नी से अलग होने के बाद बिंदु के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। बिंदु भी अपने पति के साथ नहीं रह रही थीं। बताया जा रहा है कि दम घुटने और चोटों की वजह से मोहन की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। करीब 12 दिन बाद पड़ोसियों को घर से बदबू आई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पाकिस्तान पर तालिबान का प्रचंड वार

डूरंड लाइन पर दो और पोस्ट कब्जाए, जंग तेज

लाहौर, जेएनएन। पाकिस्तान को अफगानिस्तान-तालिबान ने एक और झटका दे दिया है। तालिबान ने डूरंड लाइन पर दो पोस्टों पर कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान की सेनाओं ने कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डक और शोराबक जिलों में काल्पनिक डूरंड लाइन के पास पाकिस्तानी मिलिट्री पोस्ट पर कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के डिप्टी स्पोक्सपर्सन सेदिकुल्लाह नुसरत ने कहा कि अफगान सेना ने अब तक पाकिस्तान के मिलिट्री शासन की आठ सिक्योरिटी पोस्ट पर कब्जा कर लिया है। उनके मुताबिक, कंधार में पांच, खोस्त में दो और जाबुल में एक पोस्ट पर कब्जा किया गया और झड़पें अभी भी जारी हैं। पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच तनाव तब और बढ़ गया, जब तालिबान सेनाओं ने नूर खान एयर बेस पर कमांड और कंट्रोल सेंटर को निशाना बनाकर हथियारों से लैस ड्रोन हमले किए।

सीमेंट सूखा नहीं और तबाह हुआ नूर बेस

इस्लामाबाद/ काबुल, जेएनएन। पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण नूर खान एयरबेस की हालत इस समय बहुत खराब हो गई है। सोशल मीडिया पर इसका मजाक उड़ाया जा रहा है कि अभी इसका सीमेंट भी सूखा नहीं था कि अफगानी तालिबान ने फिर इसे तबाह कर दिया है। यह मजाक इसलिए बन रहा है क्योंकि मई 2025 में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर सटीक हमले किए थे। तब नूर खान एयरबेस को भी निशाना बनाया था। पाकिस्तान की सेना दिन-रात मेहनत करके उसे ठीक कर रही थी।

सरकार का चुप रहना, जिम्मेदारी से पीछे हटना, बोली सोनिया गांधी

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। एक अखबार में पब्लिश आर्टिकल में उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सरकार ने न तो हत्या की निंदा की न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी।

किसी देश प्रमुख की हत्या पर पीएम को बोलना चाहिए: राहुल

अमेरिका-इसराइल-ईरान संघर्ष के बीच राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा है कि क्या वे किसी देश के प्रमुख की हत्या को विश्व व्यवस्था तय करने का तरीका मानते हैं। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी को इस पर बोलना चाहिए और जवाब देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एकतरफा हमलों की निंदा की है और कहा कि ईरान पर हमले तथा ईरान के अन्य मध्य पूर्व देशों पर हमलों की निंदा होनी चाहिए।

4000 करोड़ की 'रामायण' में 400 की बिग

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म रामायण के चलते खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। नितेश तिवारी की ये बिग बजट फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है और बड़ी बात ये है इस फिल्म की तैयारियां पिछले काफी वक्त से चल रही है और अब हाल ही में फिल्म से रणबीर कपूर का लुक सामने आया है, जिसके बाद तो मानो इंटरनेट ने फजीहत ही कर दी है। दरअसल रणबीर कपूर नितेश तिवारी की रामायण में प्रभु श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के एक छोटे से टीजर की झलक तो हम और आप देख ही चुके हैं। फिल्म के टीजर के बाद अब इस फिल्म से रिवील होने वाले लुक्स का इंतजार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि फिल्म में रणबीर कपूर के ऊपर काफी मेहनत की गई है। वहीं श्रीराम के लुक में रणबीर कैसे दिखेंगे, इस पर भी काफी रिसर्च की गई है, लेकिन हाल ही में रणबीर कपूर कुछ तस्वीरें वायरल हुई तो इंटरनेट यूजर्स काफी खफा हो गये हैं। दरअसल रेडिट पर रणबीर कपूर की कुछ तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें फिल्म रामायण का लीक लुक बताया जा रहा है। असल में ये तस्वीरें जूम द्वारा शेयर की गईं, जो रेडिट पर अब वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस छिड़ गई है। रणबीर की जो तस्वीरें वायरल हो रही है, वो फिल्म के सेट की हैं। जहां रणबीर सेट पर नजर आ रहे हैं। लीक हुई तस्वीरों में रणबीर कपूर ने केसरिया रंग की धोती पहनी है और जनेऊ धारण किया हुआ है। उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा खुला है जिसे उन्होंने एक काले रंग के केप से ढका हुआ है। रणबीर के इस लुक को देखकर काफी नाराज हैं और फिल्म की तुलना प्रभास की फ्लॉप फिल्म आदिपुरुष से कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि मेकर्स ने आदिपुरुष की असफलता से कोई सबक नहीं सीखा है। एक यूजर ने फिल्म के भारी-भरकम बजट पर तंज कसते हुए लिखा, फिल्म का बजट 400 मिलियन डॉलर बताया जा रहा है, और क्या ये लोग एक अच्छी दिखने वाली विग भी नहीं ला सके?

मोदी ने ओमान-कुवैत और कतर के नेताओं से की बात

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में लगातार बिगड़ते हालात के बीच भारत की चिंता भी बढ़ी है और इस लिहाज से कूटनीतिक सक्रियता भी तेज होती दिख रही है। मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी ने खाड़ी क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण नेताओं, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारीक और कुवैत के क्राउन प्रिंस सबाह अल खालेद अल हामेत से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों वार्ताओं के दौरान प्रधानमंत्री ने संबंधित देशों में हुए हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की और वहां रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा एवं कुशलक्षेम पर विस्तार से चर्चा की। पिछले तीन दिनों में प्रधानमंत्री इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और बहरीन के शीर्ष नेतृत्व से भी बातचीत कर चुके हैं। इसी बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया संकट पर एक विस्तृत बयान जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि इस क्षेत्र में रहने वाले एक करोड़ भारतीय नागरिक सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।भारत ने बिगड़ते हालात पर गहरी चिंता जताते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव न बढ़ाने तथा नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

रिपोर्ट — मिसाइल फैक्ट्रियां 24 घंटे काम कर रहीं, उत्पादन में लगे हैं 50000 लोग

ईरान बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन में कर सकता बढ़ोतरी

नई दिल्ली, जेनएन। रिपोर्ट्स आ रही हैं कि इस युद्ध बेला में ईरान की मिसाइल बनाने की गति भी तेज हो गई है। ईरान के मिसाइल कार्यक्रम को लेकर हाल ही में कई अहम रिपोर्ट्स कहती हैं कि ईरान की मिसाइल उत्पादन दर स्थिर नहीं है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस तरह की मिसाइल बना रहा है, ये शॉर्ट-रेंज है या मीडियम-रेंज। मार्च 2026 में किए गए एक खुफिया आकलन के अनुसार, ईरान प्रति माह दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने की क्षमता रखता है। जून 2025 के युद्ध के बाद ईरान ने अपनी उत्पादन गति को और तेज किया है। इस हिसाब से ये कहा जा सकता है कि ईरान औसतन 1 से 2 मिसाइल रोज बना रहा है। हालांकि युद्ध जैसी स्थितियों में ईरान अपनी असेंबली लाइनों को और तेज कर सकता है।

2027 तक ईरान भंडार में होंगी 8000 मिसाइलें

2026 की रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान ने 2027 तक अपने भंडार को 8,000 मिसाइलों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। एक मिसाइल को तैयार होने में लगने वाला समय उसके ईंधन के प्रकार पर निर्भर करता है। हालांकि ये रिपोर्ट ये भी कहती है कि मार्च 2026 तक ईरान के स्टोरेज में अनुमानित तौर पर 2500-3000 मिसाइलें थीं। ईरान ने जमीन के नीचे सैकड़ों फीट गहरे मिसाइल शहरों में अपनी असेंबली लाइनें बना रखी हैं।

300 से 300 किमी रेंज की मिसाइलें

ईरान के पास 300 किमी से लेकर 3000 किलोमीटर तक रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें हैं तो मीडियम रेंज वाली मिसाइलें भी, जिनकी रेंज 1500-2000 किमी है। कुछ को हाइपरसोनिक या मैन्युवरिंग वारहेड वाली बताया जाता है। उसके पास क्रूज मिसाइलें भी हैं, जो ज़मीन के बहुत करीब उड़ती हैं और ट्रैजेक्टरी को बदल सकती हैं। इनकी रेंज लगभग 3000 किमी तक बताई जाती है। ईरान ने अपनी सभी घरेलू बैलिस्टिक मिसाइलों को पूरी तरह अपग्रेड कर लिया है, जिसमें सटीकता, रेंज और सॉलिड फ्यूल तकनीक में सुधार शामिल है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, उनकी मिसाइल फैक्टरियां 24 घंटे काम कर रही हैं, उत्पादन लाइनें लगातार चल रही हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक़ ईरान ने अब न केवल संख्या बढ़ाई है बल्कि गुणवत्ता भी बढ़ाई है, जिससे उसकी मिसाइल-उत्पादन क्षमता सामरिक रूप से बहुत अधिक प्रभावी हो गई है।

एआईओ का करती है नेतृत्व

ईरान के मिसाइल कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य रूप से दो संगठन करते हैं एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज आर्गनाइजेशन एआईओ रक्षा मंत्रालय के अधीन है, वहीं इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ईरान की सबसे शक्तिशाली सैन्य शाखा है, जो अपनी सेल्फ-सफिशिएंसी जिहाद ऑर्गनाइजेशन के जरिए रिसर्च और डेवलपमेंट को संभालती है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/-
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG
RATE 450/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

ब्रजधाम हवेली में 40 दिवसीय होली उत्सव का समापन

जागरण, खरगोन। ब्रजधाम हवेली में ब्रज की तर्ज पर मनाया जा रहा 40 दिवसीय होली उत्सव संपन्न हो गया। इस अवसर पर 600 से अधिक वैष्णवों ने ठाकुरजी के साथ सखा भाव से होली खेली और रसिया भक्ति गीतों पर नृत्य किया। यह उत्सव बसंत पंचमी से शुरू होकर पूर्णिमा पर समाप्त हुआ।चंद्र ग्रहण के सूतक काल से पहले दोपहर में हर्बल रंगों से होली खेली गई। भक्तों का मानना था कि इस दौरान पूजन के बजाय होली खेलना उचित था।

मप्र क्रिकेट लीग के लिए पहली बार प्लेयर्स की नीलामी

जागरण, इंदौर। मध्य प्रदेश क्रिकेट लीग (एमपीसीएल) का तीसरा सत्र इस बार और भी रोमांचक होने जा रहा है। पहली बार लीग में खिलाड़ियों की आईपीएल की तर्ज पर नीलामी होगी, जहां फ्रेंचाइजी टीमें अपनी पसंद के क्रिकेटरों को बोली लगाकर खरीदेंगी। इससे खिलाड़ियों पर 'धन वर्षा' होने की उम्मीद है और प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलेगा। लीग के वर्तमान अध्यक्ष महानआर्यमन सिंधिया द्वारा शुरू प्रतियोगिता के पिछले दो सत्र सफल रहे।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अनिल अग्रवाल
वेदांता ग्रुप

भारत अपनी जरूरत का 90 प्रतिशत कच्चा तेल और 66 प्रति. एलपीजी आयात करता है। इसके अलावा, 50 प्रति. एलएनजी भी विदेशों से आती है। तेल और गैस का कुल आयात बिल सालाना लगभग 176 बिलियन डॉलर है, जबकि सोने का आयात 65 बिलियन डॉलर के करीब है। भारत को अब प्राकृतिक संसाधनों के खनन को राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित कर देना चाहिए, ताकि आयात पर निर्भरता खत्म हो और देश सही मायनों में आत्मनिर्भर बन सके।

डेंगू से तेज बढ़ रहे चिकनगुनिया के मरीज पिछले साल 7452 संदिग्ध मामले मिले

इस साल सिर्फ दो महीने में 5.5 फीसदी की दर से बढ़ रहे मामले, सर्दी कम होते ही मच्छर जनित बीमारियों का बढ़ा प्रकोप

नगर संवाददाता, भोपाल। फरवरी से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। इसमें सर्दी कम हुई है और दिन में तापमान बढ़ने से गर्मी का स्तर बढ़ा है। तापमान बढ़ने से मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ गया है। डेंगू व चिकनगुनिया के मामलों में तेजी देखी जा रही है। बीते दो महीनों की बात करें तो डेंगू से ज्यादा चिकनगुनिया के केस दर्ज किए गए हैं। यह स्थिति न सिर्फ भोपाल में है, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में ऐसे ही आंकड़े आ रहे हैं। इतना ही नहीं चिकनगुनिया के मरीज सिर्फ इस साल नहीं बढ़े हैं, बल्कि यह वर्ष 2025 में भी डेंगू से ज्यादा थे। बीते दो महीने यानि जनवरी और फरवरी की बात करें तो भोपाल में डेंगू के दस और चिकनगुनिया के पांच मामले सामने आ चुके हैं। डेंगू का पॉजिटिविटी रेट 2.7 प्रतिशत रहा, जबकि चिकनगुनिया का रेट करीब 5.5 प्रतिशत है। भोपाल के जिला मलेरिया कार्यालय के मुताबिक, जनवरी में डेंगू के 257 सैंपल टेस्ट किए गए, जिनमें से सात पॉजिटिव आए। फरवरी में 113 टेस्ट हुए और तीन पॉजिटिव आए। चिकनगुनिया के जनवरी में 72 सैंपल टेस्ट किए गए,

जिनमें से तीन पॉजिटिव आए, और फरवरी में 29 सैंपल की जांच की गई, जिनमें से दो पॉजिटिव कन्फर्म हुए।

2025 में ऐसी थी चिकनगुनिया की स्थिति: नेशनल वेक्टर बोर्न डिसीज की वेबसाइट के मुताबिक वर्ष 2025 में चिकनगुनिया के मामले बहुत ज्यादा है। सभी जिला कार्यालयों द्वारा लिए गए सैंपलों में 7452 मामलों को संदिग्ध मानकर रिपोर्ट किया गया था। जबकि इनमें से 301 मामलों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई थी। इसी वर्ष बात करें डेंगू के मामलों की तो यह संख्या अपेक्षा में बहुत कम थी।

एडीज मच्छर से होती हैं दोनों बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक डेंगू व चिकनगुनिया एक वायरल इंफेक्शन है जो एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता है। इससे आमतौर पर तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होता है, और गंभीर मामलों में डेंगू हेमोरेजिक फीवर जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। चिकनगुनिया भी एडीज मच्छरों से फैलता है। इसमें अचानक बुखार और जोड़ों में तेज दर्द होता है जो हफ्तों तक रह सकता है।

अधिकारी बोले, यह चिंताजनक

डेंगू व चिकनगुनिया बीमारियां बार-बार होने वाली पब्लिक हेल्थ चुनौतियां बन गई हैं, खासकर मानसून और मानसून के बाद के मौसम में जब मच्छरों की ब्रीडिंग सबसे ज्यादा होती है। अधिकारियों ने कहा कि जनवरी और फरवरी में मामलों का पता चलना इन इन्फेक्शन की मजबूती और साल भर सावधानी बरतने की जरूरत को दिखाता है। हालांकि, पीक ट्रांसमिशन पीरियड की तुलना में संख्याएं सीमित हैं, लेकिन पॉजिटिव मामलों का होना यह दिखाता है कि शहर में ब्रीडिंग साइट्स और ट्रांसमिशन पॉकेट्स अभी भी मौजूद हैं। स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ जमा पानी हटाने, मच्छर भगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल करने और बुखार के मामलों की जल्दी टेस्टिंग कराने की सलाह देते हैं। अधिकारी ने कहा कि आने वाले महीनों में तापमान बढ़ने पर हेल्थ डिपार्टमेंट निगरानी बढ़ाएगा, जब मच्छरों की एक्टिविटी आम तौर पर बढ़ जाती है।

भोपाल में डेंगू के 200 से ज्यादा केस

भोपाल के मलेरिया कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार वर्ष 2025 में डेंगू के कुल 200 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या 90 के आस पास है। दोनों बीमारियों को रोकने के लिए डेंगू लार्वा सर्वे कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में एक बार फिर तेजी लाई जाएगी।

इनका कहना

हमारा मैदानी अमला लगातार डेंगू नियंत्रण प्रोग्राम चला रहा है। मरीज मिलने पर सरकारी अस्पताल में इलाज की पूरी सुविधा है।

- डॉ. मनीष शर्मा
सीएमएचओ भोपाल

रील बनाने का अड्डा बना प्रदेश का सबसे लंबा फ्लाईओवर

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर स्थित मप्र के सबसे बड़े फ्लाईओवर पर रील और जश्न मनाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मप्र का सबसे बड़ा फ्लाईओवर रील बनाने का अड्डा बन गया है। ताजा मामले में एक युवती अपने साथियों के साथ फ्लाईओवर के बीचों-बीच नियमों को ताक पर रखकर जन्मदिन सेलिब्रेट करती नजर आई। वायरल वीडियो में युवती और उसके साथी फ्लाईओवर पर केक काटते और जमकर आतिशबाजी करते दिखाई दे रहे हैं। नियमों को ताक पर रखकर की जा रही इस तरह की गतिविधियों से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। फ्लाईओवर पर वीडियो और रील बनाने पर पुलिस पहले ही प्रतिबंध लगा चुकी है। इसके बावजूद यहां कई बार युवक-युवतियां वीडियो शूट करते और स्टंट करते नजर आ चुके हैं। यह वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस ने इस पर स्वतः संज्ञान लिया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की पुष्टि करने के बाद ही संबंधित के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले ब्रिज के युवक-युवतियों के हुड़दंग करते वीडियो सामने आए हैं।

जबलपुर में युवतियों के डांस का वीडियो वायरल, मनाया जन्मदिन

संक्षिप्त खबरें

उज्जैन में तालाब में नहाने गए दो नाबालिगों की डूबने से मौत

जागरण, उज्जैन। प्रदेश में उज्जैन के नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम राघौ पिपलिया में तालाब में नहाने गए दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि रितेश राजोरिया तथा रोहित डोरिया दोनों निवासी ग्राम राघौ पिपलिया गांव में स्थित तालाब में नहाने गए थे। गहरे पानी में जाने से दोनों किशोर की डूबने से मौत हो गई। तालाब के बाहर खड़े एक अन्य किशोर ने दोनों को डूबते हुए देखा था, उसने ग्रामीणों को किशोरों के डूबने की सूचना दी। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों नाबालिग को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए थे। यहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

पन्ना में तेज रफ्तार बाइक फिसली, दो युवकों की मौत

जागरण, पन्ना। जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनौजा के पास ठाकुर बाबा मोड़ पर मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फिसलकर 100 फीट दूर जा गिरी, जिससे उस पर सवार दो युवकों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बाइक सवार युवक बृजपुर से पहाड़ीखेड़ा जा रहे थे। ठाकुर बाबा मोड़ पर अत्यधिक गति के कारण चालक ने बाइक से नियंत्रण खो दिया और हादसा हो गया। मृतकों में से एक की पहचान कृष्ण कुमार गोंड के रूप में हुई है, जो ग्राम रखैल का रहने वाला था। दूसरे मृतक की शिनाख्त के प्रयास पुलिस द्वारा किए जा रहे हैं। पुलिस ने घटनास्थल पहुंच मामले की जांच शुरू कर दी है।

राशन नहीं मिलने पर ग्रामीणों का जल सत्याग्रह, पानी में उतरे जिपं के सीईओ

सतना के उचहेरा में तीन महीने से नहीं मिला ग्रामीणों को खाद्यान्न

जागरण, सतना। तीन महीने से राशन नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने जिले की उचेहरा तहसील में होली पर जल सत्याग्रह किया। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक का खाद्यान्न नहीं मिला है। आंदोलन की सूचना मिलते ही जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह, एसडीएम सुमेश द्विवेदी और महिला बाल विकास के परियोजना अधिकारी रविकांत शर्मा सहित कई अफसर मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण कोटेदार पर कार्रवाई और तत्काल राशन वितरण की मांग पर अड़े रहे। स्थिति को शांत करने के लिए जिपं सीईओ शैलेंद्र सिंह पानी में उतरे। उन्होंने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जल सत्याग्रह समाप्त हुआ। मामला उचेहरा ब्लॉक में खाद्यान्न वितरण में अनियमितता से जुड़ा है। दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच राशन न मिलने पर हितग्राहियों ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उचेहरा के एसडीएम ने एक जांच टीम गठित की। जांच में 26 उचित मूल्य दुकानों में भारी अनियमितता सामने आई। जांच दल को रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर मिला। कुल 3 करोड़ 1 लाख 68 हजार 884 रुपए का खाद्यान्न स्टॉक में नहीं पाया गया। इसमें 4897 क्विंटल गेहूं, 4132 क्विंटल चावल, 44 क्विंटल नमक और 28 क्विंटल शक्कर शामिल थी, जो गरीब परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित की जानी थी। एसडीएम ने 22 फरवरी को सभी 26 दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उनसे वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, दोषी विक्रेताओं के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज करने पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया है। हितग्राही दिसंबर 2025 से दुकान के चक्कर काट रहे थे, लेकिन उन्हें राशन नहीं मिला। विक्रेताओं ने स्टॉक नहीं आया या सर्वर बंद है जैसे बहाने बनाकर लौटाया। जब लगातार तीन महीने तक राशन नहीं मिला, तब परेशान होकर लोगों ने सीएम हेल्पलाइन का सहारा लिया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारी हरकत में आए।

अभी भी 12 दुकान के हितग्राही भटक रहे

जांच शुरू होते ही कुछ दुकानों में आनन-फानन में वितरण प्रारंभ कर दिया गया, लेकिन अब भी उचेहरा ब्लॉक की 12 दुकानों में दिसंबर से खाद्यान्न का वितरण नहीं हुआ है। इनमें आलमपुर, पिपरिया, परसमनिया, पटिहट, रामपुर पाठा, धनेह, पिथौराबाद, अटरा, ननदहा, पोड़ी, गठौत और तुषगवां शामिल हैं।

रिश्वत लेते पकड़ाया असि. इंजीनियर 11 साल बाद बर्खास्त, कोर्ट ने सुनाई थी 5 साल की कैद

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए जल संसाधन विभाग के तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) अरविंद कुमार गुप्ता को बर्खास्त कर दिया गया है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने और कोर्ट द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद राज्य शासन ने यह बड़ी कार्रवाई की है। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, अरविंद कुमार गुप्ता छतरपुर जिले के बड़ा मलहरा में जल संसाधन उपसंभाग में पदस्थ थे। उनके खिलाफ 2015 में लोकायुक्त भोपाल ने एफआईआर दर्ज की थी। गुप्ता को लोकायुक्त टीम ने 5000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था।

न्यायालय ने सजा के अलावा जुर्माना भी ठोका

इस मामले में विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) सागर ने 30 सितंबर 2022 को फैसला सुनाया था। अदालत ने अरविंद कुमार गुप्ता को धारा 7, 13(1)(डी) और 13(2) के तहत दोषी पाते हुए 5 साल के सश्रम कारावास और 25,000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस मामले में जल संसाधन विभाग ने आरोपी अधिकारी को मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम के तहत बर्खास्त करने का फैसला लिया था। चूंकि अरविंद कुमार गुप्ता राजपत्रित अधिकारी के पद पर थे, इसलिए इस पर मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग से भी अभिमत मांगा गया था। आयोग की सहमति के बाद अरविंद कुमार गुप्ता की सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया गया है। 11 साल पुराने इस मामले में जल संसाधन विभाग ने आदेश जारी कर इसकी जानकारी लोकायुक्त पुलिस को भी भेजी है।

किसान के घर की दीवार में सेंध लगाकर चोर ले गए जेवर और नकदी

जागरण, डिंडौरी। जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गन्नागुड़ा में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक किसान के घर की दीवार में सेंध लगाकर सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी पार कर दी। प्रारंभिक तौर पर पीड़ित द्वारा चोरी की वारदात में लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी किए जाने की बात बताई जा रही है। घटना की सूचना लगते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच प्रारंभ की। पुलिस ने बताया कि गन्नागुड़ा निवासी किसान राम प्रसाद मरपाची के आमने-सामने दो घर हैं। एक घर में वे और उनका परिवार रहता है और दूसरे मकान में सामग्री रखी हुई है। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात अज्ञात चोर खिड़की के पास की दीवार काटकर अंदर घुस गए और पेटी में रखे सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए।

कर्ज के चलते मुनीम ने रची ज्वेलर्स के 12 लाख के सोने की झूठी लूट की साजिश

जागरण, नीमच। शहर में मंगलम ज्वेलर्स के मुनीम दिलखुश नागदा के साथ लूट का दिलचस्प मामला सामने आया है। जिसका पुलिस ने चंद घंटों में पर्दाफाश कर दिया। दरअसल लालच के चलते मुनीम ने 12 लाख रुपए के सोने की झूठी लूट की कहानी रची और बकायदा मुनीम ने उस साजिश को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार ज्वेलर्स के संचालक मनीष सिंहल ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका मुनीम स्वास्तिक बुलियन से 65 ग्राम शुद्ध सोना लेकर लौट रहा था। बदमाशों ने डॉ. फजल रहमान की गली में उससे मारपीट कर चाकू की नोक पर सोना लूट लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अंकित जायसवाल के निर्देश पर केंट पुलिस और सायबर सेल सक्रिय हुई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुनीम से कड़ाई से पूछताछ की। इस दौरान उसके बयानों में विरोधाभास सामने आया। जांच के दौरान पुलिस ने वह स्थान ढूंढ निकाला, जहां मुनीम ने सोने की थैली को काली टेप से लपेटकर पत्थर के पीछे छिपाया था। पुलिस टीम ने असली सोना वहां से निकाल लिया और उसकी जगह पत्थर भरकर वापस उसी स्थान पर रख दिया।

सिवनी के तिहरे हत्या कांड में चार को उम्रकैद

लड़की के मोबाइल से मैसेज भेज जंगल बुलाकर पेट्रोल डालकर जलाया था

जागरण, सिवनी। प्रदेश के सिवनी में कुरई थाना अंतर्गत धोबीटोला माल (पीपरवानी) जंगल में 11 साल पहले 8 जनवरी 2015 की रात बोलेरो वाहन सहित इसमें सवार तीन व्यक्तियों को जिंदा जलाने के हृदयविदारक व सनसनीखेज तिहरे हत्याकांड के चार दोषियों को सिवनी जिला न्यायालय ने उम्रकैद व अर्थदंड से दंडित किया है। दोषियों में सगे भाइयों के अलावा अन्य दो शामिल हैं। जिला न्यायालय के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश लक्ष्मण कुमार वर्मा ने 27 फरवरी को निर्णय देकर प्रेम प्रसंग के चलते हुई आनर किलिंग (झूठी शान) से जुड़े हत्या मामले के दोषियों को सजा सुनाई है।

अभियोजन में शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक नेतराम चौरसिया ने प्रकरण में साक्ष्य व गवाहों को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया। अपर लोक अभियोजक नेतराम चौरसिया ने बताया कि घटनाक्रम अनुसार बोलेरो वाहन में सवार तीन युवक राजेश नागोत्रा (28) बोरीखेड़ा थाना तिरोड़ी, दीपक भंवरे (23) दिग्धा तथा निहाल सिंगोर (18) कुड़वा गांव निवासी को दोषियों ने पहले बेरहमी से पीटा और

फिर मिट्टी का तेल तथा पेट्रोल डालकर वाहन समेत जिंदा आग के हवाले कर दिया था। 9 जनवरी की सुबह लोगों ने जंगल में जले हुए बोलेरो वाहन में मृतकों के शव देखकर पुलिस को घटना की सूचना दी थी। कुरई पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज मामले को जांच में लिया था। सुनवाई के बाद 75 पेज के निर्णय में न्यायालय ने सभी आरोपितों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 34 (हत्या), 435 (आग द्वारा क्षति) व 201 (साक्ष्य मिटाना) का दोषी पाया। आरोपी चंद्रभोज उर्फ चंदू, दीनदयाल ब्रम्हे, शिवम ब्रम्हे तथा विनोद ब्रम्हे का दोष सिद्ध होने पर कोर्ट ने सभी आरोपियों को आजीवन कारावास तथा 5 वर्ष सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।